सुप्रभात
रांची, शुक्रवार
22.03.2024
* * नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net फाल्गुन, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 249

12 फिल्म दो और दो प्यार का टीजर हुआ रिलीज

इफ्तार : शाम 6.00(22 मार्च)
सेहरी : भोर 4.36 (23 मार्च)
Sreeleathers
66 K-ROAD, BISTUPUR

HIND
INDUSTRIAL TECHNICAL INSTITUTE
NISHA APARTMENT, JAWAHAR NAGAR
09234721984, 7050557786

इफ्तार : शाम 6.00(22 मार्च)
सेहरी : भोर 4.36 (23 मार्च)

दिल्ली शराब घोटाले में इडी का बड़ा एक्शन

केजरीवाल गिरफ्तार

9 समन के बाद भी पेश नहीं हुए, गिरफ्तारी पर रोक लगाने गये थे कोर्ट

कोर्ट ने भी राहत देने से किया था इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने दिल्ली शराब घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इडी की टीम ने केजरीवाल से दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मामले में उनके आवास पर जा कर करीब दो घंटे तक पूछताछ की। गुरुवार को ही हाइकोर्ट द्वारा केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग में दंडात्मक कार्रवाई से राहत प्रदान करने से इनकार कर दिया था। इसके कुछ ही देर बाद इडी की टीम उनके आवास पर पहुंची। इससे पहले केजरीवाल को इडी ने नौ बार समन भेजा था लेकिन वह पेश नहीं हुए थे। इडी की टीम जब उनके घर पहुंची, उस समय बाहर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये गये थे।

आवास के पास सुरक्षा कड़ी थी

जैसे ही ईडी के अधिकारी केजरीवाल के आवास पर पहुंचे, दिल्ली पुलिस और त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों को मुख्यमंत्री आवास के आसपास तैनात किया गया। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती इसलिए की गयी क्योंकि ईडी ने आप समर्थकों के विरोध प्रदर्शन की आशंका के चलते अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की मांग की थी।

हाइकोर्ट ने नहीं दी थी राहत

इससे पहले दिल्ली हाइकोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तारी से राहत राहत देने से इनकार कर दिया था। इडी की एक टीम उनके आवास पर तलाशी लेने पहुंची और उन्हें आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में जांच में शामिल होने के लिए समन सौंपा। उन्होंने कहा कि इडी की छह सदस्यीय टीम, दिल्ली पुलिस के कर्मियों साथ राष्ट्रीय राजधानी में फ्लैगस्टाफ रोड स्थित केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर पहुंची। केजरीवाल के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर उनकी पार्टी आप ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। (शेष पेज 11 पर)

जेल से ही सरकार चलायेंगे एके

वहीं, दिल्ली विधानसभा के स्पीकर राम निवास गोयल ने कहा है कि गिरफ्तारी के बाद भी अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे। इसका सीधा मतलब है कि अरविंद केजरीवाल जेल से ही सरकार चलायेंगे। गोयल ने कहा कि दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल का कहना है, यह सभी जानते हैं कि मनीष सिसौदिया को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन कुछ पता नहीं चला। अब तक 600 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वे चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल की आवाज को दबाना चाहते हैं, और इसलिए वे उसे गिरफ्तार करना चाहते हैं।

कपिल राज टीम लीड कर रहे थे

एक ज्वाइंट डायरेक्टर लेवल के अधिकारी जो आबाकरी नीति मामले के जांच अधिकारी भी है वो अपनी टीम के साथ सीएम के घर रेड में मौजूद थे। कपिल राज ज्वाइंट डायरेक्टर टीम लीड कर रहे थे। सीएम केजरीवाल और घर के सभी लोगों के फोन जमा करवा लिया गया था। घर के डिजिटल गजेट्स के बारे में भी पूछताछ की गयी कि कौन से डिजिटल गैजेट्स इस्तेमाल करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अरविंद केजरीवाल

इस बीच, केजरीवाल ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। ईडी टीम के पहुंचने के तुरंत बाद केजरीवाल के आवास पर पहुंचे आप नेता और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने संवाददाताओं से कहा, ऐसा लगता है कि ईडी छापेमारी कर रही है। मुझे अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गयी। ऐसा लग रहा है कि ईडी उन्हें गिरफ्तार करने वाली है।

चर्चित महिला दारोगा मीरा सिंह के यहां इडी रेड

- करीबी कांग्रेसी नेता के यहां भी छापा, 15 लाख कैश, अवैध हथियार जब्त
- तुपुदाना ओपी से कई अहम दस्तावेज बरामद

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड पुलिस की चर्चित सब इंस्पेक्टर (2012 बैच) मीरा सिंह के यहां गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने रेड की। मीरा सिंह के अलावा रांची के कांग्रेस नेता लाल मोहित नाथ शाहदेव के यहां भी छापेमारी गयी। लाल मोहित नाथ शाहदेव मीरा सिंह के करीबी बताये जा रहे हैं। ईडी की टीम लाल मोहित नाथ शाहदेव और मीरा सिंह के तुपुदाना स्थित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इडी न्छापामारी में 15 लाख कैश, अवैध हथियार, आठ मोबाइल, महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किया है। हालांकि, इडी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मीरा सिंह वर्तमान में रांची के तुपुदाना ओपी की प्रभारी हैं। घूसखोरी के मामले में वह एक बार जेल भी जा चुकी हैं।

सुबह छह बजे ही पहुची टीम

जानकारी के अनुसार इडी की टीम गुरुवार की सुबह छह बजे ही सब इंसेक्टर मीरा सिंह के तुपुदाना स्थित आवास पहुची थी। (शेष पेज 11 पर)

भाजपा ने प्रत्याशियों की तीसरी लिस्ट जारी की

नयी दिल्ली। भाजपा ने प्रत्याशियों की तीसरी सूची में तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन को चेन्नई साउथ से टिकट दिया है। राज्यपाल पद से इस्तीफे का बाद वह भाजपा में शामिल हो गयी थीं। अलावा पार्टी ने कोयंबटूर से तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई को उम्मीदवार बनाया है। केंद्रीय मंत्री लोगनाथन मुरुगन को नीलगिरी (एससी) से चुनावी मैदान में उतारा गया है। पार्टी ने पहली लिस्ट में 195 और दूसरी लिस्ट में 72 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी।

बिल्डर ने की आत्महत्या

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित हिनू में गुरुवार सुबह राजधानी के एक चर्चित बिल्डर नीरज सहाय ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। बिल्डर के परिजनों ने बताया कि नीरज सहाय ने गुरुवार सुबह करीब आठ बजे खुद को कमरे में बंद कर लिया और गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर परिवार के लोग दौड़ कर आये , पर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। परिजनों ने मामले की जानकारी डोरंडा थाने को दी। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कमरे का दरवाजा तोड़ा और अंदर गये। कमरे में नीरज सहाय मृत पड़े थे और उनकी लाइसेंसी पिस्तौल उनके हाथ में थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। बिल्डर के करीबियों के अनुसार वह कुछ दिनों से पैसे को ले कर तनाव में थे। (शेष पेज 11 पर)

न्यूज डायरी

सीता सोरेन को मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा

रांची। झामुमो की पूर्व विधायक सीता सोरेन को केंद्र सरकार ने जेड श्रेणी की सुरक्षा दी है। झामुमो छोड़ कर वह वह 19 मार्च को दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गयीं थीं। जेड श्रेणी में 22 कर्मियों की सुरक्षा होती है, जिसमें 4-6 एनएसजी कमांडो और पुलिस कर्मी शामिल होते हैं। हाल में ही झारखंड पुलिस ने वीआइपी सुरक्षा की समीक्षा की थी।

जयपुर में बिहार के पांच लोगों की जलने से मौत

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा थाना क्षेत्र के जैसल्या गांव में गुरुवार सुबह एक मकान में अचानक आग लग जाने से तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के पांच लोगों की जलने से मौत हो गयी। सभी मृतक बिहार के मधुबनी के रहने वाले थे। यहां मजदूरी करता था। आग सुबह करीब साढ़े सात बजे लगी। मृतकों में पति-पत्नी , डेढ साल के बेटे एवं करीब पांच एवं छह साल की दो बेटियां जिंदा जल गयीं। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने गहरा दुख जताया है।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	61900 रु./10 ग्राम
चांदी	:	77000 रु./प्रति किलो

दिल्ली की साजिशों के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा

कार्यकर्ताओं से बोलीं कल्पना-झारखंड को झुकने नहीं दूंगी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गिरिडीह। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि झारखंड का तेजी से विकास हो रहा है। दिल्ली की सत्ता में बैठे लोग इसे पचा नहीं पा रहे हैं। यही कारण है कि साजिश के तहत पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को जेल भेजने का काम किया गया, ताकि राज्य का विकास अवरुद्ध हो जाये। कल्पना सोरोन ने कहा कि इन साजिशों के खिलाफ संघर्ष करते हुए राज्य को आगे ले जायेंगी। वह किसी भी सूरत में झारखंड को झुकने नहीं देंगी। वह गुरुवार को गिरिडीह के बेंगाबाद के धुमाडीह मैदान में झामुमो कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थीं।

आंसू को संभालकर रखें

कल्पना सोरेन ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं से मिल रहे सम्मान से पता चलता है कि वे हेमंत सोरेन से कितना लगाव रखते हैं। उनके जेल जाने से परिवार के सदस्यों के साथ हर कार्यकर्ता दुखी है। उनकी आंखों में आंसू है, लेकिन आंसू बहाने का नहीं, उसे संभाल कर ताकत बनाने की जरूरत है। बड़ी मुसीबतों के बाद राज्य को बनाया, अब इसे संवारने की जिम्मेदारी भी हमारी है। उन्होंने कहा कि हर घर से बहन-बेटियों को आगे आना होगा। केंद्र सरकार, झारखंड को हर मामले में तिरस्कृत कर रही है। (शेष पेज 11 पर)

हेमंत सोरेन की हिरासत अवधि चार तक बढ़ी

रांची। ईडी कोर्ट ने बड़गाई अंचल के 8.46 एकड़ के जमीन घोटाले में शामिल पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की न्यायिक हिरासत अवधि चार अप्रैल तक बढ़ा दी है। जेल में बंद हेमंत सोरेन को गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में पेश किया गया था। अदालत हेमंत सोरेन एवं बड़गाई अंचल के निलंबित राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद की न्यायिक हिरासत अवधि 4 अप्रैल तक बढ़ा दी है। अगली पेशी 4 को ही होगी। इडी ने 31 जनवरी को पूछताछ के बाद देर रात गिरफ्तार किया था। अगले दिन 1 फरवरी को अदालत में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में लेते हुए जेल भेज दिया गया था। तब से वह जेल में है। ईडी ने इस मामले में ईसीआईआर 6/2023 दर्ज किया है और मामले की जांच कर रही है। इस मामले में भानु प्रताप प्रसाद, हेमंत सोरेन एवं अज्ञात अन्य को आरोपित बनाया गया है।

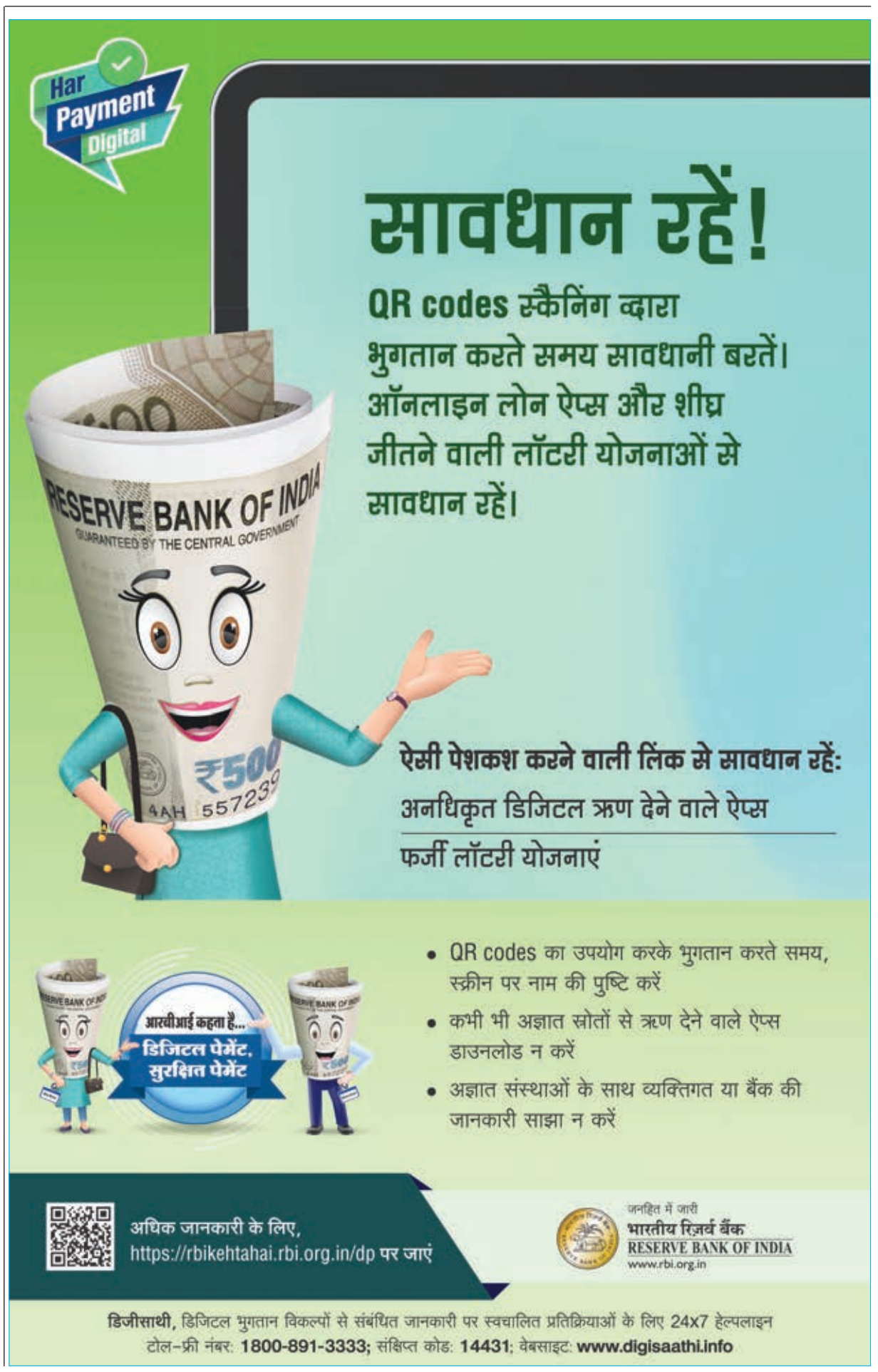

एसबीआइ ने चुनावी बांड का सारा डाटा इसीआइ को सौंपा

कोर्ट में दिये हलफनामा में कहा, दो सीलबंद लिफाफे में है सारा विवरण

नयी दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चुनावी बांड के सभी विवरण सीरियल नंबर के साथ भारतीय चुनाव आयोग (इसीआइ) को सौंप दिये। चुनावी बांडों को खरीदने और भुनाने वाले दलों के भी पूरे विवरण दो मुहर बंद लिफाफों में निर्वाचन आयोग को सौप दिये हैं। एसबीआइ के अध्यक्ष दिनेश कुमार खारा की ओर से उच्चतम न्यायाय में गुरुवार को दाखिल एक शपथपत्र में इस बात की जानकारी दी गयी। हलफनामे में न्यायालय को बताया है कि उसने चुनावी बांड से संपूर्ण विवरण चुनाव आयोग को दे दिये हैं। एसबीआइ के हलफनामे में कहा गया है कि 21 मार्च, 2024 को, एसबीआई ने अपने कब्जे और हिरासत में मौजूद चुनावी बांड के सभी विवरण भारत के चुनाव आयोग को प्रदान/खुलासा किये। एसबीआई की ओर से साझा किये गये विवरण शीघ्र ही चुनाव आयोग द्वारा अपनी वेबसाइट पर अपलोड किए जाने की उम्मीद है।

बांड खरदने, भुनानेवालों का है विवरण

इस विवरण में बांड खरीदनेवाले के नाम , निर्गम करने वाली शाखा का कोड, मियाद पूरी होने की तिथि बांड नंबर , नंबर से पहले का अक्षर, उसकी रकम और स्थिति के साथ ही बांडों को भुनाने वाले राजनीतिक दलों के नाम, उनके खातों के अंतिम चार अंक, बांड का नंबर और उससे पहले लगने वाले अक्षर, बांड का मूल्य , भुगतान करने वाली शाखा का पूरा विवरण दिया गया है। (शेष पेज 11 पर)

चुनावी बांड के नंबर भी सौंपे

बैंक द्वारा दी गयी जानकारी के हालिया बेच में चुनावी बांड के विशिष्ट नंबर शामिल हैं। ये नंबर दानदाताओं और योगदान प्राप्त करने वाले संबंधित राजनीतिक दलों के बीच मिलान प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने में मदद करेंगे। हालाँकि, बैंक ने खाताधारकों की सुरक्षा का हवाला देते हुए, राजनीतिक दलों और खरीदारों दोनों के पूर्ण बैंक खाता संख्या और केवाईसी विवरण का खुलासा करने से परहेज किया है। हालांकि हलफनामे में कहा गया है, राजनीतिक दलों के पूर्ण बैंक खाता नंबर और केवाईसी विवरण सार्वजनिक नहीं किये जा रहे हैं क्योंकि इससे खाते की सुरक्षा (साइबर सुरक्षा) से समझौता हो सकता है। इसी तरह, सुरक्षा कारणों से खरीदारों के केवाईसी विवरण भी सार्वजनिक नहीं किये जा रहे हैं, सिवाय इस तथ्य के कि ऐसी जानकारी सिस्टम में फीड/संकलित नहीं की जाती है।

सीइओ ने गुमला, लोहरदगा, खूंटी, रांची एवं सिमडेगा में चुनाव तैयारियों की समीक्षा की

शांतिपूर्ण, स्वच्छ, निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव के लिए पदाधिकारी योजनाबद्ध कार्य करें : सीइओ

मतदान केंद्र पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं निष्पक्ष लोक सभा निर्वाचन 2024 को संपन्न कराने में पदाधिकारी कार्ययोजना बनाकर काम करें। निर्वाचन अवधि के दौरान विधि व्यवस्था संधारण में पूरी मुस्तैदी रखें। दुर्गम स्थानों पर अवस्थित मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टी एवं आवश्यक सेवाओं के लिए आवागमन की व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाये। वह गुरुवार को गुमला में लोहरदगा, खूंटी, गुमला, राँची एवं सिमडेगा जिले की पुलिस, सीआरपीएफ, वन विभाग एवं संबंधित जिला प्रशासनों के पदाधिकारियों के साथ इन जिलों में लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन में सभी बूथों पर न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। बूथों पर पेयजल, शौचालय, रैम्प, बिजली जैसी मूलभूत व्यवस्था होना अनिवार्य है।

संवेदनशील बूथों पर करें समुचित व्यवस्था : उन्होंने इन जिलों के संवेदनशील मतदान केन्द्रों के लिए निर्वाचन से संबंधित समुचित व्यवस्था करने को कहा। कहा कि सभी प्रस्तावित हैलिपैड को चिन्हित कर उसे सुदृढ कर लें ताकि पोलिंग पार्टी एवं इमरजेंसी सेवाओं में इनका इस्तेमाल हो सके। साथ ही वन विभाग द्वारा पेड़ों की छटाई, स्मोक आदि की भी व्यवस्था कर लें।

वोटरों को समय से जगायें, ताकि वोट दे सकें : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी एवी होमकर द्वारा विधि-व्यवस्था के दृष्टिकोण से की गई तैयारी, स्वच्छ, भयमुक्त और निष्पक्ष चुनाव की तैयारियों का अनुश्रवण की समीक्षा की गयी। रीलोकेटेड बूथों से संबंधित मतदाताओं को समय पूर्व जागरूक करने का निर्देश दिया। साथ साथ हथियार जब्ती ,अवैध शराब एवं नशे की प्रतिबंधित सामग्रियों के आवागमन पर पूर्णतया रोक लगाते हुए अभियान चलाकर जब्त करने की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया गया।

मतदाना केंद्रों का किया निरीक्षण, दिये निर्देश : बुंडू स्थित राज्यकीयकृत मध्य विद्यालय जरिया एवं बेड़ो के मतदान केंद्रों का मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया, वहां के बीएलओ द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। बूथ अवेरनेस ग्रुप के सदस्यों की सूची, बूथों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता का भी उन्होंने जायजा लिया। वहीं अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह ने भी गुमला के भरनो एवं जुरा स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों पर स्थित मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया।

बैठक में इनकी रही उपस्थिति : राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी एवी होमकर, सीआरपीएफ आईजी राकेश अग्रवाल, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह, डीआईजी दक्षिणी छोटानागपुर रेंज, प्रमंडलीय आयुक्त, डीआईजी जगुआर, डीआईजी जंगल वारफेयर, डीआईजी सीआरपीएफ सहित गुमला, रांची, खूंटी, सिमडेगा एवं लोहरदगा के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, आरक्षी अधीक्षक, जिला नोडल पुलिस अधीक्षक एवं सीआरपीएफ के कमांडेंट।

कांग्रेस सीईसी की बैठक टली, संभावित उम्मीदवार नाराज

इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों की घोषणा में हो सकती है थोड़ी देर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों की घोषणा को लेकर दिल्ली में कांग्रेस की होने वाली सीईसी की बैठक टलने से संभावित उम्मीदवारों को निराशा हाथ लगी है। बैठक नहीं होने से उम्मीदवारों की घोषणा में देरी होने की संभावना दिख रही है। इस संबंध में झारखंड कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि पहले से तय था कि आज सीईसी की बैठक झारखंड के संबंध में नहीं होगी। राकेश सिन्हा ने कहा कि गठबंधन के कई घटक दलों की बैठक होनी अभी बाकी है। पलामू और चतरा लोकसभा पर बात चल रही है। होली का त्योहार है। इसको भी पार्टी आलाकमान देख रहा है। हालांकि राष्ट्रीय नेतृत्व एक से दो दिनों के अंदर भी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती है। बावजूद अभी कुछ भी कह पाना थोड़ी जल्दीबाजी हो सकती है।

घोषणा में हो रही देरी का कारण स्पष्ट नहीं : राज्य में इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों की घोषणा में देरी का कारण साफ नहीं हो पा रहा है। कहा यह भी जा रहा है कि अभी कई दलों के नेता कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। अब इन नेताओं के शामिल होने के बाद ही स्थिति साफ होने की उम्मीद लग रही है। बीते मंगलवार को मांडू से बीजेपी विधायक जेपी पटेल ने बीजेपी का साथ छोड़ कर कांग्रेस का दामन थाम लिया है। अंदाजा यह भी लगाया जा रहा है की जेपी पटेल को कांग्रेस हजारीबाग लोकसभा से उम्मीदवार बना सकती है।

इंडी गठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय

झारखंड में इंडी गठबंधन से चार दल कांग्रेस, जेएमएम, आरजेडी और सीपीआई माले राज्य में चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस लोकसभा की सात सीट रांची, खूंटी, लोहरदगा, हजारीबाग, धनबाद, गोड्डा और पलामू सीट पर उम्मीदवार देगी। वहीं जेएमएम राजमहल, दुमका, गिरिडीह, जमशेपुर और सिंहभूम (चाईबासा) लोकसभा सीट पर अपना उम्मीदवार देगा। इसके साथ सीपीआई माले कोडरमा और चतरा लोकसभा सीट से आरजेडी चुनाव लड़ेगा।

खबर एक नजर में

रिजर्व केटेगरी के अभ्यर्थियों के आरक्षण से जुड़े मामले में तीन जजों की बेंच में हुई सुनवाई

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस राजेश शंकर की फुल बेंच में जाति प्रमाण पत्र के कारण आरक्षण का लाभ नहीं दिए जाने के खिलाफ दाखिल अपील पर सुनवाई हुई। गुरुवार की सुनवाई के बाद अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 25 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि इस मामले में विस्तृत सुनवाई की जरुरत है। इस संबंध में डॉ नूतन इंदवार सहित 40 अन्य की ओर से हाईकोर्ट में अपील याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि नियुक्ति के लिए जारी विज्ञापन में प्रार्थियों ने आवेदन दिया था, लेकिन आयोग ने इनकी जाति प्रमाण पत्र को नहीं मानते हुए इन्हें सामान्य श्रेणी में शामिल कर लिया। जबकि इन्होंने अपनी श्रेणी में निर्धारित कट ऑफ मार्क्स से ज्यादा अंक प्राप्त किये हैं।

कोलकाता कैशकांड में इडी की ओर से गवाही दर्ज

रांची। कोलकाता कैशकांड मामले में गुरुवार को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में ईडी की ओर से गवाही कराई गई। मामले में हाईकोर्ट के अधिवक्ता राजीव कुमार एवं कोलकाता का कारोबारी अमित कुमार अग्रवाल ट्रायल फेस कर रहे हैं। ईडी ने गवाह के रूप में ड्राइवर सीता राम रजक की गवाही कराई। राजीव कुमार जब रांची से कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे थे। तब सीता राम रजक ने ही उन्हें होटल पहुंचाया था। कहा था कि एक घंटे में वापस आ रहे हैं लेकिन, समय से ज्यादा हो गया तो फोन करने पर उनका मोबाइल ऑफ आ रहा था। घटना की जानकारी से इनकार किया। मालूम हो कि मिलने के दौरान ही राजीव कुमार को कोलकाता पुलिस ने 31 जुलाई 2022 को 50 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया था।

फुलेश्वर गोप की जमानत याचिका खारिज

लेवी का पैसा शेल कंपनी में लगाने का मामला

रांची। प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई द्वारा उगाही की गयी लेवी का पैसा शेल कंपनी शिव आदि शक्ति इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड में निवेश से संबंधित मामले में आरोपी फुलेश्वर गोप की जमानत याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने फुलेश्वर की जमानत याचिका खारिज कर दी। पूर्व में कोर्ट ने मामले में दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। पूर्व की सुनवाई में प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया था फुलेश्वर गोप शिव आदि शक्ति इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर थे, लेकिन कंपनी में उनका शेयर मात्र 5 प्रतिशत का था। लेवी का कोई पैसा इस कंपनी में नहीं लगा है।

सिंहभूम और सरायकेला के मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण

कमियां शीघ्र दूर करें : के. रवि कुमार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लोकसभा आम चुनाव-2024 की तैयारियों की समीक्षा के क्रम में गुरुवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों ने पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम एवं सरायकेला जिले के कई मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर उपलब्ध न्यूनतम भौतिक सुविधाओं का जायजा लिया। मालूम हो कि पूर्व में राज्य के लगभग 600 मतदान केंद्रों पर उपलब्ध न्यूनतम सुविधाओं का सामाजिक अंकेक्षण कराया गया है। अंकेक्षण प्रतिवेदन में मतदान केंद्रों पर उपलब्ध न्यूनतम सुविधाओं में कमी पाये जाने के बाद 27 मार्च 2024 तक भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्दिष्ट मानकों के अनुरूप राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने का निर्देश है।

डीएसई और ईई, आरईओ से शो-कॉज करें : बीते 19 मार्च को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों के द्वारा मतदान केंद्रों के निरीक्षण के क्रम में 57-खरसावां विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चिलकु के मतदान केंद्र संख्या 189 एवं 190 तथा पूर्वी सिंहभूम जिले के 46-पोटका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के आरईओ ऑफिस, खासमहल के मतदान केंद्र संख्या 53 एवं 54 में न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं में काफी कमी पाई गयी। इसके बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी, डीएसई, सरायकेला-खरसावां एवं कार्यपालक अभियंता आरईओ ऑफिस खासमहल से स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुए विभागीय कार्यवाही संचालित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

भाकपा माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य बिनोद मिश्रा धनबाद से गिरफ्तार

रांची। धनबाद के धनसार से राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) को पुनर्जीवित और मजबूत करने की साजिश रचने के मामले में वांछित एक माओवादी को गिरफ्तार किया है। एनआईए ने बताया कि बिनोद मिश्रा उर्फ विनोद मिश्रा भाकपा (माओवादी) के पोलित ब्यूरो का सदस्य है और वह फरार चल रहा था। इसी क्रम में उसकी गिरफ्तारी की गई है, बिनोद मिश्रा को एजेंसी की एक टीम ने झारखंड के धनबाद जिले के धनसार क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। एनआईए को विनोद के धनबाद में छिपे होने की सूचना मिली थी।

सोशल मीडिया में झामुमो पर बड़ा हमला बोला

किस निर्लज्जता से ये बात कहते हैं कि झुकेगा नही : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अवैध बालू लदे ट्रक से हजारीबाग में छह बेटियां कुचल दी गईं लेकिन ये कहेंगे झुकेगा नहीं। अवैध बालू से लदे तुपुदाना में बीते दिनों बस की टक्कर में एक पत्रकार की पत्नी और बेटी की जान चली गई, ये कहेंगे झुकेगा नहीं। गौ तस्करों ने दारोगा बिटिया संध्या टेम्पो को कुचल कर मार दिया। ये कहेंगे झुकेगा नहीं। बालू तस्करी से उगाही के लाखों रुपये तुपुदाना की घूसखोरी में जेल गई चार्जशीटेड थाना प्रभारी मीरा सिंह के एजेन्ट के यहां से मिलने की खबर आ रही है। ये साबित है कि अवैध धंधों का पैसा एजेन्टों के जरिये थानेदारों और बड़े अफसरों के जरिये सत्ताधारी नेताओं तक पहुंच रहा है लेकिन ये कहेंगे झुकेगा नहीं। उन्होंने कहा कि रोजगार आप दे नहीं पाए, आपका अवैध बालू, कोयला लदी गाड़ियां उन्हें कुचल रहीं। इससे शर्मनाक और चुल्लू भर पानी में डूब मरने वाली बात और क्या हो सकती है।

कांग्रेस को अर्थिक रूप से पंगू बनाने का प्रयास कर रही है बीजेपी : गुंजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह ने कहा कि भाजपा द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु बनाने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है। पूरे देश की जनता से जुटाए गए पैसे को रोका जा रहा है और कांग्रेस पार्टी के खातों से जबरन पैसा छीना जा रहा है।

प्रदेश महिला कांग्रेस ने इलेक्टोरल बॉन्ड पर बीजेपी को घेरते हुए कहा कि एक तरफ 'चुनावी बॉन्ड' का मुद्दा है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार दिया है। चुनावी बॉण्ड से बीजेपी को भारी और बड़े पैमाने पर फायदा हुआ है। दूसरी तरफ कांग्रेस की वित्तीय स्थिति पर लगातार हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में निष्पक्ष चुनाव होना चाहिए, सभी को समान अवसर मिलने चाहिए। सत्ता में बैठे लोगों का संसाधनों पर एकाधिकार नहीं होना चाहिए। कहा कि सत्ता में बैठे लोगों का संवैधानिक संस्थाओं पर प्रत्यक्ष या परोक्ष नियंत्रण नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस को चुनाव लड़ने से दूर करना चाहती है बीजेपी : सोनाल शांति

रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा है कि देश के भीतर कांग्रेस को चुनाव से दूर करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को तहस-नहस करने की साजिश भाजपा द्वारा की जा रही है। इस कड़ी में कांग्रेस के बैंक खाते को पिछले एक माह से प्रधानमंत्री मोदी के इशारे पर फ्रिज किया गया है। सोनाल शांति ने कहा कि भाजपा देश में अपने चरित्र के अनुसार विपक्ष को समाप्त करने की कोशिश में सारी संवैधानिक मयार्दाओं को लांघ चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी इस दिशा में अनवरत प्रयासरत है कि चुनाव के दौरान विपक्षी नेताओं और दलों को झूठे मुकदमों में फंसाकर उलझाये रखा जाए और इसके लिए सारी संवैधानिक संस्थाओं इडी, सीबीआई,आयकर विभाग आदि का दुरुपयोग किया जाय।

होली में राज्य में न हो बिजली कटौती, निगम ने जारी किया आदेश

रांची। होली के दौरान राजधानी में निर्बाध बिजली आपूर्ति हो इसे लेकर जेबीवीएनएल मुख्यालय ने निर्देश जारी किया है। जेबीवीएनएल ने निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए सभी आपूर्ति कार्यालयों को आदेश दिया है। जिसमें कहा है कि राज्य में होली समेत गर्मी के दौरान बिजली उपभोक्ताओं को बिजली की किल्लत का सामना न करना पड़े। इसके लिए आपूर्ति कार्यालयों की ओर से सुनिश्चित कार्रवाई की जायें। जिससे समय-समय पर होने वाली लोड शेडिंग से लोगों को राहत मिल सकें। विशेषकर तकनीकी कारणों से होने वाली बिजली कटौती को रोकने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए आपूर्ति क्षेत्र में बिजली उपकरणों की जांच, ट्रांसफॉर्मर जांच, फीडर चेकिंग से लेकर अन्य तकनीकी चीजों को दुरूस्त करने का आदेश दिया गया है।

निगम की ओर से अधिकारियों की जवाबदेही तय की गयी है। जिससे क्षेत्रवार बिजली की समस्या का समाधान हो सके। वहीं, सभी सब स्टेशन में ट्रांसफॉर्मर फिलिंग करने जैसी तकनीकी चीजों पर भी ध्यान देने का निर्देश दिया गया है।

सीता सोरेन के फैसले से झारखंड की राजनीति में दूरगामी परिणाम संभव!

बीजेपी में जाने का फैसला बड़े परिवर्तन का इशारा

सत्येन्द्र

रांची। भले ही झामुमो दावा कर रहा है कि सुप्रीमो शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन के भाजपा में जाने से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन राजनीति की समझ रखने वाले लोग सीता के इस फैसले को झारखंड और झामुमो की राजनीति में दूरगामी परिणाम से जोड़कर देख रहे हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि सीता सोरेन झामुमो के दिग्गज नेता रहे दिवंगत दुर्गा सोरेन की पत्नी हैं और दुर्गा सोरेन आज भी लाखों लोगों के दिलों में बसे हैं। दुर्गा सोरेन झामुमो के दिग्गज नेता थे और एक समय उनकी तूती बोलती थी। झारखंड आंदोलन में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। संथाल के लोग गुरुजी शिबू सोरेन का उत्तराधिकारी दुर्गा सोरेन को ही मानते थे। उनको जानने वाले और राजनीतिक जानकारों की माने तो वह लड़ाके थे, बेबाक थे, निडर थे और पार्टी के प्रति पूरी तरह से समर्पित थे। दुर्गा सोरेन ही गुरुजी के असली उत्तराधिकारी थे।

लोकसभा चुनाव के ठीक पहले सीता ने एक बड़ा कदम उठाया है। कुछ महीनों के बाद विधानसभा के चुनाव भी होने वाले हैं। इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि शिबू सोरेन की बहू और दुर्गा सोरेन की पत्नी सीता सोरेन का झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़कर भाजपा में जाना झारखंड की राजनीति के लिए एक बड़ा परिवर्तन है और इसका दूरगामी परिणाम साबित हो सकता है।

सीता कर चुकी थीं पीड़ा सार्वजनिक

दुर्गा सोरेन के निधन के बाद सीता सोरेन राजनीति में सक्रिय हुईं और यह उम्मीद जताई जा रही थी कि पार्टी में उन्हें प्रमुख जिम्मेदारी और तरजीह मिलेगी, लेकिन दुर्गा सोरेन के निधन के लंबे समय बाद भी उनके चाहने वालों को ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला। सीता सोरेन इस मामले में पहले भी कई बार अपनी पीड़ा सार्वजनिक कर चुकी थीं। कई बार पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीता ने कहा था कि वह पार्टी के रवैये से खुश नहीं है। उनके पति ने इस राज्य के निर्माण और झारखंडी अरमानों को पूरा करने के लिए जो संघर्ष किया था, उसके अनुरूप उन्हें वह मान-सम्मान नहीं मिला। इन बयानों से यह कयास लगाए जा रहे थे कि वह कभी भी पार्टी छोड़ सकती हैं, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इसे कभी गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन सीता के सब्र का बांध अंततः टूट गया और उसने एक झटके में पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। झामुमो और सीता के करीबियों की माने तो परिवार में सीता सोरेन से लगभग सभी नाखुश थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला

पत्रांक :– 570 गुमला, दिनांक :– 21.03.2024

निविदा स्थगन सूचना का प्रकाशन

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक 410 दिनांक 11.03.24 के द्वारा निर्गत ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या WRD/MID /GUMLA/F2-45/2023-24, PR No. 322061 Minor Irrigation (23-24)D द्वारा प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणवश अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला

PR 323264 (Minor Irrigation)23-24*D

कार्यालय, जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त खूँटी (MCMC कोषांग)

सूचना

एतद् द्वारा सभी राजनीतिक दल/अभ्यर्थी को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग के पत्रांक 149/ Paid News/2019/Communication, दिनांक 25.02.2019 के आलोक में लोकसभा निर्वाचन 2024 के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष संचालन हेतु जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (Media Certification & Monitoring Committee) का गठन जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त, खूँटी की अध्यक्षता में किया गया है। मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति आदर्श आचार संहिता प्रभावी रहने के दौरान किसी राजनीतिक दल/अभ्यर्थी द्वारा अपने पक्ष में मतदान हेतु प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अन्य मामलों की गतिविधियों के संचालन एवं निगरानी का कार्य करेगी।

- MCMC सूचना भवन जिला जनसम्पर्क कार्यालय, खूंटी में कार्यरत है।
- निर्वाचन के दौरान चुनाव प्रचार से संबंधित प्रकाशित विज्ञापन का छानबीन तथा वल्क एस0एम0एस0/आवाज संदेशों/टी0वी0 चैनलों/केबल नेटवर्क/रोडियो/निजी एफ0एम0 चैनल/ सिनेमा हॉल/सार्वजनिक स्थानों पर एवी में प्रदर्शित या सोशल मीडिया/समाचार पत्र एवं किसी अन्य प्रकार के प्रिंट मीडिया के माध्यम से प्रचारित करना पेड न्यूज की श्रेणी में रखा गया है।
- प्रिंट मीडिया में मतदान दिवस एवं मतदान दिवस से एक दिन पूर्व विज्ञापन प्रकाशित करने हेतु MCMC का अनुमति अनिवार्य है।
- इलेक्ट्रोनिक मीडिया तथा सोशल मीडिया/ई–पेपर पर किसी भी प्रकार की सामग्री का प्रसारण करने से पूर्व जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (MCMC) से पूर्वानुमति आवश्यक होगी।
- कोई भी राजनीतिक दल/प्रत्याशी/कोई व्यक्ति/व्यक्तियों का समूह/ एसोसिएशन मीडिया पर कोई भी विज्ञापन का प्रसारण करना चाहते हैं तो विहित प्रपत्र में जिला स्तरीय मीडिया एवं निगरानी समिति (MCMC) को आवेदन समर्पित कर सकते हैं। व्यय की विवरणी संभावित दल/अभ्यर्थी के खाते में प्रविष्ट की जाएगी तथा कोई भी विज्ञापन प्रकाशित/प्रसारित करना चाहते हैं तो विहित प्रपत्र ANNEXURE–A में जिला स्तरीय मीडिया एवं निगरानी समिति (MCMC) कोषांग को आवेदन समर्पित कर सकते हैं। उनके द्वारा दिये गये व्यय की विवरणी को उम्मीदवारों / प्रत्याशी के खाते में प्रविष्ट किया जायेगा तथा प्राप्त आवेदन के आलोक में विधिवत विज्ञापन प्रसारण हेतु ANNEXURE–B में अनुमति प्रदान की जायेगी। दी गई अनुमति की प्रति व्यय प्रेक्षक एवं निर्वाची पदायिधकारी तथा निर्वाचन व्यय कोषांग को दी जाएगी।
- आवेदन के समय दिये जाने वाले दस्तावेज :– (i) आवेदन प्रपत्र (ii) दो – दो प्रति प्रस्तावित विज्ञापन का हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी (iii) दो स्वः अभिप्रमाणित प्रति हार्ड कॉपी (iv) प्रस्तावित विज्ञापन का अनुमानित लागत (v) विज्ञापन कब–कब एवं कितने बार प्रकाशित/टेलिकास्ट होगी उसकी विवरणी।
- राष्ट्रीय/राज्यकृत दल / प्रत्याशी को किसी भी सामग्री के विज्ञापन प्रसारण की तिथि से 3 दिन पूर्व एवं अनरजिस्टर्ड राजनीतिक दल या अन्य व्यक्ति को विज्ञापन प्रसारण की तिथि के 7 दिन पूर्व जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (MCMC) से अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी –सह– उपायुक्त, खूँटी

PR 323231 (Election)23-24*D

भाजपा ने अपनी रणनीति से सोरेन परिवार की तोड़ डाली एकजुटता

लोकसभा चुनाव में सीता सोरेन के सहारे आदिवासी वोटरों को रिझाने में जुटी भाजपा

उदय चौहान

रांची। भाजपा ने शिबू सोरेन परिवार की एकजुटता पहली बार तोड़ डाली। भाजपा ने अपनी स्ट्रेटेजी से झामुमो के किले संथाल परगना में सीता सोरेन के सहारे चुनावी वैतरणी पार करने की कवायद की है। पहली दफा सोरेन परिवार के दो सदस्य चुनाव में आमने-सामने हो रहे हैं। मालूम हो कि पांच दशक से अधिक समय से बिहार-झारखंड की राजनीति में धमक रखने वाले शिबू सोरेन के परिवार की लड़ाई अब रुठने-मनाने के दायरे से बाहर निकलकर चुनावी मैदान तक पहुंच गई है। शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन के भाजपा में शामिल होने से रोमांचक चुनावी माहौल बन गया है। पहली बार स्थिति बनी है कि इस परिवार के सदस्य एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में आमने-सामने होंगे।

सीता सोरेन और कल्पना सोरेन में तकरार बढ़ी

सूत्रों के अनुसार भाजपा के लिए आदिवासी वोट हासिल करने में सीता सोरेन कारगर साबित हो सकती हैं। केंद्र की भाजपानीत सरकार ने सीता सोरेन को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। राज्य में लोहरदगा, दुमका,खूंटी, राजमहल जैसे आरक्षित सीटों पर भाजपा स्टार प्रचारक के रूप में उतार सकती है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर के बावजूद गठबंधन ने दो सीटों राजमहल और सिंहभूम पर जीत दर्ज की थी। इसके अलावा खूंटी और लोहरदगा में कम अंतर से भाजपा ने जीत हासिल की थी। इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में आदिवासी सुरक्षित सीटों पर भाजपा बुरी तरह पिछड़ गई थी। 28 आदिवासी सुरक्षित सीटों में भाजपा खाते में महज दो सीटें ही आ सकी थी। यही वजह है कि सीता सोरेन को अपने पाले में करने के बाद भाजपा उनका व्यापक पैमाने पर उपयोग करने के लिए रोडमैप तैयार कर रही है। इनके निशाने पर शिबू सोरेन का पूरा कुनबा होगा। झामुमो सीता सोरेन पर सीधे प्रहार करने से बचने की कोशिश कर सकता है। यही वजह है कि भाजपा में शामिल होने के बाद झामुमो ने उनपर आक्रमण करने की बजाय कम शब्दों में अपनी बातें रखीं।

इधर हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने पलटवार करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन राजनीति में नहीं आना चाहते थे। स्वर्गीय दुर्गा सोरेन उनके लिए सिर्फ बड़े भाई नहीं बल्कि पितातुल्य अभिभावक के रूप में रहे। 2006 में ब्याह के उपरांत मैंने हेमंत सोरेन का अपने बड़े भाई के प्रति आदर तथा समर्पण और दुर्गा सोरेन का हेमंत सोरेन के प्रति प्यार देखा। हेमंत सोरेन राजनीति में नहीं आना चाहते थे परंतु दुर्गा सोरेन की असामयिक मृत्यु और शिबू सोरेन के स्वास्थ्य को देखते हुए उन्हें राजनीति के क्षेत्र में आना पड़ा। हेमंत सोरेन ने राजनीति को नहीं बल्कि राजनीति ने हेमंत सोरेन को चुन लिया। उन्होंने आर्किटेक्ट बनने की ठानी थी। उनपर झामुमो की विरासत तथा संघर्ष को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी थी। हेमंत सोरेन जेल चले गए। वे झुके नहीं। उन्होंने एक झारखंडी की तरह लड़ने का रास्ता चुना। वैसे भी हमारे आदिवासी समाज ने कभी पीठ दिखाकर और समझौता कर आगे बढ़ना सीखा ही नहीं है। झारखंडी के डीएनए में ही नहीं है झुक जाना।

खैर! शिबू सोरेन परिवार की एकता टूटी है और इसका असर चुनावी मौसम में देखने को मिल सकता है। इसका कितना असर भाजपा व झामुमो पर पड़ता है, यह देखना अभी बाकी है।

हाइकोर्ट : एकल पीठ का आदेश निरस्त, सेना की जमीन के पास जिमखाना क्लब की जमीन पर अब नहीं बनेगा न्यूक्लियस मॉल

जिमखाना क्लब की जमीन पर बन रहे न्यूक्लियस मॉल मामले में हाईकोर्ट ने यूनियन ऑफ इंडिया की याचिका स्वीकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जिमखाना क्लब की जमीन पर बन रहे न्यूक्लियस मॉल को लेकर एकल पीठ के आदेश के खिलाफ यूनियन ऑफ इंडिया की ओर से कैप्टन सुष्मिता बनर्जी की

अपील पर झारखंड हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने यूनियन ऑफ इंडिया की ओर से कैप्टन सुष्मिता बनर्जी की अपील को स्वीकृत कर लिया। साथ ही एकल पीठ के आदेश को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने पूर्व में दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद मामला में फैसला सुरक्षित रख लिया था।

प्रतिवादी चैलिश रियल स्टेट की ओर से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया, अधिवक्ता इंद्रजीत सिंह एवं अधिवक्ता अर्पण मिश्रा ने पक्ष रखा था। दरअसल, मामले में हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की एकल पीठ ने सेना के अधिकारियों की याचिका को 5 अप्रैल 2023 को खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ यूनियन ऑफ इंडिया की ओर से कैप्टन सुष्मिता बनर्जी ने खंडपीठ में अपील दायर की थी। बता दें कि हाईकोर्ट की एकल पीठ में सुनवाई के दौरान सेना के अधिकारियों की ओर से कहा गया था कि जिमखाना की जमीन पर जो मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बन रही है वह सेना की जमीन के बगल में है। नियम के अनुसार सुरक्षा की दृष्टिकोण से सेना की जमीन से 50 मीटर की दूरी पर बिल्डिंग का निर्माण होना चाहिए था। वहीं प्रतिवादियों की ओर से कहा गया था कि सेना की ओर से जिस गाइडलाइन का हवाला दिया जा रहा है वह वर्ष 2022 का है, जो इसमें अप्लाई नहीं होता है। वर्ष 2016 का गाइडलाइन इसमें अप्लाई होता है, जिसमें कहा गया है कि सेना की जमीन से 10 मीटर की दूरी पर किसी बिल्डिंग का निर्माण कार्य हो सकता है, जो बिल्डिंग का निर्माण कार्य हो रहा है वह सेना की जमीन से 45 मीटर से ज्यादा दूरी पर है।

झारखंड में आज से मौसम होगा साफ, होली पर बादलों का रहेगा साया, तापमान बढ़ेगा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में टर्फ का असर कम होने लगा है। बंगाल की खाड़ी से आ रहे टर्फ के कारण पिछले दिनों झारखंड के पश्चिमी, दक्षिणी और मध्य भागों में असर देखने को मिला। इससे अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरा। मौसम विभाग ने आज शुक्रवार से मौसम साफ होने की संभावना जतायी है। विभाग के अनुसार 23 और 24 मार्च को

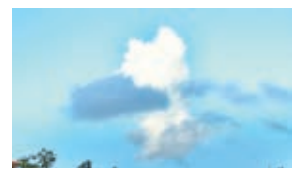

आसमान साफ रहेगा। होली के समय 25 से 27 मार्च तक आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। वहीं अगले 3-4 दिनों में 6 से 9 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

गुरुवार को राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में टर्फ का असर रहा। इस दौरान संथाल परगना में कहीं-कहीं पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा दर्ज की गई। बुधवार को राज्य में कई स्थानों पर गर्जन और आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई जबकि एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा भी दर्ज किया गया। सबसे अधिक वर्षा 82.4 एमएम कांके में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 28 डिग्री से. डालटनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री से. चाईबासा में दर्ज किया गया।

प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहनेवाले 210 पीठासीन एवं मतदान पदाधिकारियों को किया शो-कॉज

स्वीकार्य योग्य स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने पर की जायेगी कार्रवाई, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत की जायेगी कार्रवाई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। लोकसभा चुनाव के सफल संपादन को लेकर प्रतिनियुक्त पीठासीन एवं मतदान पदाधिकारियों को राजकीय +2 उच्च विद्यालय, कांके में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में बिना अनुमति अनुपस्थित रहनेवाले पीठासीन, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मतदान पदाधिकारियों को शो-कॉज जारी किया गया है। दिनांक 18, 19 और 20 मार्च 2024 को बिना अनुमति अनुपस्थित रहनेवाले कुल 210 पीठासीन/मतदान पदाधिकारियों को कारण पृच्छा समर्पित करने को लेकर आदेश जारी किया गया है। यह आदेश प्रशिक्षण पदाधिकारी द्वारा जारी की गयी है।

अनुपस्थित रहने वाले उक्त पीठासीन/मतदान पदाधिकारी द्वारा स्वीकार्य योग्य स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं रहने की स्थिति में इनके विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 के निर्वाचन कार्य सम्पन्न कराये जाने को लेकर केन्द्र सरकार/ राज्य सरकार के कार्यालय/ प्रतिष्ठान/ निकाय/ शैक्षणिक संस्थान में सेवारत पदाधिकारी/ कर्मचारी की नियुक्ति पीठासीन/ मतदान पदाधिकारी के दायित्व निर्वहन को लेकर की गयी है। निर्गत नियुक्ति पत्र के पार पृष्ठ पर नियुक्त पीठासीन/ मतदान पदाधिकारी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध कराते हुए निदेशित किया गया है कि वे प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, लेकिन दिनांक 18, 19 और 20 मार्च 2024 को बिना अनुमति कई पीठासीन/मतदानकर्मी अनुपस्थित रहे।

तिथिवार प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहनेवाले पीठासीन एवं मतदान पदाधिकारियों की संख्या

दिनांक 18 मार्च 2024
पीठासीन पदाधिकारी - 23
प्रथम मतदान पदाधिकारी - 22
द्वितीय मतदान पदाधिकारी - 13
तृतीय मतदान पदाधिकारी - 13
दिनांक 19 मार्च 2024
पीठासीन पदाधिकारी - 26
प्रथम मतदान पदाधिकारी - 11
द्वितीय मतदान पदाधिकारी - 12
तृतीय मतदान पदाधिकारी - 17
दिनांक 20 मार्च 2024
पीठासीन पदाधिकारी - 30
प्रथम मतदान पदाधिकारी - 15
द्वितीय मतदान पदाधिकारी - 17
तृतीय मतदान पदाधिकारी - 11

हेमंत सोरेन की ओर से ईडी के अधिकारियों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट में दर्ज मामला

ईडी के अधिकारियों के खिलाफ गोंदा पुलिस के नोटिस पर उच्च न्यायालय ने लगायी रोक

पुलिस को आगे नोटिस जारी नहीं करने का दिया निर्देश, अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन द्वारा दायर शिकायत पर ईडी के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली ईडी के अधिकारियों कपिल राज एवं अन्य की याचिका की सुनवाई गुरुवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट ने ईडी के अधिकारियों को

गोंदा पुलिस द्वारा 41 ए के तहत दिए गए नोटिस पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा है कि अगले आदेश तक पुलिस ईडी अधिकारियों को 41 ए का नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए नहीं बुला सकती है। पुलिस के द्वारा ईडी के अधिकारियों को दिए गए 41ए के नोटिस को लेकर ईडी की ओर से दाखिल हस्तक्षेप याचिका पर जवाब के लिए राज्य सरकार की ओर से 1 सप्ताह के समय की मांग की गई। कोर्ट ने राज्य सरकार को समय प्रदान करते हुए एक सप्ताह के बाद मामले की सुनवाई की तिथि निर्धारित की।

कोर्ट ने ईडी अधिकारी को खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक अगले आदेश तक जारी रखा है। ईडी की ओर से एएसजीआई एसवी राजू एवं अधिवक्ता एके दास ने पैरवी की।

बता दें कि यह एफआईआर झारखंड पुलिस द्वारा एससी/एसटी एक्ट के तहत रांची के एससी/एसटी पुलिस थाना में दर्ज की गई है। यह एफआईआर हेमंत सोरेन सोरेन की दिल्ली आवास पर ईडी द्वारा की गई तलाशी के संबंध में एक शिकायत को लेकर की गई है। ईडी की ओर से इस केस को निरस्त करने का आग्रह कोर्ट से किया गया है। एफआईआर में ईडी के सीनियर अधिकारियों पर दिल्ली में हेमंत सोरेन के आवास पर की गई तलाशी का आरोप लगाया गया है। इस एफआईआर में ईडी के अतिरिक्त निदेशक कपिल राज, सहायक निदेशक देवव्रत झा और अनुमान कुमार और अमन पटेल के साथ-साथ अज्ञात अधिकारियों का नाम शामिल है। इसमें हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि उनके दिल्ली आवास पर ईडी का तलाशी अभियान उन्हें और उनके समुदाय को परेशान करने और बदनाम करने के इरादे से चलाया गया। ईडी के अधिकारियों ने मीडिया को इसकी जानकारी लीक की, जिससे जनता की नजर में उनकी प्रतिष्ठा का हनन हो जाए।

होली के रंग में रंगी राजधानी, अबीर-गुलाल और पिचकारी से सजी दुकानें

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। होली त्योहार का रंग राजधानी के बाजारों पर चढ़ने लगा है। होली के लिए बाजार में रंग व गुलाल और मिठाई की दुकानें भी सजने लगी हैं। छोटे बच्चे अपनी मनपसंद की पिचकारी और अन्य सामान खरीद रहे हैं। इस बार भी बाजार में कई तरह की पिचकारी उपलब्ध हैं। जिसमें मुख्य रूप से डोरेमोन, पिकाचू, पिठू, बेलन-हथौड़ा पिचकारियों की मांग है। रंग और पिचकारी का कारोबार करने वाले नीरज अग्रवाल के मुताबिक खरीदारों की भीड़ बढ़ी है।

हर्बल रंग और गुलाल की मांग ज्यादा : अब होली में पहले वाली बात नहीं रही। लोग अपनी त्वचा का विशेष ख्याल रख रहे हैं। रंगों और गुलाल के चलते स्कीन की बीमारियों न बढ़े, इसके लिए लोग बाजारों में व दुकानों पर हर्बल रंग और गुलाल की मांग कर रहे हैं।

होली में जांच कर मिठाई खरीदें : जिला फूड सेफ्टी अधिकारी

जिला फूड सेफ्टी अधिकारी सुधीर ने बताया कि होली को देखते हुए हम लोग विशेष अभियान चला रहे हैं। गुरुवार को पंजाब स्वीट, कावेरी, गणगौर सहित अन्य बड़े प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की जांच की गई। फिलहाल किसी तरह की गड़बड़ी नहीं मिली है, लेकिन लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। खास करके बाजार में पनीर और खोया में मिलावट की संभावना ज्यादा होती है।

जमानत की शर्तें कठिन, अनुचित और अत्यधिक नहीं होने चाहिए: हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि अदालतों द्वारा आरोपियों को जमानत देते समय लगायी जाने वाली शर्तें कठिन, अनुचित और अत्यधिक नहीं होनी चाहिए। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी रांची सिविल कोर्ट के न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा दिये उस आदेश को रद्द करने के लिए दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसमें आरोपियों को 12 लाख रुपये के भुगतान करने की शर्त पर अग्रिम जमानत दी थी। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में प्रार्थी की अधिवक्ता शिवानी जालुका ने कहा कि यह मामला शादी के लिए पैसों के लेनदेन से जुड़ा है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि नियमित जमानत के मामलों के साथ अग्रिम जमानत के मामलों में भी मापदंडों पर विचार करते हुए आदेश पारित करने की आवश्यकता होती है लेकिन इस मामले में निचली अदालत द्वारा लगायी गयी शर्त कानून के अनुरूप नहीं प्रतीत होती है। सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने रांची सिविल कोर्ट से पारित अग्रिम जमानत याचिका के आदेश के उक्त भाग को रद्द कर दिया, जिसमें उन्हें पैसे भुगतान करने की शर्त पर बेल दी गयी था।

रांची के उपायुक्त ने मतदान बूथों का किया निरीक्षण

रा. प्रा. स्कूल बेड़ो के हेडमास्टर के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सभी बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान डीसी ने संबंधित अधिकारियों को चुनाव आयोग द्वारा दिये गये सभी दिशा-निर्देश पालन करने कहा। डीसी ने लोहरदगा के बूथों में साफ-सफाई, पेयजल व शौचालय, बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था और न्यूनतम मूलभुत सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

हेडमास्टर के अनुपस्थित पाये जाने पर डीसी ने दिया कार्रवाई का आदेश : डीसी जब निरीक्षण के लिए राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय बेड़ो-1 गये तो स्कूल के प्रधानाध्यापक अनुपस्थित थे। जिस पर डीसी ने नाराजगी जतायी और संबंधित अधिकारी को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीसी ने मतदान बूथ पर बीएलओ से दिये गये उत्तरदायित्व की जानकारी ली। बीएलओ से बूथ स्तरीय जागरुकता समूह के बारे में भी पूछा। डीसी ने बीएलओ को कहा कि कोई मतदाता छूटे नहीं, सभी अपना मतदान अवश्य करें, इस पर विशेष ध्यान दें।

रिसालदार शाह बाबा दरगाह मैदान में 11 दिवसीय ईद एक्सपो का होगा आयोजन, प्रचार वाहन रवाना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डोरंडा स्थित रिसालदार शाह बाबा दरगाह मैदान में पहली बार 28 मार्च से 7 अप्रैल तक ईद एक्सपो लगाया जाएगा। दरगाह कमिटी के सदर अयूब गद्दी, महासचिव जावेद अनवर, उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन, उप सचिव जुल्फिकार अली भुप्तो, निवर्तमान पार्षद नसीम गद्दी उर्फ पप्पू गद्दी ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि एक्सपो में कपड़े, जूते, चप्पल, चूड़ी, ज्वेलरी, क्रॉकरी आइटम, खिलौने, सेवई, ड्राई फूड, आचार पापड़ के साथ फूड के कई स्टॉल रहेंगे। ये सभी स्टॉल झारखंड के साथ साथ कश्मीर, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कोलकाता, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के होंगे। स्टॉल लेने के लिए दरगाह कमिटी से इस नंबर 8789059677, 9110054784 संपर्क करें सकते हैं।

खबर एक नजर में

अंबा को चुनाव में रोकने को लेकर ईडी ने भाजपा के इशारे पर की कार्रवाई : मोर्चा

रांची। विधायक अंबा प्रसाद ओबीसी के हक और अधिकार की आवाज को सड़क से लेकर सदन तक बुलंद करती रही है। इसी आवाज को दबाने के लिए उनके विरुद्ध ईडी की यह कार्रवाई भाजपा के इशारे पर एक राजनीतिक षड्यंत्र है। यह मुखर आवाज कहीं लोकसभा में जाकर ओबीसी की आवाज को बुलंद न करें इसलिए उन्हें घेरने का काम किया जा रहा है। ईडी आज सिर्फ राजनीतिक हथकंडा बनकर के रह गई है। यह बातें प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कही।

राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा का उपवास कल

रांची। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा 23 मार्च को शहीद भगत सिंह जी के स्मृति दिवस पर ओबीसी समुदाय के प्रमुख मुद्दों को लेकर राज्य भर में एक दिवसीय उपवास करेगा। इस उपवास के माध्यम से सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करेगा कि वह लोक सभा चुनाव के घोषणा पत्र में इन मुद्दों को शामिल करें। यह बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कही। श्री गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, समर्थक, सदस्य भी इन मुद्दों को लेकर अपने घर, मकान, कार्यालय, दुकान, खेत खलिहान, खेल मैदान जहां भी हो एक तख्ती पर 23 मार्च को एक दिवसीय उपवास ओबीसी के मुद्दों को लेकर करेंगे।

ब्राउन शुगर बेचने आए दो आरोपी किशोरगंज से गिरफ्तार, सरगना सहित पांच की तलाश जारी

रांची। रांची के सुखदेवनगर थाना पुलिस कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में ब्राउन शुगर बेचने आये दो आरोपी किशोरगंज स्थित श्री रोडवेज के पास से गिरफ्तार किया है। वहीं, सरगना समेत पांच फरार आरोपी की तलाश रांची पुलिस कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के न्यू आनंदनगर रोड नंबर सात निवासी मुकेश यादव और राकेश कुमार है। फरार आरोपी में सरगना बबलू यादव उर्फ बबलु राय, कृष्णा यांदव उर्फ कृष्णा राय, कन्हैया कुमार यादव उर्फ कन्हैया राय, दुर्लभ और पवन उर्फ पवन सोनी उर्फ पारले की तलाश में पुलिस संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि श्री रोडवेज किशोरगंज के पास कुछ लड़के अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर एवं गांजा की खरीद बिक्री कर रहे हैं। सूचना पर छापेमारी के क्रम में मुकेश यादव और राकेश कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया।

विवादों में रही है तुपुदाना ओपी प्रभारी मीरा सिंह, एसीबी में दर्ज मुकदमे के आधार पर हुई छापेमारी

बाबूलाल ने उठाया था सवाल- चार्जशीटेड दरोगा को तुपुदाना थानेदार बनाने की क्या थी विवशता

कोतवाली थाने में जेएसआई से खूंटी थानेदार बनी, 15 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में सस्पेंड, जेल भी गयी, जेल से निकलने के बाद तुपुदाना ओपी में पदस्थापित किया गया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पूर्व सीएम और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार पर हमला बोलते हुए जुलाई 2023 में सोशल मीडिया पर घुसखोरी के आरोप में जेल गयी चार्जशीटेड दरोगा मीरा सिंह को रांची के तुपुदाना के थानेदार बनाये जाने पर सरकार और पुलिस महकमा को कटघरे में खड़ा किया था। उन्होंने कहा था कि रांची के एसएसपी सड़क पर घूम रहे हैं और अपराधी थाने संभाल रहे हैं। श्रीमान

एसएसपी आपकी मजबूरी क्या है आदिवासियों से घूस लेते रंगे हाथ पकड़े गये चार्जशीटेड अपराधी को थानेदार बनाए रखने की? साथ ही उन्होंने कहा था कि जब मांझी ही नाव को डुबाने लगे तो फिर कौन बचायेगा। राज्य में आज रक्षक ही भक्षक बन गये हैं।

आदिवासियों से घूस लेते रंगे हाथ पकड़े गये चार्जशीटेड और जमानत पर जेल से छूटी सब इंस्पेक्टर मीरा सिंह को थानेदार बनाने की आखिर रांची एसएसपी को कौन सी मजबूरी है। इसके अलावे पत्रकार पर 14 सनहा के बाद एफआईआर करनेवाली तुपुदाना की घूसखोर थानेदार मीरा सिंह की करतूत फिर सामने आई है। जेल भेजे गये प्रदीप साहू ने पत्र लिखकर बताया है कि कैसे उनके पत्रकार भाई को संजय साहू को फंसाया गया है।

एसएसपी को पत्रकार ने पहले ही बताया था कि 14 सनहा दर्ज करने वाली चार्जशीटेड अपराधी और बेल पर रिहा मीरा सिंह उन्हें फर्जी केस फंसाने का प्रयास करेगी और वही हुआ। आखिर सिस्टम में बैठे अपराधियों को अहम जिम्मेवारी देने की कौन सी मजबूरी है?

रिश्वत लेने के आरोप में गयी जेल, रांची पोस्टिंग हुई तो बनी थानेदार

2012 बैच की दरोगा मीरा सिंह को एसीबी ने खूंटी महिला थाना प्रभारी रहते 25 फरवरी 2021 को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। मीरा सिंह पर आरोप था कि दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी को बचाने के लिए 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। पहली किश्त के तौर पर 15 हजार रुपये मांगे थे। इसके बाद रिश्वत के पहली किस्त लेते समय एसीबी की टीम ने मीरा को रंगेहाथों गिरफ्तार किया था। जेल से जमानत मिलने के बाद रांची में पोस्टिंग मिली। इसके बाद मीरा सिंह को तुपुदाना ओपी प्रभारी बनाया गया। पोस्टिंग पर कई सवाल भी उठे थे।

एसीबी में लंबित है मीरा सिंह की जांच

मीरा के खिलाफ जांच अब भी एसीबी में लंबित है। तुपुदाना ओपी प्रभारी रहते मिलन चौक स्थित माया रेसिडेंट में हुई चोरी के आरोप में वहां कार्यरत सुपरवाइजर विकास कुमार के साथ मारपीट की गयी थी। मारपीट में उसके दोनों पांव सूज गये थे। पीड़ित विकास ने इसकी लिखित शिकायत एसएसपी से की थी। अपनी शिकायत में उसने बताया है कि फ्लैट में हुई चोरी की शक पर पुलिस ने उठाया था। पूछताछ के बहाने घंटो मारपीट की। इसके बाद कागज पर हस्ताक्षर लेकर छोड़ा। भुक्तभोगी को खुद के पैसे से इलाज कराना पड़ा था।

सीएम चंपई सोरेन से मिलने पहुंचे थे अभ्यर्थी, नहीं हुई मुलाकात

जेपीएससी के प्रश्न पत्र में गड़बड़ी और अनियमितता, रद्द हो परीक्षा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) का पीटी भी विवादों से घिर गया है। गड़बड़ियों की जानकारी देने कई अभ्यर्थी गुरुवार को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से मिलने उनके आवास पहुंचे। अभ्यर्थी छात्र नेता मनोज यादव और इमाम सफी के नेतृत्व में मिलने पहुंचे थे। हालांकि अभ्यर्थियों की सीएम से मुलाकात नहीं हो सकी। सीएम से मिलने के लिए अभ्यर्थी सीएम आवास के बाहर 2 घंटे तक खड़े रहे। इस बीच प्रशासन ने अभ्यर्थियों को धारा 144 और आचार संहिता लगने की बात कहते हुए उन्हें वहां से जाने को कहा और भीड़ नहीं लगाने की बात कही। इस संबंध में इमाम सफी ने बताया कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पीजी डिपार्टमेंट के परीक्षा केंद्र में दूसरे पाली में होने वाली परीक्षा में भारी गड़बड़ी हुई है। राज्य के विभिन्न

परीक्षा केंद्रों पर खुले पेपर से बंडल से पेपर बांटे गये हैं।

बी सीरीज के प्रश्न पत्र में रिपीट थे प्रश्न : इमाम शफी ने बताया कि प्रश्न पत्र के बी-सीरीज के कुल 22 प्रश्न को प्रश्न पत्र में रिपीट किया गया था। प्रश्न संख्या 1 से 8 तक के प्रश्न को दोबारा प्रश्न संख्या 50 से 57 में रिपीट किया गया था। उसी तरह प्रश्न संख्या 16 से 21 के प्रश्न को प्रश्न संख्या 65 से 70 में और प्रश्न संख्या 42 से 49 के प्रश्न को प्रश्न संख्या 92 से 100 के बीच दोबारा रिपीट किया गया था। यानी प्रश्न पत्र सेट बी में एक ही प्रश्न को बार-बार दोहरा दिया गया था। प्रश्न संख्या 8 के बाद 9 नहीं फिर से 8 नंबर ही दिया गया था और 9 नंबर गायब था। प्रश्न पत्र में इस सभी खामियों को बताते हुए इमाम ने परीक्षा को रद्द करने की मांग की।

बताते चलें कि बीते 17 मार्च को जेपीएससी की ओर से पीटी की परीक्षा आयोजित की गयी थी। परीक्षा के दिन से ही पीटी की परीक्षा विवादों में घिरी है। कुछ विवाद तो शांत हुए हैं लेकिन अब नयी गड़बड़ी सामने में आ गई है।

जांच के बाद निर्णय लिया जाएगा : सचिव

झारखंड लोक सेवा आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि सभी का एसओपी तैयार कर लिया गया है। बहुत जल्द आंसर की जारी किया जाएगा। आंसर की जारी करने के बाद अभ्यर्थियों से ऑब्जेक्शन मांगा जाएगा। यदि कोई छात्र ऑब्जेक्शन करता है, तो एक्सपर्ट जांच करेंगे। उसके बाद ही निर्णय लिया जाएगा।

मंटू सिंह की पत्नी का हरमू मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार

रांची। रांची के प्रमुख समाचार पत्र अभिकर्ता मंटू सिंह की पत्नी आशा सिंह का गुरुवार को हरमू मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। उनका बुधवार की रात नयी दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान निधन हो गया था। वह अपने पीछे पति, तीन पुत्र, चार पौत्र को छोड़ गयी है। देर रात उनका पार्थिव शरीर रांची वन वृंदावन कॉलोनी स्थित आवास लाया गया। गुरुवार को वन वृंदावन कॉलोनी से शवयात्रा निकली। अंतिम संस्कार में रांची के कई पत्रकार, अभिकर्ता, सभी अखबारों के सर्कुलेशन के लोगों ने हरमू घाट पहुंच कर शोक व्यक्त किया।

आरोपी राजीव सिंह व मनीष की डिस्चार्ज अर्जी पर सुनवाई पूरी

रांची। रेमडेसिविर दवा की कालाबाजारी मामले में मुख्य आरोपी राजीव कुमार सिंह एवं मनीष कुमार सिन्हा की ओर से दाखिल डिस्चार्ज अर्जी पर साइबर क्राइम एंड ड्रग कॉस्टेमिक मामले के विशेष न्यायाधीश मनीष रंजन की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई पूरी होने के अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। अदालत अपना आदेश तीन अप्रैल को सुनायेगी। राजीव कुमार सिंह ने 19 मई 2023 को एवं मनीष सिन्हा ने 30 जून 2023 को मामले में अपने आप को निर्दोष बताते हुये डिस्चार्ज अर्जी दाखिल की थी। कालाबाजारी को लेकर कोतवाली थाना में कांड संख्या 107/21 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कोतवाली पुलिस ने राजीव सिंह को कोरोना वायरस की दवा रेमडेसिविर की रांची में कालाबाजारी के आरोप में एक मई 2021 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जहां करीब छह महीने काटने के बाद हाईकोर्ट ने जमानत की सुविधा प्रदान की है।

जेसीएम ने मंत्री बिरुआ से मिलकर छात्रवृत्ति फॉर्म भरने की तारीख बढ़ाने की मांग की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखड छात्र मोर्चा (जेसीएम) ने मंत्री परिवहन विभाग एवं अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के दीपक बिरूआ से मिलकर छात्रवृति फॉर्म भरने की तिथि का आगे बढ़ाने की मांग की और ज्ञापन सौंपा। मोर्चा के रांची विश्वविद्यालय सचिव असद फेराज टिंकू ने कहा कि बहुत छात्रों का रिजल्ट पेंडिंग हैं।

बहुत से छात्र जिनके जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र निर्गत नही हो पाया है। यही कारण है कि बहुत से छात्र छात्रवृति फॉर्म नही भर पाएं हैं । इसलिए छात्रवृति फॉर्म भरने की तिथि को आगे बढ़ाने की जरूरत है। मंत्री ने आश्वस्त किया कि छात्रवृति फॉर्म भरने की तिथि को आगे बढ़ा दिया जाएगा। मौके पर झारखंड छात्र मोर्चा रांची विश्वविद्यालय समिति के सचिव असद फेराज टिंकू, उपाध्यक्ष अमन ठाकुर, उपाध्यक्ष अतिकुर रहमान, संयुक्त सचिव कासिफ रजा, डीएसपीएमयू अध्यक्ष मनीष राणा और कासिफ दोजा मौजूद थे ।

झामुमो रांची जिला छात्र मोर्चा रांची विवि समिति का विस्तार

रांची। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने पत्र जारी कर झारखण्ड छात्र मोर्चा रांची विश्वविद्यालय समिति का विस्तार किया है। झारखण्ड छात्र मोर्चा रांची विश्वविद्यालय समिति अध्यक्ष अमन तिवारी और सचिव असद फेराज टिंकू ने संगठन के विस्तार के लिए झामुमो जिलाध्यक्ष को अनुशंसा पत्र दिया था, जिसे उन्होंने केन्द्रीय समिति से निर्देश प्राप्त कर जारी किया है। इसके तहतमदन उरांव, अमन ठाकुर, दीपशिखा कुमारी और अतिकुर रहमान को उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह मो इरफान अहमद, अंकित कुमार महतो और स्मृति को संगठन सचिव तथा बीरबल प्रजापति, कासिफ रजा और रौशन गाड़ी को संयुक्त सचिव बनाया गया है। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को अमन तिवारी और असद फेराज टिंकू ने बधाई दी है। साथ ही संगठन विस्तार के लिए झामुमो केन्द्रीय समिति और जिला समिति का धन्यवाद व आभार प्रकट किया है।

खबर एक नजर में

नवनिर्वाचित श्री महावीर मंडल के पदाधिकारियों की बैठक

रांची। नवनिर्वाचित श्री महावीर मंडल के पदाधिकारी की बैठक गुरूवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता श्री महावीर मंडल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू ने की। बैठक में इस वर्ष श्री रामनवमी महोत्सव को धूम धाम से मनाने पर विचार विमर्श करते हुए श्री महावीर मण्डल के द्वारा आगामी श्री रामनवमी महोत्सव पर किये जाने वाले कार्यो की प्राथमिकताये तय हुई। सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए कि आने वाले प्रथम मंगलवारी जुलुस (26/3) को विभिन्न अखाड़ों से महावीर चौक आएगी आने वाले श्री राम के भक्तों एवम झंडो का श्री महावीर मण्डल की नयी कमेटी द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया जाएगा और प्रसाद का भी वितरण किया जाएगा। आगामी 1अप्रेल को श्री रामनवमी महोत्सव के लिए श्री बजरंग बली के पूजन के साथ विधिवत कार्यालय का उद्घाटन होगा । जिसमें पूर्व के सारे अध्यक्ष एवं मंत्री उपस्थित रहेंगे। सर्वसम्मति से श्री महावीर मण्डल की नयी कार्यकरणी का गठन किया जायेगा। बैठक में मंत्री दीपक ओझा ने भी अपने विचारों को रखते हुए श्री रामनवमी महोत्सव पर कई सुझाव रखें। बैठक मे उपाध्यक्ष राजा सेन गुप्ता, राज किशोर, सह मंत्री गोपाल सोनी, उदय रविदास, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा, अंकेक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता भी मौजूद थे। ये जानकारी प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा ने दी।

रंगबइन पाहून राम के सखी बहिनपा मैथिलानी समूह का होली मिलन समारोह

रांची। मिथिलंचल की महिलाओं की अंतर्राष्ट्रीय संस्था सखी बहिनपा की रांची इकाई द्वारा हरमु स्थित पटेल भवन में गुरूवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सामाजिक समरसता एवं सौहाद्र के प्रतीक इस त्योहार में लोगों के जीवन मे खुशियों का रंग हर हमेशा ताजगी देता रहे , ऐसी मंगलकामना मुख्य अतिथि अरुंधति झा ने किया। कार्यक्रम की शुरूवात, बबीता , अनीता , एवं नमिता द्वारा प्रस्तुत भगवती वंदना जय जय भैरवि असुर भयावनी.... से हुई और उसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का दौर प्रारम्भ हुआ। प्रतिभा, मधु और अनुपम सखी ने होली पर मिथिला काव्य पथ किया। प्रतिभा और बबीता सखी ने हास्य लघु नाटिका पेश किया। इसके बाद सखियों ने एक से बढ़ कर होली गीत जैसे होरी खेले बरसाने मे होरी कन्हैया , होरी खेले रघुवीरा, चलियौ ने साजन सं खेलब होली , रंगबईन पाहून राम के आदि गीतों का आनंद लीते हुये नृत्य किया । बबीता झा द्वारा प्रस्तुत मिथिला मे राम खेलथि होरी पर लोग झूमने लगे । इस अवसर पर बबीता,अनीता, प्रतिभा,अर्चना ,उषा,बिभा, मधु, सीमा, सरदा, मीनू, शर्मिला, इंदिरा, अरुंधति, नमिता, नीलम, पूनम, बिसू, उषा, अनुपम सखी उपस्थित सहित हरमु, विद्यानगर, अरगोड़ा , कांके रोड, अशोक नगर सहित सभी क्षेत्रों से 40 सखियो ने इसमें हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन अनीता झा ने किया । धन्यवाद ज्ञापन बिसू झा ने किया।

तीन दिवसीय फाल्गुन सतरंगी महोत्सव संपन्न

रांची। श्री श्याम मण्डल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फाल्गुन सतरंगी मोहत्सव का गुरूवार को भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर राजत सिंहासन पर विराजमान श्री श्याम प्रभु का भव्य एवम नैनाभिराम श्रृंगार किया गया। अहले सुबह से ही श्री श्याम प्रभु का द्वादशी दर्शन के लिए अपार जनसमूह उमड़ पड़ा। सम्पूर्ण दिवस भक्तगण कतारबद्ध होकर श्री श्याम प्रभु का दर्शन कर ज्योत में आहुति प्रदान कर रहे थे। श्री श्याम प्रभु का प्रिय खीर चूरमा का भोग अर्पित किया गया जो सम्पूर्ण दिवस प्रसाद रूपी मन्दिर प्रारंग से भक्तगण के बीच वितरण किया गया। साथ ही संपूर्ण दिवस श्री श्याम मन्दिर का परिसर श्याम प्रभु के जयकारों से गूंजता रहा साथ ही भक्तों द्वारा 401 सवामणि का भोग श्याम प्रभु को निवेदित किया गया। रात्रि 10 बजे महाआरती के पश्चात तीन दिवसीय श्री श्याम सतरंगी मोहत्सव का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश सारस्वत, बालकिशन परसरामपुरिया, राकेश सारस्वत, चन्द्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, अरुण धनुका, अजय रूंगटा, महेश शर्मा, सुदर्शन चितलंगिया, मनोज सिंघानिया का विशेष सहयोग रहा।

राज्य से गुजरने वाली प्रमुख ट्रेनों का नामकुम और टाटीसिलवे स्टेशन पर होगा ठहराव

रांची। राज्य से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनों का ठहराव नामकुम और टाटीसिलवे में दिया गया है। इस संबध में दक्षिण पूर्व रेलवे ने जानकारी दी है। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 15027 संबलपुर गोरखपुर एक्सप्रेस का ठहराव नामकुम स्टेशन पर ठहराव 17 :23 में और टाटीसिलवे स्टेशन पर 17 : 36 में ठहराव सुनिश्चित किया गया है। वहीं ट्रेन संख्या संबलपुर जम्मू तवी एक्सप्रेस का नामकुम स्टेशन पर ठहराव 17 :38 और टाटीसिलवे में ठहराव 17 :51 में होगा। ट्रेन संख्या 18651 हावड़ा हटिया एक्सप्रेस का नामकुम स्टेशन पर 5 :03 और टाटीसिलवे स्टेशन पर 4 :51 में किया जायेगा। ट्रेन संख्या पूर्णिया कोर्ट हटिया एक्सप्रेस का नामकुम स्टेशन पर 19 :49 और टाटीसिलवे पर 19 :36 में किया जायेगा। ट्रेन संख्या 15028 गोरखपुर संबलपुर एक्सप्रेस का नामकुम स्टेशन पर ठहराव 6 :29 और टाटीसिलवे स्टेशन पर 6 :18 में ठहराव होगा। ट्रेन संख्या जम्मू तवी संबलपुर एक्सप्रेस का नामकुम स्टेशन पर ठहराव 8 :14 और टाटीसिलवे स्टेशन में 8 : 3 बजे ठहराव होगा। ट्रेन संख्या 18616 हटिया हावड़ा एक्सप्रेस नामकुम स्टेशन पर 22 : 23 और टाटीसिलवे स्टेशन पर 22 :34 में ठहराव है। ट्रेन संख्या हटिया पूर्णिया कोर्ट का नामकुम में ठहराव 6 : 23 और टाटीसिलवे में ठहराव 6 : 34 में किया जायेगा।

बहावलपुरी पंजाबी समाज की ओर से 26 को निकाली जायेगी होली की टोली

रांची। होली को लेकर बहावलपुरी पंजाबी समाज द्वारा गुरुवार को कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित किंगर कुटीर कॉम्प्लेक्स बैठक हुई। संस्था के अध्यक्ष ललित किंगर की अध्यक्षता में हुई बैठक में हर्षोल्लास के साथ होली मनाने का निर्णय लिया गया। संस्था के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ कि 26 मार्च,मंगलवार को कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा- मंदिर चौक से सुबह दस बजे बहावलपुरी पंजाबी समाज एवं बहावलपुरी पंजाबी समाज महिला समिति द्वारा होली की टोली निकाली जाएगी,जिसमें सभी सदस्य ढोल और गाजे बाजे के साथ रंग गुलाल खेलते हुए कॉलोनी की सभी गलियों का शाम चार बजे तक भ्रमण करेंगे। इस मौके पर नए शादीशुदा जोड़े और नवजात शिशु के घर जाकर संस्था द्वारा उन्हें बधाई भी दी जाएगी। साथ ही यह तय हुआ कि 31 मार्च, रविवार को कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित दयालबाग में संस्था द्वारा शाम सात बजे से रात ग्यारह बजे तक होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा,जिसमें समाज के सभी लोग सम्मिलित होकर नाच-गान,भांगड़ा, कॉमेडी और होली के गीतों का लुत्फ उठाएंगे। इस मौके पर संस्था द्वारा ठंडई के साथ खानपान के व्यंजनों के स्टाल भी लगाए जाएंगे।

कॉलेज को समाज के साथ कनेक्ट होने की है जरूरत : राहुल पुरवार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव राहुल पुरवार ने कहा कि कॉलेज को समाज के साथ एक कनेक्शन बनाने की जरूरत है। अभी हम समाज से जुड़े हुए नहीं हैं। कॉलेज और विश्वविद्यालयों के कोर्स करिकुलम उसी के अनुसार हों और स्किल डेवलपमेंट के प्रोग्राम चलें। कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा योजना और प्रशासन संस्थान दिल्ली व झारखंड उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त रुप से किया। कार्यशाला की मेजबानी रांची विश्वविद्यालय ने किया। झारखंड के शैक्षणिक प्रशासन और कॉलेज प्रतिभागियों की क्षमता विकास पर तीन दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ. यह कार्यशाला तीन दिनों तक चलेगी। कार्यशाला में झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों से 50 रजिस्ट्रार प्रतिभागी उपस्थित थे। एनआईईपीए के निदेशक प्रो. कुमार सुरेश नीति विभाग के एनआईईपीए प्रमुख, शैक्षिक नीति विभाग, एनआईईपीए प्रो. एके सिंह शामिल थे।

शिक्षा पद्धति में आ रहा बदलाव : कुलपति

इस मौके पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि हमारी जो पहले से शिक्षा पद्धति है, उसमें पूरी तरह से बदलाव आ रहा है। हम सभी प्रिंसिपल, एकेडमिक लीडर्स को इसको समझने की जरूरत है। ग्राउंड जीरो तक ले जाने की जरूरत है, क्योंकि प्रिंसिपल ही किसी भी एकेडमिक कार्यक्रम को ग्राउंड लेवल तक ले जाते हैं। कॉलेज के प्रिंसिपल एकेडमिक लीडर्स, प्लानर्स और एग्जीक्यूटर्स होते हैं।

हास्य व्यंग कवि सम्मेलन 23 को, प्रसिद्ध कवि लेंगे भाग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कवि सम्मेलन का आयोजन 23 मार्च को मारवाड़ी भवन हरमू रोड मे किया जाएगा। इसकी जानकारी गुरूवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए आयोजन समिति के मुख्य संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने दी। उन्होंने बताया कि होली के अवसर पर हास्य व्यंग कवि सम्मेलन 23 मार्च दिन शनिवार को रात्रि 9 बजे से मारवाड़ी भवन में होने जा रहा है। इस वर्ष कवि सम्मेलन में ख्याति प्राप्त अंतरराष्ट्रीय कवि सुरेंद्र शर्मा दिल्ली, सुरेंद्र दुबे रायपुर, अनिल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, दीपक सैनी हरियाणा, तथा साक्षी तिवारी लखनऊ, हास्य रस, वीर रस एवं श्रृंगार रस की कविता प्रस्तुत कर दर्शकों को हंसी के ठहाके की बौछार के साथ-साथ तीखे वाण व्यंग का मधुर संगम पेश करेंगे। समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार नारसरिया ने बताया कि कवि सम्मेलन में 3000 लोगों का बैठने की व्यवस्था की गई है। तथा महिलाओं के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था की गई है। कवि सम्मेलन का प्रवेश निःशुल्क है तथा कवि सम्मेलन का लुफ्त उठाने के लिए आयोजन स्थल पर कुर्सियां की विशेष व्यवस्था पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर की गई है। दर्शकों के लिए एलईडी भी मैदान में लगाए जाएंगे। पेयजल जलपान एवं ठंडाई का विशेष काउंटर की व्यवस्था की गई है। इस आयोजन में सुरक्षा गार्ड की पूर्ण व्यवस्था रहेगी, सीसीटीवी एवं अग्निशामक यंत्र आयोजन स्थल पर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने हास्य कवि सम्मेलन मे ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने तथा लुफ्त उठाने की अपील की है। समिति के सचिव अनिल कुमार अग्रवाल ने कहा कि इस कवि सम्मेलन को चार चांद लगाने के लिए आयोजन समिति के द्वारा वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को आमंत्रण भेजा गया है। उन्होंने कहा कि हास्य कवि सम्मेलन मे मुंबई स्टॉक एक्सचेंज के चैयरमेन प्रमोद अग्रवाल, प्रसिद्ध व्यवसायी राजकुमार गाड़ोदिया एवं अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। समिति के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने करते हुए सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कवि सम्मेलन का प्रथम आयोजन 2015 में किया गया था। इस वर्ष हास्य कवि सम्मेलन का आठवां आयोजन है। इस आयोजन को सफल बनाने मे समिति के विनोद कुमार जैन, पवन पोद्दार, मनीष लोधा, रौनक झुनझुनवाला, अमित बजाज, सनी टिबडेवाल आदि पूर्ण योगदान दे रहे हैं।

3000 लोगों के बैठने की रहेगी व्यवस्था प्रवेश निःशुल्क

सीएम उत्कृष्ट विद्यालयों में दाखिले की प्रवेश परीक्षा आज, 36230 स्टूडेंट्स होंगे शामिल

8984 रिक्त सीटों पर एडमिशन के लिए आये थे 36 हजार से अधिक आवेदन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के जिलास्तरीय 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में दाखिले को लेकर शुक्रवार को इंट्रेंस एग्जाम होगा। प्रवेश परीक्षा में राज्य के 36,230 विद्यार्थी शामिल होंगे। उत्कृष्ट विद्यालयों के 8984 रिक्त सीटों में एडमिशन के लिए 36 हजार से अधिक आवेदन आये थे। परीक्षा में शामिल होने वाले स्टूडेंट्स को एडमिट कार्ड उपलब्ध करा दिया गया है। परीक्षार्थियों को परीक्षा से आधे घंटे पहले सुबह 9.30 तक परीक्षा केंद्र में स्थान ग्रहण करना होगा। सुबह 10 बजे से परीक्षा शुरू होगी। परीक्षा केंद्रों में प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षकों को भी राज्य शिक्षा परियोजना से आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है।

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

राज्य शिक्षा परियोजना द्वारा जारी एडमिट कार्ड में परीक्षार्थियों अपना लेटेस्ट पासपोर्ट साइज फोटो लगाना होगा। परीक्षा केंद्र में व्हाइटनर, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, इलेक्ट्रिक घड़ी, पेजर ले जाना वर्जित होगा। परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थी अपने साथ केवल प्रवेश पत्र, काला/नीला पिन पॉइंट पेन और कार्डबोर्ड के अतिरिक्त कुछ नहीं ले जा सकेंगे।

सत्यापन के लिए परीक्षार्थियों को अपने साथ आधार कार्ड या कोई अन्य फोटो पहचान पत्र साथ ले जाना अनिवार्य है।

30 को होगा मेधा सूची का प्रकाशन

30 मार्च को प्रवेश से संबंधित पहली मेधा सूची का प्रकाशन किया जाएगा। एक अप्रैल से सात अप्रैल तक विद्यार्थियों का नामांकन लिया जायेगा। आठ अप्रैल से उत्कृष्ट विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत हो जायेगी। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों की बालवाटिका और कक्षा 1 में नामांकन के लिए किसी तरह की कोई प्रवेश परीक्षा नहीं ली जाएगी। बालवाटिका और कक्षा एक में 40-40 बच्चों का नामांकन होगा।

सीआइटी में प्री होली महोत्सव आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सीआईटी में प्री होली महोत्सव आयोजित कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में गुरुवार को प्री होली महोत्सव का आयोजन हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने आपस में जमकर होली खेली व एक दूसरे को रंग लगाया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने फिल्मी व होली के गानों की धुन पर जमकर ठुमके लगाए। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन, डिप्टी रजिस्ट्रार मनीष नाथ व अन्य अतिथियों नें दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य नें सबों को होली की शुभकामनायें देते हुए अनुशाषित रहकर होली की मस्ती का आनंद लेने की अपील किया। कार्यक्रम में कैंब्रिज ट्रस्ट की जॉइंट सेक्रेटरी डॉ पल्लवी चौहान व सीआईटी एल्युमुनाई एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो राशिका नवनीत सिंह नें भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा विद्यार्थियों को होली की शुभकामनायें दी। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के कल्चरल कमिटी की देखरेख में आयोजित हुआ।

रंग-रंगीलो श्री श्याम अमृत महोत्सव संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। फाल्गुन की बड़ी द्वादशी पर गुरूवार को हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में दर्शन विनय के लिए बाबा का दरबार लगातार खुल रहा। श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय रंग रंगीलो श्री श्याम फागण अमृत महोत्सव के अंतिम दिन हजारों भक्तों ने श्याम प्रभु की आराधना की। खाटू नरेश का विशेष श्रृंगार किया गया। बाबा को नवीन बागा धारण कराया गया। संपूर्ण सवामनी भोग महाभोग मेवा सवामनी अखंड ज्योति संगीतमय भजन अखंड प्रसाद वितरण के दौरान रात 11:00 बजे तक भक्तों की कतारबद्ध भीड़ लगी रही। श्री श्याम मित्र मंडल के पहले महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि कल पूरी रात भजन संकीर्तन हुए। प्रातः 5:00 बजे बाबा का मनमोहक श्रृंगार किया गया। 5:30 बजे मंगला आरती और 10:00 बजे द्वादशी की अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। खीर चूरमा का भोग अर्पित किया गया। रमेश धरणीधरका परिवार ने अखंड ज्योत प्रज्वलित की। रमेश सिंह परिवार ने 104 वें श्री श्याम भंडारा का भोग निवेदित किया। मंडल अध्यक्ष सुरेश सरावगी ने बताया कि महोत्सव पर विशेष भंडारा किया गया जिसमें 8000 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही जीमणवार भोज में 500 लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। रमेश सिंह परिवार के सौजन्य से आयोजित भंडारे में खीर चूरमा दिलखुशार चंद्रकला काजू बर्फी खोवा बर्फी भुजिया पुरी चना दाल की सब्जी का भोग वितरण किया गया। पूजन अनुष्ठान सुरेश सरावगी एवं अनिल नारनोली तथा श्रृंगार सेवा श्याम सुंदर शर्मा रत्नाकर शर्मा एवं अनूप दाधीच ने की। महोत्सव संयोजक गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया की 17 मार्च से शुरू हुआ 5 दिवसीय श्याम महोत्सव का समापन हुआ। इस दौरान बाबा के दरबार में कई कार्यक्रम भजन संकीर्तन हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड पाठ निशान यात्रा एकादशी आयोजन आदि किए गए।

बैंक और वित्तीय संस्थान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार : अंशुली

बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा अखिल भारतीय हिंदी सेमिनार का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बैंक ऑफ महाराष्ट्र देश के सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक है। बैंक द्वारा देश भर के सभी बैंकों, वित्तीय संस्थाओं और बीमा कंपनियों के लिए दिल्ली में 'भविष्य की बैंकिंग' विषय पर अखिल भारतीय हिंदी सेमिनार का आयोजन गुरूवार को किया गया। इस सेमिनार में अंशुली आर्या, आई.ए.एस., सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कार्यपालक निदेशक आशीष पाण्डेय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सेमिनार में चित्रा दातार, महाप्रबंधक, के. राजेश कुमार, महाप्रबंधक, मानव संसाधन प्रबंधन एवं राजभाषा, हरि शंकर वत्स, अंचल प्रबंधक, दिल्ली अंचल तथा डॉ. राजेन्द्र श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) प्रमुखता से उपस्थित थे। इस सेमिनार में वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय के निदेशक जगजीत कुमार तथा उप निदेशक धर्मबीर ने विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होकर सभी का मार्गदर्शन किया। मुख्य अतिथि अंशुली आर्या ने कहा कि बैंक और वित्तीय संस्थान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार है।

उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेवा के माध्यम से आप सरकारी योजनाओं का कार्यान्वयन भी कर रहे हैं। अंशुली आर्या ने कहा कि बैंकिंग में हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग बहुत आवश्यक है और इससे दूरदराज के ग्राहक भी लाभान्वित होंगे। श्री के. राजेश कुमार, महाप्रबंधक, मानव संसाधन प्रबंधन एवं राजभाषा ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया। सेमिनार में अतिथि वक्ताओं द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र लिए गए। मंच पर बैंक की गृह पत्रिका महाबैंक प्रगतिका विमोचन किया गया तथा पत्रिका के ब्रेल संस्करण का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर बैंक के विभिन्न मोबाइल हिन्दी ऐप लॉन्च किए गए। बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा आयोजित अखिल भारतीय हिंदी आलेख प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यपालक निदेशक आशीष पाण्डेय ने कहा कि यह कल्पना करना बहुत रोचक है कि आने वाले समय में बैंकिंग का स्वरूप कैसा होगा और भविष्य की बैंकिंग किस प्रकार की होगी। पारंपरिक शाखा बैंकिंग से लेकर इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और कन्वरशेसनल बैंकिंग तक की यात्रा हमने पूरी की है। आशीष पाण्डेय ने कहा कि दूर-दराज के क्षेत्रों तक अपने विचारों और अपनी योजनाओं को पहुंचाने के लिए हिंदी और क्षेत्रीय भाषाएं सशक्त माध्यम हैं।

स्पीड न्यूज

घायल युवक से मिले सांसद और विधायक समरीलाल

राहे। अनगड़ा थाना क्षेत्र के सताकी भेलवाटीकर गांव निवासी 31 वर्षीय अरविंद कुमार महतो को राहे पुलिस द्वारा पिटाई किये जाने की सूचना पर सांसद संजय सेठ ओर कांके विधायक समरीलाल रिम्स जाकर इलाजरत घायल युवक से भेंट किया। आरोप है कि राहे में वाहन चेकिंग के दौरान युवक से मारपीट की गई, जिससे युवक को चोट लगी है और पैर टूटा है। सांसद ने उनके बेहतर इलाज के लिए रिम्स प्रबंधन को निर्देश दिया। मौके पर एसएसपी रांची से बात किया और स्पष्ट निर्देश दिया कि ऐसे हरकत करने वाले पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाये। इस सम्बंध में राहे पुलिस का कहना है कि मंगलवार शाम को राहे पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान मधुसूदन महतो को बिना हेलमेट और बिना कागजात के वाहन चलाते हुए पकड़ा था। उसी को लाने अरविंद थाना गया था, जहां काफी गाली गलौज हुआ। इसी कारण मारपीट हुआ। मामला देर शाम की थी।

कुर्गी मैदान में जुटे 21 गांवों के महतो, पहान, कोटवार, पइनभरा

धर्म-संस्कृति को बचाये रखने के लिए पड़हा व्यवस्था को करें मजबूत

सर्वसम्मति से हुआ पड़हा संचालन समिति का गठन

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। 21 पड़हा कुर्गी के तत्वावधान में पड़हा व्यवस्था को मजबूत करने को लेकर 21 गांव के महतो, पहान, कोटवार, पइनभरा सहित समाज के अगुआ का एक बैठक गुरुवार को कुर्गी मैदान में हुई। मौके पर सर्वसम्मति से पड़हा संचालन समिति का पुनर्गठन किया गया। जिसके अध्यक्ष मतनु उरांव को बनाया गया। जबकि अनिल केरकेट्टा को उपाध्यक्ष, परनु मिंज उप सचिव, विशे उरांव संरक्षक व बंधु पहान को उप संरक्षक बनाया गया है। बाशा शिकार के लिये आयोजित बैठक में प्रत्येक गांव से दस सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य किया गया है। मौके पर मुख्य अतिथि समाजसेवी नारायण भगत ने अपनी धर्म संस्कृति और परंपरा को अक्षुण बनाए रखने को लेकर पड़हा व्यवस्था को मजबूत करने पर बल दिया। साथ ही प्राकृति पूजक आदिवासी जल, जंगल, जमीन को बचाने और जमीन माफियाओं द्वारा आदिवासी एवं गैर मजरूवा जमीन की खरीद फरोख्त पर सख्ती से पाबंदी लगाने की बात कही।

इटकी में पड़हा समाज की बैठक में शामिल लोग।

बैठक में ये लोग थे मौजूद

बैठक में रंथू उरांव, बीरू उरांव, उदय मुंडा, बिरसा उरांव, राजकुमार तिर्की, अनिल तिर्की, बीशू उरांव सहित कुल्ली, पलमा, तगड़ी, भंडारा, सुगदा, हरमू सालोटोली, सौका, लुपुंगा, चिनारो, पुरियो सहित 21 गांव के पड़हा समाज के लोग मौजूद थे।

हुआंगहातू गांव में सरहुल मिलन समारोह

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। गुरुवार को केंद्रीय छोटानागपुर सरना समिति के अध्यक्ष बिरसा पहान के नेतृत्व में हुआंगहातु गांव में सरहुल मिलन सह होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समाज के लिए बहुत से काम किए है। पहली बार भगवान बिरसा मुंडा के गांव पहुंचकर बिरसा मुंडा जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का जनजाति समाज को सम्मान दिया है। वहीं राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा का सरना समिति के द्वारा स्वगत किया गया। मौके पर श्री, वर्मा ने कहा कि छोटानागपुर सरना समिति का संरक्षक बनकर मुझे आज राज्यसभा सांसद बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं जीवन भर के लिए विशेष रूप से काम करूंगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तमाम सरना धर्मावलंबियों ने सरना समाज की धर्म संस्कृति और अपनी रूढ़िवादी परंपरा को आगे बढ़ाने तथा आने वाले समय में प्रत्येक गांव में छोटानागपुर सरना समिति का गठन कर समिति को पूरे झारखंड प्रदेश में मजबूत बनाने की बात कही।

कार्यक्रम में ये लोग थे मौजूद

कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा, शंकर सिंह मुंडा, जितन देवी, समीर राय, जिप सदस्य राम अवतार केरकेटटा, मुखिया विवेक मुंडा, रितेश उरांव, दिनेश सिंह मुंडा, महेंद्र महतो, प्रमोद कुमार सिंह, गोपाल चौधरी, अनिरूध पांडे, गोरखनाथ सिंह, धनंजय पांडे आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सोहराई पहान और धन्यवाद ज्ञापन शंकर सिंह मुंडा ने किया।

सरना प्राथना सभा के कारण आदिवासियों का नहीं हो रहा धर्म परिवर्तन : चारी उरांव

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। प्रखंड के राजाडेरा खिजरीटोली प्रार्थना सभा में सैकड़ों महिलाओं ने गुरुवार को कलश निकाल कर सरना पूजा स्थल पर जल चढ़ाकर पूजा अर्चना किये। इस मौके पर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव ने कहा कि सरना धर्म की वजह से आज मानव जाति सुरक्षित है, क्योंकि सरना धर्म के माध्यम से हम प्राकृतिक जल, जंगल, जमीन की सेवा और सुरक्षा प्रदान करते हैं। सरना मां प्राकृतिक पेड़-पौधों में विराजमान है और जबतक पेड़-पौधा जीवित है, तक तक मानव जाति सुरक्षित है। वहीं धर्म मां चारी उरांव ने कहा कि खिजरी टोली प्रार्थना के वजह से आज इस क्षेत्र के आदिवासी समुदाय में धर्म परिवर्तन बंद हो गया है और लोग इस सरना स्थल पर आकर शादी विवाह गाड़ी की पूजा-अर्चना सभी आदिवासी रीति-रिवाजों से किया जाता है और गरीब परिवारों को समय-समय पर मद्दत भी किया जाता है। सरना स्थल पर धर्म मां चारी उरांव ने गरीब महिलाओं को सरना साड़ी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर बंधु उरांव, सुखराम उरांव, प्रेम उरांव, सुनीता उरांव, जौरी देवी, दुलारी टोप्पो, सरिता उरांव, अनु उरांव, मंटू उरांव आदि सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित थे।

मैक्लुस्कीगंज थाना में शांति समिति सह होली मिलन समारोह

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। मैक्लुस्कीगंज थाना परिसर में गुरुवार को होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक सह होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता खलारी इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह व मंच का संचालन मैक्लुस्कीगंज थाना प्रभारी गोविंद कुमार ने किया। बैठक में होली का त्योहार शांतिपूर्ण व आपसी सौहार्द के साथ मनाने का निर्णय लेते हुए सभी ने त्योहार मनाने के दौरान प्रशासन का हर संभव सहयोग करने की बात कही। लोकसभा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। जिसका पालन करते हुए होली पर्व को मनाएं। साथ ही कहा कि बिना विवाद और आपसी भाईचारा के साथ सौहार्दपुर्ण वातावरण में रंगो त्योहार होली को मनाए और क्षेत्र में शांति बनाए रखने में एक दूसरे का सहयोग करें। इस दौरान थाना प्रभारी गोविंद कुमार ने कहा कि शराब पीकर किसी के साथ जोर जबरजस्ती नही करना है। युवओं में स्पीड बाइक चलाने वालों को चालान किया जायेगा। वही इस बैठक के दौरान अवचक निरीक्षन में ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल पहुंचे। शांति समिति की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने एसपी को बालूमाथ मैक्लुस्कीगंज मुख्य पथ से स्कूल के समय बड़ी संख्या में हाइवा व भारी वाहनों का अधिकतर आवागमन रहता है।

सिल्ली : शांति समिति की बैठक सह होली मिलन समारोह

सिल्ली। सिल्ली थाना परिसर में गुरुवार को शांति समिति की बैठक सिल्ली डीएसपी रणवीर सिंह की अध्यक्षता की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए बीडीओ रेणु बाला ने कहा कि होली रंगों का त्योहार एवं भाईचारे का पर्व है इसे शांतिपूर्वक एवं हर्षोल्लास के साथ मनाएं। किसी के बहकावे में आकर हुड़दंग ना मचाएं। वहीं डीएसपी ने कहा शराब के नशे में वाहन ना चला, हेलमेट का उपयोग हमेशा करें। रंगों का त्योहार को आपस में मिलकर भाईचारे के साथ मनाएं। किसी को जबरन रंग ना लगावें। उन्होंने कहा की होली के दिन पुलिस प्रशासन क्षेत्र में गस्ती करते रहेगें किसी प्रकार का अप्रिय घटना हो या किसी प्रकार का समस्या हो तो पुलिस को तुरंत सुचीत करे। मौके पर इंस्पेक्टर हमशे उरांव सिल्ली थाना प्रभारी मोहीत कुमार ओपी प्रभारी कुंदन सिंह उप प्रमुख आरती देवी राजेंद्र प्रसाद साय मोहम्मद फारुख राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंह देव मौजूद थे।

एक नजर में

केडी हिंदूगढ़ी चौक खलारी में अमन स्पोर्ट्स का उद्घाटन

खलारी। केडी हिंदूगढ़ी चौक खलारी में गुरुवार को अमन स्पोर्ट्स दुकान का उद्घाटन खलारी पश्चिमी जिला परिषद सदस्या सरस्वती देवी एवं मजदूर नेता शेख वकील अहमद ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। जिला परिषद सरस्वती देवी ने कहा कि आज युवा पीढ़ी जिस तरह अपने दम पर और मेहनत से रोजगार सृजन में लगी है। वह काफी सराहनीय है। उन्होंने अमन स्पोर्ट्स प्रतिष्ठान के संचालक आरीफ और उनके भाइयों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। वहीं मजदूर नेता शेख वकील अहमद ने भी दुकान संचालक को नए प्रतिष्ठान के शुरू होने पर बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। मौके पर अनिल सोनी, रविन्द्र गिरी, रवीन्द्रनाथ चौधरी, आले रसूल, कामेश्वर निषाद, अरुण पासवान, बंटी अंसारी, आरीफ अंसारी, अमन आलम, अफरोज अंसारी, टिंकू, रियाज अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बुढ़मू में कोयला लदे ट्रक और ट्रैक्टर में टक्कर

बुढ़मू। बुढ़मू ठाकुरगांव मुख्य मार्ग में सिदरोल गांव के पास ठाकुरगांव की तरफ से आ रही कोयला लदा ट्रक जेएच 02 एभी 1191 और बुढ़मू से ठाकुरगांव की ओर जा रही बालू लदा ट्रैक्टर से टकराने से ट्रक चालक आंशिक रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी के सहयोग से वाहनों को मुख्य सड़क से हटवाया।

तमाड़ के मकवादर से प्रतापपुर तक की सड़क जर्जर, ग्रामीण परेशान

तमाड़। प्रखंड क्षेत्र तमाड़-खूंटी पथ समीप मकवादर से प्रतापपुर तक लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी सड़क कच्ची है। बरसात के दिनो में राहगीरों को सड़क में कीचड़ होने के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश के बाद सड़क की स्तिथि खेत की तरह कीचड़ हो जाता है। वही गर्मी के दिनो में धूल उड़ने से छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया की उक्त सड़क निर्माण के लिए बैठक कर आम सभा किया गया है। ग्रामीणों को बरसात के महीनो में कीचड़, वहीं गर्मी में धूल उड़ने से दो पहिया को प्रखंड और अंचल कार्यालय, अस्पताल, आने जाने में परेशानी होती है। ग्रामीणों ने जल्द सड़क निर्माण की मांग की है।

चुनाव की तैयारी : इटकी बीडीओ ने की सभी कोषांग के पदाधिकारियों संग बैठक

इटकी। प्रखंड सभागार में गुरुवार को बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर एक विशेष बैठक की गई। बैठक में सभी कोषांग के पदाधिकारियों को आचार संहिता का पालन सख्ती से कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी पंचायत सचिव को एक सप्ताह के अंदर सभी बूथों का निरीक्षण कर प्रखंड कार्यालय को रिपोर्ट करने को कहा गया। सभी बूथों को मॉडल बूथ के रूप में बनाये जाने की बात कही गयी। 9 बूथ को सेक्टर ऑफिसर के लिए सुरक्षित रखा जाएगा जिसमें ईवीएम मशीन सहित अन्य सामान को सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही साथ सभी कर्मियों को सी विजिल एवं वोटर हेल्पलाइन ऐप के बारे में भी जानकारी दी गई। और ऐप को डाउनलोड करने का सभी को निर्देश दिया गया। साथ ही स्वीप कार्यक्रम के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को जागरूक करने का भी निर्देश दिया गया। मौके पर सीओ विजय कुमार, बीएसओ हेमंत एक्का, सभी बीएलओ सुपरवाइजर, सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापक, पंचायत सचिव, सभी पंचायत सहायक, रोजगार सेवक सहित प्रखंड कर्मी उपस्थित थे।

भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली का त्योहार मनाने की अपील

इटकी थाना में शांति समिति की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। इटकी थाना परिसर में होली पर्व को लेकर गुरुवार को शांति समिति की एक बैठक डीएसपी अखिल निखिल कुजूर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में होली का त्यौहार को आपसी भाईचारे के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, 24 मार्च होलिका दहन और होली का त्योहार 25 मार्च को मानने और प्रशासन के साथ समिति के सदस्यों का नगर भ्रमण किये जाने सहित कई अन्य निर्णय लिये गये। बैठक में जबरन किसी को रंग व गुलाल नहीं लगाये जाने के निर्णय को कड़ाई से पालन किये जाने की भी बातें कही गयी। साथ ही केमिकल मुक्त रंगो का इस्तेमाल करने पर बल दिया गया। बैठक में इटकी प्रखंड के रानीखटंगा निवासी अंतरराष्ट्रीय धावक बुधवा उरांव के निधन पर दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग, सीओ विजय कुमार, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, लाल रामेश्वर नाथ शहदेव, उप प्रमुख परवेज आलम, सद्भावना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष अजीत केसरी, आजसू जिला सचिव मुर्तजा आलम, राजकुमार तिर्की, रमेश महली, हाजी मोईनुद्दीन, संजय महतो, नंदलाल महतो, देवेंद्र महतो, सलीम अंसारी, राजन किस्पोट्टा, सुनील मिंज, हाजी तस्लीम, मो मोईन सहित अन्य शामिल थे।

चान्हो थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

चान्हो। थाना प्रांगण में गुरुवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता खलारी डीएसपी राम नारायण चौधरी ने किया, जबकि संचालन थाना प्रभारी अजीम अंसारी द्वारा किया। बैठक में होली शांतिपूर्ण और सौहार्द पूर्वक मनाने की अपील किया गया। होली आपस में मिल जुलकर मनाने का पर्व है। दोनों समुदाय के लोगों ने होली और रमजान पर्व को शांति और सौहार्द से मनाने की बात कही। इस दौरान बैठक की अध्यक्षता कर रहे डीएसपी ने कहा कि चल रहे रमजान के पाक माह और होली पवित्र त्यौहार को देखते हुए शांति समिति की बैठक बुलायी गयी है। त्यौहार में फुहड़ और अश्लील होली गाने व डीजे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। थाना प्रभारी ने कहा कि चान्हो के लोग काबिले तारीफ है। यहां के लोग एक-दूसरे के पर्व त्योहार मे बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभाते हैं। प्रभारी ने कहा कि त्यौहार के दौरान हुड़दंगी लोग शांति भंग करने के फिराक में रहते हैं। ऐसे असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। पकड़े जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उन्होंने आचार संहिता का पालन करने को कहा।

हनुमान मंदिर नामकुम स्टेशन का मना 25वां वार्षिकोत्सव

नामकुम। गुरुवार को श्री श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर नामकुम स्टेशन का 25 वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान सुबह लगभग सात बजे से ही हवन पूजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ वहीं लगभग एक बजे से भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसाद ग्रहण करने सांसद संजय सेठ और विधायक राजेश कच्छप भी पहुंचे। मौके पर सांसद श्री सेठ ने कहा कि हनुमान जी की पूजा से सभी देवताओं की पूजा हो जाती है। वहीं विधायक राजेश कच्छप ने प्रसाद ग्रहण किया और कहा कहा कि हनुमान जी की भक्ति से सभी शक्तियां और मनोरथ सिद्ध हो जाते है। मौके पर संरक्षक रमेश पाण्डेय, अध्यक्ष मनीस राय, रामकुमार यादव, सुनील यादव, आत्मानंद पाण्डेय, मुन्ना यादव, पिंटू सिंह सहित कमेटी के सभी सदस्यगण उपस्थित थे।

नुक्कड़ नाटक से बताया पढ़ाई का महत्व

- **ओरमांझी में विक्रमशिला सोसायटी ने लगाया बाल मेला**

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को राजकीयकृत मध्य विद्यालय चकला ओरमांझी में बाल मेला का आयोजन किया गया। बाल मेला में एफएलएन शिक्षण सामग्री व स्टॉल लगाया गया। वहीं कई कई गतिविधियां के माध्यम से बच्चों का ज्ञानवर्धक जानकारियां दी गई। वहीं मेला में एक से तीन कक्षा के बच्चों को पेटर्न व पजल के माध्यम से जोड़, घटाव, आकृति पहचान व माप-तौल आदि की जानकारियां दी गई। वहीं कार्यक्रम में पुछे गए सवालों का जवाब देकर बच्चे काफी उत्साहित थें। इसके अलावा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। मुख्य रूप से उपस्थित प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईईओ) सीमा कुमारी ने बच्चों को पुरस्कृत किया और मेला को बच्चों के लिए उत्साहवर्धक बताया। मौके पर बीपीओ रीना यादव, प्राचार्य कुमारी किरणमाला, शिक्षक संघ के अध्यक्ष शिक्षक सतीश बड़ाईक, संगीता कुमारी, अनूपाशैल बाला कुजूर, विक्रमाशीला के सुशीला कुमारी, पंकज कुमार महतो व छात्र, छात्राएं उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उत्साहित स्कूली बच्चें।

ओलावृष्टि से किसानों के फसलों का नुकसान, मुआवजे की मांग

दर्जनों गांवों में फसलों को हुआ है नुकसान

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। ओलावृष्टि से प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों किसान के फसलों को काफी नुकसान हुआ है। जिसे लेकर भाजपा द्वारा सरकार से मुआवजा की मांग की गई है। प्रखंड के चकला, पांचा, चेतनबारी, उकरीद, ततरियाटोली, पालू, तापे क्षेत्र में ओलावृष्टि का ज्यादा असर हुआ है। किसान कामेश्वर महतो, रंजीत कुमार, आशीष कुमार, राजेश कुमार महतो, संजय महतो सहित कई किसानों के खेत में लगी तरबूज, टमाटर, लौकी व फूल गोभी आदि के फसल को काफी नुकसान हुआ है। खासकर तरबुज के फसल को भारी नुकसान हुआ है। कई किसानों ने बताया तरबुज के एक पौधा में दो ही फल लगते हैं। लगभग सभी पौधों में फल लग गए थे। ओलावृष्टि से तरबुज के सभी फल बरबाद हो गए हैं। किसानों के खेत में लगाए गए लाखों की पूंजी बरबाद होने की संभावना है। भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलीप मेहता के नेतृत्व में गुरूवार को एक प्रतिनिधि मंडल सीओ नितिन शिवम गुप्ता व बीडीओ विजय कुमार से मिले और किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। वहीं एक ज्ञापन सौंप किसानों को फसलों की हुए नुकासन का जल्द मुआवजा देने की मांग की गई। ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष मानकी राजेंद्र साही ने कहा असमय तेज बारिश व भारी ओलावृष्टि से किसानों को लाखो रुपए का नुकसान हुआ है। इस वर्ष कम बारिश से किसान महाजन के कर्ज से दबे हुए थे। अब बारिश व ओलाविष्टि से किसान को तोड़ दिया है। ऐसे में सरकार द्वारा जांच दल गठित कर पीड़ित किसानों को जल्द मुआवजा दे। मौके पर किसान मोर्चा अध्यक्ष कामेश्वर महतो, बालक पाहन, अलखनाथ महतो, शशि मेहता, हुलाश महतो, अफताब आलम, विक्की महतो आदि उपस्थित थे।

सीओ, बीडीओ को ज्ञापन सौंपते कार्यकर्ता गण।

बेड़ो : उपायुक्त ने किया बूथों का निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा के साथ बुधवार को लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के मांडर विधान सभा क्षेत्र स्थित बेड़ो प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक किया। इस दौरान अधिकारियों ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान अधिक से अधिक मतदाता वोटिंग करें और बूथ पर उन्हें किसी तरह की दिक्कत ना हो इसे लेकर कई बूथों का औचक निरीक्षण किया। साथ ही अधिकारियों ने मौजूद पदाधिकारियों व कर्मचारियों को उचित दिशा-निर्देश दिया। इस दौरान अधिकारियों ने लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के बेड़ो प्रखंड स्थित राजकीय कृत मध्य विद्यालय जरिया बेड़ो-2 बूथ संख्या 225, 226 और राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय बेड़ो-1 बूथ संख्या 231, 232, 233 समेत अन्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतदान के दौरान बूथों पर पेयजल, शौचालय, बिजली सहित अन्य सुविधा की सुनिश्चितता को लेकर सभी बूथों मुआयना किया। वहीं मौके पर राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय बेड़ो-1 के प्रधानाध्यापक के अनुपस्थित पाए जाने पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने इस दौरान संबंधित पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए सभी दिशा-निर्देश का पालन करते हुए मतदान केंद्रों पर साफ-सफाई, पेयजल की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित कराने, मतदान केंद्रों में बिजली की व्यवस्था, विद्यालयों में न्यूनतम मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं इसे ससमय पूरा कराने का निर्देश दिया।

खबर मन्त्र

रांची.शुक्रवार.22 मार्च 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

मतबूत होता विपक्ष

लगभग डेढ़ वर्षों के प्रयासों के बाद देश के सियासी परिदृश्य में एक ऐसा मजबूत प्रतिपक्ष अंततः खड़ा नजर आ रहा है जो अपने बुलन्द हौसलों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों के साथ मतदाताओं के समक्ष उपस्थित है। पक्षपातपूर्ण तरीके से बनाये गये चुनावी कार्यक्रम, केन्द्रीय जांच एजेंसियों की विरोधी दल के नेताओं पर छापेमारी, प्रचार में माहिर आईटी सेल, संसाधनों की कमी जैसे तमाम अवरोधों की चिंता किये बिना एक ऐसा एकजुट विपक्ष सामने आया है जो भयमुक्त है। यही इसकी ताकत है। साथ ही, कांग्रेस के नेतृत्व में उसने राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक न्याय का जो विमर्श रचा है, वही उसका संदेश है। दो दर्जन से अधिक राजनीतिक संगठनों से बने संयुक्त प्रतिपक्ष की जो ताकत है उसमें देश के 60 प्रतिशत मतदाताओं का समावेश है। देखना यह होगा कि क्या कार्यकताओं व समर्थकों की सामूहिक ताकत इस संदेश को लोगों तक सफलतापूर्वक पहुंचा सकेगी और उसे वोटों में तब्दील कर सकेगी। 18वीं लोकसभा में बैठने की व्यवस्था कैसी होगी- यह सारा कुछ इसी प्रयत्न पर निर्भर करेगा। मुंबई की रैली न केवल संयुक्त विपक्ष का आभास देती है वरन वह पूरे देश का प्रतिनिधित्व करने वाला मंच भी दिखलाई देता है। इसका विस्तार धुर उत्तर के जम्मू-कश्मीर से लेकर दक्षिण भारत के अंतिम छोर यानी तमिलनाडु तक और पूर्वी राज्य बिहार व झारखंड से लेकर पश्चिम के महाराष्ट्र तक का है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी घायल होने के कारण अनुपस्थित थीं तो वहीं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव बीमार होने के कारण नहीं आये। निश्चित ही मात्र 37 प्रतिशत मत के सहारे सत्ता में आई भाजपा नीत गठबंधन को कड़ी चुनौती मिलेगी यह तय है। 400 पार का चुनावी नारा के सामने कांग्रेस गठबंधन पूरी ताकत से खड़ा है।

फिर एक बार पुतिन

एक बार फिर ब्लादिमीर पुतिन रूस के राष्ट्रपति बन गए हैं। वे पांचवीं बार राष्ट्रपति बने हैं। जो बताता है कि दो वर्ष पूर्व यूक्रेन युद्ध शुरू करने के चलते पूरी दुनिया के निशाने पर आने वाले पुतिन का अपने देश रूस में एकछत्र राज्य है। वैसे खुफिया एजेंसी प्रमुख से लेकर राष्ट्रपति बनने तक पुतिन की निरंकुश सत्ता लगातार परवान चढ़ती रही है। पश्चिमी देशों की सुविधा के अनुरूप लायी गई उदारीकरण व खुलेपन की वैश्विक नीतियों से सोवियत संघ के बिखराव के बाद आहत रूसी राष्ट्रवाद को पुतिन ने अपने तरीके से सींचा। शासन, चुनाव तंत्र और मीडिया पर वर्चस्व रखने वाले पुतिन ने अपनी सुविधा का लोकतंत्र गढ़ा। यही वजह है कि पांचवीं बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे पुतिन का राष्ट्रपति बनना अटल सत्य था। उनके सामने जो तीन उम्मीदवार थे, कहा जाता है कि उन्हें क्रेमलिन की ओर से ही खड़ा किया गया था। वे पुतिन की तारीफ में कसीदे पढ़ते देखे गए। वह बात अलग है कि कुल वोट का 87 फीसदी हिस्सा मिलने के बाद पुतिन ने कहा कि रूसी लोकतंत्र कई पश्चिमी देशों के लोकतंत्र से ज्यादा सशक्त है। वे उनके सशक्त विरोधी रहे एलेक्सी नवेलनी की हालिया संदिग्ध मौत को इसी कड़ी का हिस्सा बताते हैं। नवेलनी समर्थकों ने रूस के शहरों व पश्चिमी देशों में रूसी दूतावासों के बाहर विरोध स्वरूप प्रतीकात्मक रूप से मतदान किया। उनका मानना रहा है कि रूस में एक भी प्रत्याशी ऐसा नहीं था, जिसकी विश्वसनीयता मानी जा सके। वहीं पश्चिमी देश कुछ लोगों की गिरफ्तारी का भी आरोप लगाते हुए कहते हैं कि चुनाव स्वतंत्र, पारदर्शी व निष्पक्ष नहीं रहा। दूसरी ओर जर्मनी जहां इन चुनावों को सेंसरशिप के बीच छद्म चुनाव बता रहा है,वहीं ब्रिटेन का आरोप है कि रूस द्वारा यूक्रेन के अधिकृत इलाकों में अवैधानिक तरीके से चुनाव कराए गए।

पानी की कमी से विकास थम सकता है

-योगेश गोयल

हालांकि सरकार द्वारा जलशक्ति अभियान के तहत हर घर को पानी मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि देश में 2030 तक पानी की जरूरत दोगुनी हो जाएगी और 2050 तक यह चार गुना बढ़ जाएगी तथा जल संकट का देश के सकल घरेलू उत्पाद पर छह फीसदी तक असर पड़ सकता है।

प्रतिवर्ष 22 मार्च को दुनियाभर में लोगों में जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर जागरुकता फैलाने के लिए 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। दरअसल जल धरती पर मानव जीवन की बुनियादी जरूरतों में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है और वर्तमान में पृथ्वी पर पेयजल की उपलब्धता से जुड़े आंकड़ों पर नजर डालने से स्पष्ट हो जाता है कि पानी की एक-एक बूंद बचाना हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है। पानी की समस्या भारत में भी लगातार गंभीर होती जा रही है, बेंगलुरु जल संकट से आसानी से लगाया जा सकता है। देश में हर साल जाने-अनजाने करोड़ों लीटर पानी बर्बाद हो जाता है। इसी वजह से कुछ वर्ष पूर्व विश्व जल दिवस के अवसर पर 22 मार्च के ही दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल शक्ति अभियानः कैच द रेन की शुरूआत की थी और उस अभियान के तहत देश के सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन के लिए नारा दिया गया था ह्यजहां भी गिरे, जब भी गिरे, वर्षा का पानी इकट्ठा करें।

एक ओर जहां करोड़ों लोग विशेषकर गर्मी के मौसम में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसते रहते हैं, वहीं बारिश के मौसम में वर्षा जल का संरक्षण-संचयन नहीं होने के अभाव में प्रतिवर्ष लाखों गैलन पानी व्यर्थ बह जाता है। यदि इस पानी का संरक्षण कर लिया जाए तो देश की बड़ी आबादी की प्यास इसी पानी से बुझाई जा सकती है लेकिन चिंता की बात है कि देश में अभी तक वर्षा जल संरक्षण को लेकर कहीं जागरुकता नहीं दिखती। भारत में जल संकट बढ़ने का एक बड़ा कारण यही है कि हम वर्षा जल का बहुत ही कम मात्रा में संरक्षण कर पाते हैं। देश में प्रतिवर्ष करीब तीन हजार अरब घन मीटर पानी की जरूरत होती है जबकि भारत में होने वाली वर्षा की मात्रा करीब चार हजार अरब घन मीटर होती है लेकिन वर्षा जल संग्रहण के पर्याप्त प्रबंध नहीं होने के कारण मामूली से वर्षा जल का ही संग्रहण संभव हो पाता है। एक ओर जहां इजराइल जैसे देश में औसतन दस सेंटीमीटर वर्षा होने के बावजूद भी वह इतने अन्न का उत्पादन कर लेता है कि उसका निर्यात करने में भी सक्षम हो जाता है, वहीं दूसरी ओर भारत में औसतन पचास सेंटीमीटर से भी ज्यादा वर्षा होने के बावजूद अन्न की कमी बनी रहती है। दरअसल नदियों-तालाबों जैसे पवित्र माने जाते रहे जलस्त्रोतों को सहेजने में लापरवाही और भूमिगत जल में प्रदूषण की बढ़ती मात्रा तथा वर्षा जल संचयन का उचित प्रबंध न होना भारत में जल संकट गहराते जाने की मुख्य वजह बन रहे हैं।

देश में आज के आधुनिक युग में भी बहुत से इलाकों में लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है या लंबी-लंबी कतारों में लगकर कामचलाऊ पानी मिल जाता है। चौंकाने वाला यह तथ्य भी सामने आ चुका है कि कुछ इलाकों में महिलाओं को पीने का पानी लाने के लिए प्रतिदिन औसतन छह किलोमीटर से भी ज्यादा का सफर पैदल तय करना पड़ता है। हालांकि सरकार द्वारा जलशक्ति अभियान के तहत हर घर को पानी मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि देश में 2030 तक पानी की जरूरत दोगुनी हो जाएगी और 2050 तक यह चार गुना बढ़ जाएगी तथा जल संकट का देश के सकल घरेलू उत्पाद पर छह फीसदी तक असर पड़ सकता है। भारत में पानी की कमी का संकट लगातार किस कदर गहरा रहा है, इसका अनुमान सरकार द्वारा संसद में दी गई उस जानकारी से भी लगाया जा सकता है, जिसमें बताया गया था कि वर्ष 2001 और 2011 में भारत में जल उपलब्धता प्रति व्यक्ति क्रमशः 1816 और 1545 घन मीटर थी, जो अब 1480 घन मीटर से भी कम रह जाने का अनुमान है। ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल पुस्तक के मुताबिक भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन किए जाने का ही नतीजा है कि कई शहरों में भू-जलस्तर तेजी से नीचे गिर रहा है। नीति आयोग यह चेतावनी दे चुका है कि देश के 21 बड़े शहरों में भू-जल का स्तर आने वाले समय में शून्य तक पहुंच सकता है।

जल संकट गहराने के पीछे नदियों तथा जलाशयों के सही रखरखाव का अभाव और उनका अतिक्रमण भी कुछ अहम कारणों में शामिल हैं। देश की अधिकांश आबादी दूषित पेयजल का सेवन करने पर विवश है। भू-जल बोर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 1990 के बाद से भू-जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है और यदि भू-जल स्तर इसी रफ्तार से घटता गया तो बहुत अधिक गहराई से जो पानी निकाला जाएगा, वह पीने लायक नहीं होगा क्योंकि उसमें आर्सेनिक तथा फ्लोराइड की मात्रा अधिक होने के कारण बीमारियां बढ़ेंगी। देशभर में कृषि, उद्योग तथा दैनिक क्रियाकलापों की करीबन अस्सी फीसदी जरूरतें जमीन पर तथा उसके भीतर उपलब्ध पानी से ही पूरी की जाती हैं। बहरहाल, जल संकट से निजात पाने के लिए बेहद जरूरी है कि पानी के सीमित एवं समुचित उपयोग के लिए जागरुकता बढ़ाने पर जोर देते हुए लोगों में पानी बचाने की आदतें विकसित करने के प्रयास किए जाएं, साथ ही वर्षा जल का संचय किए जाने के भी हरसंभव प्रयास हों। वर्षा जल संचय के लिए नदियों और जलाशयों की हालत सुधारकर इनकी जल संग्रह क्षमता को बढ़ाना और भू-जल स्तर को बढ़ाने वाली जगहों को ठीक करना बेहद जरूरी है। भारत में पेयजल संकट के समाधान के लिए ह्यजल शक्ति मंत्रालयह्ल का गठन किया गया, जिसके तहत सभी घरों में नलों से पानी उपलब्ध कराने के लिए व्यापक इंफ्रॉस्ट्रक्चर बनाने पर जोर दिया जा रहा है लेकिन सवाल यही है कि अगर भू-जल का स्तर इसी तरह नीचे जाता रहा और पेजयल संकट ऐसे ही गहराता रहा तो इन नलों में पानी कहां से आएगा और कैसे घर-घर तक पहुंचेगा? इसलिए बेहद जरूरी है कि प्रत्येक नागरिक को पानी के महत्व का अहसास कराया जाए।

खास बात

मिशाल हैं सोनू सूद

रेणु ठाकुर

मनी कंट्रोल रिपोर्ट के अनुसार अभिनेता सोनू सूद ने जरूरतमंदों की मदद के लिए धन जुटाने के लिए मुंबई में आठ संपत्तियों को गिरवी रखा है। इस साल सोनू के मानवीय कार्यों की देश भर के लोगों ने सराहना की है और अभिनेता यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनकी मदद ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे।

रिपोर्ट के अनुसार, सोनू सूद ने जुहू में 10 करोड़ रुपये का कर्ज लेने के लिए आठ संपत्तियों को गिरवी रखा। अभिनेता ने राशि जुटाने के लिए दो दुकानों और छह फ्लैटों को गिरवी रख दिया। मनी कंट्रोल द्वारा एक्सेस किए गए दस्तावेजों के अनुसार, समझौते पर 15 सितंबर को हस्ताक्षर किए गए थे और पंजीकरण 24 नवंबर को किया गया था। ऋण उठाने के लिए 5 लाख रुपये का शुल्क अदा किया गया था।

हालांकि इन प्रीमियम संपत्तियों को अभिनेता और उनकी पत्नी के स्वामित्व में रखा जाएगा और उन्हें मासिक किराए पर प्राप्त करना जारी रहेगा, उन्हें 10 करोड़ रुपये के ऋण के लिए ब्याज और मूलधन का भुगतान करना पड़ सकता है। इस बात की अभी तक सोनू सूद ने कोई पुष्टि नहीं की है।

मार्च में, जब सरकार ने देश में चल रहे कोरोनोवायरस महामारी के कारण देशव्यापी तालाबंदी लागू कर दी, तो प्रवासी कामगारों को घर वापस जाने के लिए कोई पैसा या साधन नहीं बचा। तब सोनू सूद उनके बचाव में आए। उन्होंने दिहाड़ी मजदूरों को उनके घरों में वापस पहुंचाने के लिए चार्टर्ड उड़ानों, बसों और ट्रेनों की व्यवस्था की।

जरूरतमंदों की मदद करने के उनके अविश्वसनीय प्रयास के कारण अभिनेता को 'प्रवासियों का मसीहा' कहा गया है। चूंकि कई लोगों ने महामारी के दौरान अपनी आय के साधन खो दिए हैं, इसलिए उन्होंने उन्हें आय का एक वैकल्पिक स्रोत भी प्रदान किया। हर दिन सोनू सूद को सैकड़ों पत्र मिलते हैं जो उनसे मदद मांगते हैं। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इन पत्रों की एक तस्वीर साझा की थी और लिखा, हेल्प मेल्स जो मुझे हर दिन मिलती है। काश दर्जनों सोनू सूद हमारे बीच होते।

अहंकार से रहें दूर

विचार-प्रवाह

साध्वी मनीषा

स्वांसों का प्रसाद देने वाला परमात्मा सभी के हृदय में विराजमान है और बहुत ही नजदीक है। लेकिन इंसान को उसकी खुशबू क्यों नहीं आती क्योंकि इंसान स्वयं और अपने हृदय से बहुत दूर रहता है। जब शीशू रोता है तो ममतामयी प्यारी मां उसे अपने आंचल में ले लेती है और उसी पल शीशू को अपनी मां की खुशबू मिल जाती है। तब वह बिल्कुल शांत हो जाता है। उसके होठों पर मधुर मुस्कान आ जाती है और शरीर का रोआं रोआं खिल जाता है। इसी प्रकार परमात्मा स्वांसों की छड़ी से छूकर हमें हर पल अपने पास बुलाता है। लेकिन इंसान अपने अहंकार और स्वयं से दूरी के वशीभूत इसे पहचान नहीं पाता। सच्चा प्रेम ऐसा होना चाहिए कि अभ्यास के समय आंखों में अपने आप आंसू निकलना शुरू हो जाएं। जिस प्रकार बच्चे की कोई मांग या आकांक्षा नहीं होती बल्कि मां स्वयं उसे दे देती है इसी प्रकार आप भी किसी प्रकार की कोई आकांक्षा या मांग न रखें।

परमात्मा का आपके भीतर हृदय में विराजमान होना ही सबसे बड़ा आशीर्वाद है। उनसे कुछ मांगना नहीं पड़ता। अभ्यास से जैसे ही परमात्मा का सानिध्य मिलता है तो व्यक्ति को सब कुछ अपने आप मिल जाता है।

जैसे फूल के पास जाओ खुशबू अपने आप ही मिलने लगती है उसी प्रकार परमात्मा के सानिध्य में शांति की खुशबू अपने आप मिलना शुरू हो जाती है। वो इतना परम दयालु है कि बच्चा मां के गर्भ से बाहर बाद में आता है लेकिन उसके भोजन के लिए मां का आंचल पहले ही दूध से भर देता है।

रजिस्टर्ड वोटर्स की संख्या लगभग 97 करोड़ है

बारह राज्यों में महिला मतदाताओं का अनुपात पुरुष से अधिक है

1.82 करोड़ मतदाता पहली बार वोट डालने वाले हैं

चुनाव को लेकर 27 ऐप्स और पोर्टल बनाए गए हैं.

- निशा उरांव, डायरेक्टर, पंचायत राज झारखंड

आपके ट्वीट

भगवत्प्राप्ति के अनेक उपादानों में से सेवा और ईष्ट के प्रति सर्वतोभावेन समर्पण ही श्रेष्ठ साधन माने गए हैं। सेवा-समर्पण के बिना कर्तापन का अभिमान, कृतघ्नता व दोषदृष्टि से निवृत्ति संभव नहीं है।

- अवधेशानंद गिरी

महात्मा गांधी जी का सपना था कि देश के गांव सशक्त बनें। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी ने पंचायती राज प्रणाली को लाकर वो सपना साकार किया।

- राहुल गांधी, कांग्रेस

वैराग्य प्राप्त होने से आस्था जागती है

स्वामी निरंजनन्द सरस्वती

धर्म

यह अहंकार है जो इस मजबूत इच्छा को पैदा करता है, जिससे एक जुनूनी व्यक्तित्व की ओर जाता है। ऐसा होता है कि ऐसा हो रहा है पता भी नहीं चलता है, लेकिन करंट इतना मजबूत है कि हम चूस जाते हैं और खुद को इससे मुक्त नहीं कर पाते। मन भौतिक, इन्द्रिय, इन्द्रिय जगत की ओर आकर्षित होता है; वह सदा उसी की ओर बढ़ता रहता है। तो हम क्या करते हैं? भगवद गीता में, श्रीकृष्ण अर्जुन को इस गहन और जुनूनी आकर्षण या इच्छा को पार करने की विधि बताते हैं। वह जिस विधि का वर्णन करता है वह वैराग्य है, जागरूकता या धारणा का भौतिक आयाम से किसी और चीज में स्थानांतरण। विचार बहुत सरल है और अभ्यास भी बहुत सरल है, लेकिन हमारा अहंकार संघ भय और असुरक्षा का कारण बनता है, और पूछता है, ₹मुझे इसे क्यों छोड़ना होगा? मुझे यह क्यों छोड़ना होगा? अगर मैं कुछ छोड़ जाऊ तो मेरा क्या हाल होगा? ₹वास्तव में, त्याग की अवधारणा हमेशा चीजों को पीछे छोड़ने से जुड़ी रही है, जबकि संस्कार की अवधारणा एक आकर्षण से दूसरे के प्रति जागरूकता के विस्थापन से जुड़ी है। हम क्या करते हैं? हम अपनी जागरूकता को आध्यात्मिक अनुभव के आयाम में स्थानांतरित करते हैं।

पतंजली राज्य के योग सूत्र स्पष्ट रूप से बताते हैं कि जब मन वस्तु की लालसा से मुक्त हो जाता है और साक्षी का मनोभाव विकसित होता है तो वैराग्य की प्राप्ति होती है। यह दुगुना हैः सांसारिक और पारस्थ। सांसारिक स्तर पर, इन्द्रियों और मन के आकर्षण के संबंध में वैराग्य होता है, इतना कि आप उन चीजों की इच्छा भी नहीं करते जो आप देखते, सुनते, स्वाद, महसूस करते या गंध करते हैं। पारमुखी आयाम पर, यह तब होता है जब हम प्रबुद्ध होने की इच्छा के बारे में जानते हैं।

जब हम ध्यान करते हैं, तो ऐसे समय होते हैं जब हमारे पास शानदार दृश्य या अनुभव होते हैं और हम बाद के अभ्यास में इस अनुभव को दोहराना चाहते हैं।

कभी-कभी हमारे पास देवताओं, गुरु या देवदूतों के दर्शन होते हैं और हमें उस अनुभव से बेहद प्यार होता है। हमें लगता है कि इस तरह के दृश्य बताते हैं कि हम बहुत तेजी से प्रगति कर रहे हैं, विकसित हो रहे हैं और आध्यात्मिक बन रहे फिर कुछ समय बाद हमें पता चलता है कि कोई दृश्य नहीं आ रहा है और हम सोचने लगते हैं, ₹क्या मैं जो प्रयास कर रहा हूं वह सही है या गलत? क्या यह उचित है ? क्या मुझे यह करना चाहिए? ₹दो सींगों वाले राक्षस को सिर से उगते हुए देखें तो हम सोचने लगते हैं, ₹क्या मैं अपनी आध्यात्मिक यात्रा में पीछे हट गया हूँ? ₹ध्यान में भी अपेक्षाएं होती हैं। ध्यान में भी अनुभव के एक विशेष क्षेत्र की अस्वीकृति होती है। यदि हम कुछ अनुभवों को अस्वीकार कर देते हैं और बेहतर अनुभवों की प्रतीक्षा करते हैं, तो ध्यान हमें बहुत दूर नहीं ले जाएगा, क्योंकि एक तरफ हम किसी सुंदर चीज से जुड़े होते हैं जो हमारे अपने मन की रचना है, और दूसरी तरफ हम अस्वीकार कर देते हैं और एक छाप से बचते हैं या अनुभव जो हमारे मन की रचना भी है। तो यहाँ ध्यान ने हमें विफल नहीं किया है, हम खुद असफल हुए हैं। हमें प्रयास करते रहना चाहिए और इसे गुरु की कृपा समझ लेना चाहिए, और शायद एक दिन हम सफल हो जाएं।

लगाव और आकर्षण, राग, और अस्वीकृति, द्वेश, मानव व्यक्तित्व की प्राकृतिक विशेषता है। वैराग्य आंतरिक प्रक्रिया की समझ और जागरूकता की ओर जाता है जो हमें जीवन की सुंदरता का एहसास कराता है और बदसूरत को अस्वीकार करता है। जबकि योग कहता है, जो हो रहा है उसके बारे में जागरूक बनो। (रिखिया आश्रम देवघर)

कार्टून वर्ल्ड

साभार : कार्टून मूवमेंट

लेटर टू एडिटर

लकीर की फकीर

आत्मविश्वास खो चुकी कांग्रेस अब भी अस्तित्व पर पड़े संकट को गंभीरता से न लेकर लकीर की फकीर बनी हुई है। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को आत्मविश्लेषण की जरूरत है। नेताओं का महत्व समझना होगा और उन्हें सम्मान भी देना होगा। जो नेहरू परिवार और कांग्रेस के लिए ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के लिए भी सुखद स्थिति नहीं होगी।

-रवि, रांची

अच्छा विचार

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ कराने का विचार अच्छा है। एक लोकसभा सीट का चुनाव करवाने में 70 हजार शासकीय कर्मचारी अधिकारियों को ड्यूटी पर लगाना पड़ता है। साथ ही सभी विभागों के कर्मचारियों की एमरजेंसी ड्यूटी लगाई जाने से भी स्कूलों सहित सभी विभागों का कार्य चुनाव संपन्न होने तक ठप्प हो जाता है।

- सुभाष सिंह, जमशेदपुर

आखिर इलेक्टोरल बॉन्ड को क्यों छुपाना चाहती है सरकार

सामयिक

भाजपा शासन में 2018 में लाई गई चुनावी बॉड योजना पर शुरूआत से सवाल उठे, इसे रिश्वतखोरी का नया तरीका बताया गया। आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले महीने 15 फरवरी को चुनावी या इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को यह कहते हुए रद कर दिया था कि ये संविधान के तहत सूचना के अधिकार, भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है।

चुनावी बॉन्ड के काम में संलग्न एकमात्र बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को अदालत ने निर्देश दिया था कि वह इलेक्टोरल बॉन्ड के बारे में सारी जानकारी 6 मार्च तक चुनाव आयोग के सामने पेश करे। इस आदेश का मकसद यह था कि आने वाले आम चुनावों के पहले जनता को यह पता चले कि किस राजनैतिक दल को कितना चंदा अब तक मिला है और किन लोगों या किन कारोबारी घराने ने कितने की रकम चुनावी बॉन्ड्स के जरिए राजनैतिक दलों को दी है। शीर्ष अदालत के इस आदेश को खास तौर पर भाजपा के लिए बड़ा झटका माना गया था, क्योंकि देश में इस वक्त सबसे अधिक धन भाजपा के ही पास है। लेकिन चुनावी बॉड में गोपनीयता के नियम के कारण अब तक यह खुलासा नहीं हो पाया था कि भाजपा को किन लोगों से कितना धन मिला और इस चंदे के एवज में सरकार से उन लोगों को कोई विशेष लाभ दिया गया या नहीं।

भाजपा सरकार ने 2018 में चुनावी बॉन्ड पर जो अधिसूचना जारी की थी, उसके क्लॉज 7 (4) में यह स्पष्ट रूप से कहा गया था कि अधिकृत बैंक हर सूरत में इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदार की जानकारी को गोपनीय रखे। सरकार का कहना था कि इस तरह चंदा देने वाले को राजनैतिक दलों के प्रतिशोध से बचाया जा सकेगा। यानी यह पहले ही मान लिया गया था कि किसी राजनैतिक दल की विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए कोई चंदा नहीं देगा, बल्कि चंदे के बदले फायदा हासिल करने के लिए दिया जाएगा।

बहरहाल, शीर्ष अदालत के आदेश के बाद यह माना जा रहा था कि अब चुनाव से पहले ही चुनावी बॉन्ड खरीदारों की जानकारी सामने आ जाएगी और इस पर भाजपा ने चुनाव में पारदर्शिता या ईमानदारी के जितने भी तर्क दिए हैं, उनकी परख भी हो जाएगी। लेकिन एसबीआई ने छह तारीख की समय सीमा पूरी होने से पहले ही सर्वोच्च न्यायालय में अर्जी दाखिल कर कहा है कि चुनावी बॉन्ड के मामले में जानकारी देने के लिए 30 जून तक का वक्त दिया जाए।अर्जी में कहा गया है कि 12 अप्रैल 2019 से लेकर 15 फरवरी 2024 के बीच 22,217 इलेक्टोरल बॉन्ड जारी किए गए हैं। यह बॉन्ड अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों को चंदे के लिए जारी हुए हैं। बैंक का यह भी कहना है कि देश की अलग-अलग 29 शाखाओं में बॉन्ड खरीदे और भुनाए गए हैं। खरीदार का नाम, बॉन्ड खरीदने की तारीख, जारी करने की शाखा, बॉन्ड की कीमत और बॉन्ड की संख्या, इन सबका आंकड़ा किसी सेंट्रल सिस्टम में नहीं हैं। गोपनीयता के कारण बॉन्ड जारी करने से संबंधित डेटा और बॉन्ड को भुनाने से संबंधित डेटा दोनों को दो अलग-अलग जगहों में रखा गया, इसका कोई सेंट्रल डेटाबेस नहीं रखा गया और अब ये सब मुंबई में बैंक की मुख्य शाखा में एक साथ स्टोर किया गया है। अब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी प्रमाणों के उजागर होने और सत्य होने का प्रमाण पत्र भी एसबीआई दे।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

डीसी ने सुनी जनता की समस्याएं

रामगढ़। उपायुक्त चंदन कुमार ने गुरुवार को कार्यालय में जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से समस्याओं को लेकर उनसे मिलने आए लोगों से मुलाकात की। लोगों ने भूमि, सड़क, रोजगार, आवास, विभिन्न विकास कार्यों, योजनाओं के लाभ सहित समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया। उपायुक्त ने मामलों के निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

सिसोदिया ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

रामगढ़। बसंत बिहार कॉलोनी निवासी दीपक सिसोदिया ने गुरुवार को उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल कॉलोनी नईसराय महतो टोला की सरकारी भूमि को भू माफिया द्वारा बार बार बेचे जाने का प्रयास किया जा रहा है। सिसोदिया ने बताया कि उक्त भूखंड की कई डिसमिल भूमि को भू माफिया बेचने में सफल भी हो गए हैं। बेची गई भूमी पर चहारदीवारी भी हो गई है। दीपक सिसोदिया ने उपायुक्त से मामले की जांच कर कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

अग्रसेन स्कूल में 300 छात्रों की हुयी जांच

भुरकुंडा (रामगढ़)। श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में गुरुवार को करीब 300 छात्र ने जांच कराया। प्रबंधन ने बताया कि भारत सरकार के यूडायस प्लस पोर्टल पर विद्यार्थियों का हाइट, वेट और ब्लड ग्रुप दर्ज करना अनिवार्य हो गया है। हाइट और वेट विद्यालय अपने रूटीन के अनुसार लेते रहते हैं। जबकि ज्यादातर बच्चों का ब्लड ग्रुप ज्ञात नहीं होता है। इसलिए वर्तमान में लगभग सारे स्कूलों के विद्यार्थी विभिन्न पैथोलॉजी लैब में निर्धारित शुल्क देकर ब्लड ग्रुप जांच करा रहे हैं। शिविर को सफल बनाने में मुकेश कुमार, डॉ रागिनी शुक्ला और स्कूल के शिक्षक योगदान दे रहे हैं।

जेपी पटेल को आकाश ने दी बधाई

कुजू। मांडू भाजपा विधायक जय प्रकाश भाई पटेल के कांग्रेस में शामिल होने पर कांग्रेस युवा मोर्चा के विधानसभा अध्यक्ष आकाश ओझा ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि पटेल के कांग्रेस में आने से हम सभी युवा कार्यकर्ताओं के अंदर एक नई उर्जा आयी है। उनके मार्ग दर्शन में कार्यकर्ता संगठन को आगे ले जायेंगे।

श्री गुरु सिंह सभा के सचिव बने तजेंद्र

भुरकुंडा (रामगढ़)। मेन रोड भुरकुंडा स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में बुधवार को सिख संगतो की आमसभा हुई। इस दौरान सर्वसम्मति से गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा भुरकुण्डा के सेक्रेटरी परमजीत सिंह उर्फ गोल्डी सिंह को उनके पद से पदमुक्त कर दिया गया। सिख-संगतो के सहमति से भुरकुंडा गुरुद्वारा का नये सेक्रेटरी के रूप में तजेन्द्र कुमार का मनोनयन किया गया। तजेन्द्र ने कहा कि जिस विश्वास के साथ मुझे कार्यभार सौंपा गया है उसका ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करूंगा।

सीसीएलकर्मी उमेश मुंडा का निधन

भुरकुंडा (रामगढ़)। सीसीएल बिरसा परियोजना में कार्यरत सीसीएलकर्मी सह केन्द्रीय मिलन सरहुल पूजा समिति रीवर साईड के पूर्व कोषाध्यक्ष उमेश मुंडा का इलाज के दौरान गुरुवार को अपोलो अस्पताल रांची में निधन हो गया। उमेश मुंडा पिछले कुछ महीनों से गंभीर बीमारी से ग्रसित थे। उनका अंतिम संस्कार पैतृक निवास पेटरवार में किया गया। मृतक अपने पीछे भरापुरा परिवार छोड़कर गये हैं। इनके निधन पर दुख व्यक्त करते हुए रिवर साइड केन्द्रीय मिलन सरहुल पूजा समिति ने शोकसभा किया।

कुजू ओपी में शांति समिति की बैठक

कुजू। कुजू ओपी में गुरूवार को होली को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मांडू इंस्पेक्टर सुरेश लिंडा ने किया। बैठक में आगामी दिनों होली पर्व शांति पूर्ण तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया। वहीं मौजूद गणमान्य लोगों ने भी पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का भरोसा दिलाया। लिंडा ने कहा कि होली का पर्व भाईचारिगी का पर्व है। जिसे में सभी को आपस में मिलकर शांतिपूर्वक तरीके से मनाना है। उन्होंने कहा कि पर्व में किसी तरह से कोई खलल न हो इसको लेकर हुड़दंगियों पर कड़ी नजर रहेगी। मौके पर कुजू ओपी के पुअनि रौशन कुमार, प्रभात गोस्वामी, मनीष कुमार, रौशन, साबीर हुसैन, सअनि बीरेंद्र कुजुर, तलेबर महतो, मुंशी कुंज बिहारी चौबे आदि मौजूद थे।

रोड सेल समिति का होली मिलन

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा रोड सेल समिति ने गुरूवार को जयप्रकाशनगर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया। समारोह में समिति के लोगो ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई एंव शुभकामनायें दी। इसके बाद लोगो ने जमकर लजीज व्यंजन का लुफ्त उठाया। समारोह में गिरधारी गोप, दर्शन गंझू, सरोजकांत झा, मुकेश पासवान, अजय सिंह, दिनेश मेहता, हरिशंकर चैधरी, बाजेश्वर पासवान, जुगल पासवान, तुला खान, रविंद्र सिंह, संजय मिश्रा, रावेल एक्का, उत्तम सिन्हा, प्रेमकुमार साहु, बुटन नायक, रोहित करमाली, मदन सिंह, प्रवीण बाउरी सहित अन्य लोग शामिल थे।

भद्रकाली मंदिर में यज्ञ के समापन में शामिल हुए मनीष जायसवाल, कहा

सेवा और विकास हमारी प्राथमिकता

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग । झारखंड के प्रसिद्ध धर्मस्थल चतरा जिले के इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर में साल 1982 से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले श्री लक्ष्मी नारायण सुदर्शन महायज्ञ के वर्तमान वर्ष के 09 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के समापन समारोह में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी सह सदर विधायक मनीष जायसवाल और बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव सहित अन्य गणमान्य लोग सम्मिलित हुए और यज्ञ मंडप में माथा टेका एवं मां भद्रकाली का आशिर्वाद लिया। इटखोरी का यह धार्मिक स्थल हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म का समागम स्थली है। यहां साल 2000 से निरंतर निर्बाध रूप से अखंड हरे कृष्ण- हरे राम संकीर्तन का आयोजन होता रहा है । यहां पहुंचने पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल का स्थानीय भाजपा नेता- कार्यकर्ता, भाजयुमो कार्यकर्ता और मंदिर समिति एवं यज्ञ आयोजन समिति से जुड़े लोगों ने बड़े ही आत्मिय भाव से गर्मजोशी से स्वागत किया । हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बीजेपी प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने इटखोरी स्थित भद्रकाली मंदिर परिसर में पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा की हम सौभाग्यशाली है कि मां भद्रकाली के बगल में रहने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस क्षेत्र में कोई भी शुभ कार्य मां के दरबार से आशिर्वाद लेकर ही किया जाता है। उन्होंने कहा की मैंने भी अपना चुनाव कैंपेन यहीं से मां भद्रकाली का आशिर्वाद लेकर शुरू किया।

पत्रकारों के अन्य सवाल के जवाब में कहा कि सेवा और विकास हमारी प्राथमिकता रही है और इसी का एक नया रोल हम देख रहें हैं। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद मिला तो निश्चित रूप से इस रोल को भी बड़े ही शिद्दत से निभाऊंगा । मौके पर सैकड़ों लोग उपस्थित थे ।

पंकरी बरवाडीह में दिखा सूर्योदय का अद्भुत नजारा

बड़कागांव। प्रखंड के पंकरी बरवाडीह के इक्विनोक्स स्थल में सूर्योदय का अद्भुत नजारा गुरुवार को देखा गया। सम दीवा रात्री के मौके पर सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर करवट लेते हुए देखा गया यह स्थल हजारीबाग - बड़कागांव रोड स्थित पंकरी बरवाडीह के भोक्ता स्थान तालाब के पूरब दिशा में है। यहां 23 सितंबर को भी सूर्योदय के इस अद्भुत नजारा को देखने की परंपरा है। 21 मार्च को अहले सुबह पंकरी के एक्विनोक्स पॉइंट में श्रीलंका, पश्चिम बंगाल, रांची, हजारीबाग एवं बड़कागांव के लोग सूर्योदय का नजारा को देखने पहुंचे हुए थे लेकिन 4:30 बजे से ही पूर्व की ओर बादल छाया हुआ था।बादल नहीं छटने से कई खगोल प्रेमी निराश होकर वापस लौट गए लेकिन श्रीलंका एवं बंगाल के लोग बादल छटने का इंतजार करते रहे। 6:13 पर धीरे-धीरे बादल छटने लगे, तो 6:18 पर सूर्य बादलों को चीरते हुए दिखाई दिया तो लोग खुशी से उछल पड़े । इक्विनोक्स पॉइंट में खड़े हुए दो मेगालिथ पत्थर के बने वी आकार के खड्ड से सूर्य लालिमा लिए हुए दिखाई दिया जिसे देख कर लोग खुश नजर आए।इस तरह का नजारा बेल्जियम, इंग्लैंड, मध्य अमेरिका में भी देखा जाता है। इस ऐतिहासिक एवं भौगोलिक स्थल के आसपास क्षेत्र में एनटीपीसी द्वारा कोयला खदान बनाया जा रहा है। जिस कारण यह महत्वपूर्ण स्थल के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। इस पर किन्हीं सरकारी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि का ध्यान नहीं है। श्रीलंका के कोलंबिया यूनिवर्सिटी के अध्यापक डॉक्टर सुरजीत घोष, रांची बीआईटी मेसरा के अध्यापिका रिचा शर्मा,डॉ गोविंद शर्मा बंगाल से आए हुए कौशिक डे सरकार ,अर्पण द, अनुभा चौधरी, स्नेहा कौर, कौशिकी कुंडू, कोंकणा घोष, सुरजीत घोष,दिलीप दा ,राजेश, श्री कथ समेत बड़कागांव के शिक्षक व ग्रामीण मौजूद थे।

छह हाइवा बालू जब्त

रामगढ़। रामगढ़ जिले में अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उद्देश्य से उपायुक्त चंदन कुमार द्वारा अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार द्वारा रामगढ़ शहर अंतर्गत सेवईयागढ़ा क्षेत्र में स्थल निरीक्षण किया गया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा लगभग 6 हाईवा अवैध बालू का स्टॉक जब्त किया गया।

बालू लदे वाहन ने चार युवती और एक महिला को रौंदा, दो रांची रेफर

खबर मन्त्र संवाददाता

टाटीझरिया। हजारीबाग जिले के टाटीझरिया थाना क्षेत्र से महज 14 किलोमीटर दूर खैरा-बरकट्ठा मूख्य सड़क के कारीचट्टान के पास गुरूवार सुबह लगभग साढे पांच बजे बालू लदा हाइवा मिनी ट्रक मॉर्निंग वॉक कर रहे चार लड़कियों सहित एक महिला को अपने चपेट में ले लिया है। सभी लोग खैरा गांव के रहने वाली है हाइवे के धक्का मारने से सभी लोग घायल हो गए हैं. ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।

महिलाएं कर रही थी मॉर्निंग वॉक : प्रत्येक दिन की तरह 15 से 20 की संख्या में लड़की, महिला पुरुष मॉर्निंग वॉक के लिए खैरा से कारिचट्टान तक टहलते है. गुरूवार को भी यह लोग टहलने निकले हुए थे। इसी बीच यह लोग वापस लौट ही रहे थे की एक हाईवा पीछे से आ रही थी। लडकिया अपने पीछे से आ रही हाईवा को देखकर सडक के किनारे हो गई। यह देखकर जान बुझकर हाईवा उन लोगो पर गाड़ी रोंदते हुए चल दिए। इसके बाद घायलों को अस्पताल भेजा गया।बालू घायलों में नंदनी कुमारी पिता संजय प्रसाद, मानसी कुमारी, रिया कुमारी दोनो के पिता प्रकाश प्रसाद, लक्ष्मी कुमारी पिता निहाल महतो सभी का उम्र लगभग 12 से 16 वर्ष है।महिला पूजा देवी पति रंजित प्रसाद भी दुर्घटना में घायल हो गयी है। ड्राइवर हाइवा गाडी को लेकर भागने में सफल रहा।घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बरकट्ठा से खैरा की सडक को जाम कर दिया। ज्ञात हो की इस रास्ते बालू का अवैध कारोबार होता है। बराकर नदी से उठाव करके इसी रास्ते से इचाक, खैरा, झरपो, नारायणपुर, भराजो तरफ जाते है। परंतु हैरान करने वाली बात यह है की जितने भी हाइवा चल रहे है किसी गाड़ी में नंबर पलेट नही लगा है । खबर लिखे जाने तक एक बालू लदे ट्रेक्टर को टाटीझरिया पुलिस ने जब्त कर थाना लेकर आई थी जिसका एफआईआर दर्ज नहीं किया गया था।

टाटीझरिया में हादसा

ओपी जिंदल कॉलेज में वेल्डर व इलेक्ट्रीशियन का प्रशिक्षण

भुरकुंडा (रामगढ़)। जेएसपी फाउंडेशन द्वारा संचालित ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज ने नाबार्ड के सहयोग से 55 ग्रामीण युवाओं को असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन और वेल्डर फैब्रिकेशन में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसका उद्घाटन बुधवार को नाबार्ड के डीडीएम उपेंद्र साहा एवं जेएसपी पतरातू के सीएसआर प्रमुख रवि निवास ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर ओपीजेसीसी के प्राचार्य संवित कुमार साहू, लबगा पंचायत की मुखिया किरण यादव एवं ओपीजेसीसी के कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थें। बताया गया की यह कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को कौशल से सशक्त करने के लिए ओपीजेसीसी की प्रतिबद्धता की एक और कड़ी है। ओपीजेसीसी पहले भी नाबार्ड के सहयोग से 50 छात्र-छात्राओं को असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन व्यवसाय में प्रशिक्षित कर चुका है। प्रशिक्षण के उपरांत उन्हें प्रतिष्ठित संगठनों में प्लेसमेंट हासिल करने में मदद मिली है। रवि निवास ने कहा कि असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन तथा वेल्डर फैब्रिकेशन में प्रशिक्षण लेकर एक अच्छे भविष्य की शुरूआत कर सकते हैं।

समारोह में शामिल बच्चे व शिक्षक।

परवरिश स्कूल ने पूरे किये 4 साल

कुजू। परवरिश एडुकेयर स्कूल ने गुरुवार को चौथा स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया । प्रिंसिपल नेहा राज बनर्जी ने स्कूल का हिस्सा बनने पर अपनी अपार खुशी व्यक्त की और स्कूल के विकास में प्रबंधन और सभी स्टाफ सदस्यों के योगदान की सराहना की।

वहीं मुख्य रूप से मौजूद निदेशक शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि हमारा स्थापना दिवस हमारी पिछली उपलब्धियों को प्रतिबिंबित करने, हमारी वर्तमान उपलब्धियों का जश्न मनाने और एक उज्ज्वल भविष्य की कल्पना करने का समय है। यह एक यह हमारे पूरे स्कूल समुदाय - छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और कर्मचारियों - के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

प्रबंध निदेशक विकास कुमार सिंह ने कहा कि उत्सव के हिस्से के रूप में, परवरिश एजुकेयर स्कूल सीखने के अनुभव को बढ़ाने और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहल भी शुरू करेगा। ये पहल एक पोषण वातावरण प्रदान करने के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है जहां हर बच्चा सक्षम हो सके फलें-फूलें और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचें। समारोह को सफल बनाने में रश्मी कुजूर, सोमा दास, कंचन, रजनी, आकांक्षा, अर्चना, नंदिनी, नाजो, रंजीत और अन्य सदस्यों सराहनीय योगदान रहा।

जेएसपी फाउंडेशन ने मनाया राष्ट्रीय एनीमिया दिवस

▸▸ किशोरी एक्सप्रेस में यात्रा करने वाले को किया गया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

बासल (रामगढ़)। जेएसपी फाउंडेशन पतरातू ने गुरूवार को राष्ट्रीय एनीमिया दिवस मनाया। किशोरी एक्सप्रेस के अंतर्गत तीन साल की यात्रा हितधारकों के लिए विशेष कार्यक्रम हुआ, जिसमें 200 से भी जायदा किशोरियां, आंगनवाड़ी सेविका शामिल हुईं। किशोरी एक्स्प्रेस जेएसपी फाउंडेशन की चेयरपर्सन शालू जिंदल के नेतृत्व में चलाई जा रही एक प्रमुख परियोजना है। जिसे 10-19 वर्ष की किशोरिओ में एनीमिया को रोकने के लिए शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एनीमिया जांच उपकरण, तकनीशियन और परामर्शदाता के साथ एक सुसज्जित वाहन चलाया जाता है। इसमे आंगनवाड़ी केंद्रों और स्कूलों में हेमोग्लोबिन जांच शिविर आयोजित किए जाते हैं। इस परियोजना में किशोरियों में एनीमिया एवं मासिक धर्म सफाई के बारे में जागरूक करने का काम किया जाता है। साथ ही उन्हें एनेमिया मुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। पतरातू ब्लॉक के आंगनवाड़ी केंद्र के पर्यवेक्षक सहित किशोरी एक्सप्रेस कार्यक्रम का सहयोग करने वाले अनेक हितधारकों को सम्मानित किया गया। साथ ही एनीमिया और इसके उपचार के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ. मंजू मिश्रा ने एनीमिया, एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम और किशोरी एक्सप्रेस के बारे में बताया। साथ की कार्यक्रम में स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में संस्थागत जागरूकता लाने के लिए पोस्टर जारी किए गए। कार्यक्रम में पतरातू सीडीपीओ अनुपमा मिंज व जेएसपी पतरातू के प्लांट प्रमुख आशीष जैन उपस्थित थे। सीडीपीओ अनुपमा मिंज ने पतरातू प्रखंड में एनीमिया से निपटने के लिए जेएसपी फाउंडेशन के प्रयासों की सराहा की। अंत में मतदाता जागरूकता हेतु उपस्थित 18 वर्ष के ऊपर वाले सभी प्रतिभागियों में जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य निभाने और बिना किसी दबाव व प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही लोगों को घरों व आस-पड़ोस के लोगों को भी मतदान के लिए जागरूक करने में सक्रिय सहयोग करने की अपील की।

एक नजर में

विष्णुगढ़ के कार्यकताओं ने जायसवाल को दी बधाई

विष्णुगढ़। हजारीबाग लोकसभा में उपजे राजनीतिक हालात के मद्देनजर बुधवार देर शाम भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के संग बीपी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में मंडल अध्यक्ष किशोर कुमार मंडल की अध्यक्षता में बैठक की । भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने मंडल पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जायसवाल को जीत की अग्रिम बधाई देते हुए पूरे समर्पण भाव से पार्टी के प्रति संकल्पित होकर कार्य करते हुए भाजपा उम्मीदवार को भारी मतों से जिताने का संकल्प लिया। जायसवाल ने कुछ दिनों पूर्व मार्मिक दुर्घटना में बितन बरनवाल के छोटे पुत्र विजय कुमार की अतिथि सत्कार के पास दुर्घटना में आकस्मिक मौत हो गई थी। उनके परिजनों से मिलकर इस दुख की घड़ी में शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ढाढ़स बँधाया। मौके पर मुख्य रूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा,साँसद प्रतिनिधि मधुसूदन प्रसाद,साँसद प्रतिनिधि भुवनेश्वर पटेल, रवानी,बबलू सोनी,राकेश सोनी,गौतम वर्मा समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

टाटीझारिया में समीक्षा करने पहुंचे संयोजक

टाटीझरिया। मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल के कांग्रेस में शामिल होने के बाद टाटीझरिया भाजपा कार्यकर्ताओं से मिलने लोक सभा संयोजक टुन्नु गोप पहुंचे। उन्होंने स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकताओं संग विभिन्न राजनीतिक हलचल से संबंधित चचाएं किया। कार्यकताओं ने बताया कि जबसे वे पार्टी में आए,तब से पार्टी संगठन यहां कमजोर हो गया था। उन्होंने एकल पद मंडल अध्यक्ष का अपने साथ आए कार्यकर्ता सुरेंद्र प्रसाद यादव को बनवा दिया था।जिन्होंने संगठन के कार्यों को शिथिल कर दिया था।इनके आगमन के बाद पार्टी की बैठक भी नहीं हो पाई थी। संगठन द्वारा दिए गए कार्य को केवल कागज पर किया गया। इन बातों की चर्चा संयोजक के समक्ष रखी गई। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब फिर से दुगुने जोश के साथ संगठन के विस्तार में लग जाएं और मनीष जायसवाल को भरी मतों के अंतर से विजयी श्री का सेहरा पहनाएं।कार्यकताओं ने भी नेताओं को आश्वस्त किया कि वे भाजपा के प्रति सजगता के साथ कार्य करेंगे। मोदी जी की लहर है। उनके कार्यों के बदौलत फिर से सत्ता में वापसी होगी। बैठक में जिला से राणा राहुल प्रताप सिंह,जुगनू सिंह,टाटीझरिया संगठन से कैलासपति सिंह,परमेश्वर प्रसाद यादव, कौलेश्वर मिश्र,राजू यादव,एमके पाठक,किशोर साव,बजरंगी साव,होपन सिंह,बोधी महतो,राजेश यादव,सहदेव यादव, विजय पांडेय,अनिल प्रसाद, नारो साव अर्जुन राणा,रोहित पटेल समेत अन्य उपस्थित थे।

विहिप और बजरंग दल का होली मिलन

पदमा। विश्व हिन्दू परिषद् एवं बजरंग दल पदमा इकाई के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को पदमा प्रखण्ड अंतर्गत सरैया मैदान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम होली के शुभारंभ में सभी के मस्तक पर गुलाल लगाकर अभिनन्दन किया और होली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकताओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि होली परस्पर मेल-मिलाप तथा सौहार्द का त्यौहार है। असत्य का अंत और सच्चाई के साथ भ्रातत्व भावना का विकास ही होली का मुख्य सन्देश है। समारोह में गाना बजाना के साथ पारंपरिक होली गीत भी पेश किए गए। इस अवसर पर जिप सदस्य बसंत नारायण मेहता, सुरेंद्र गुप्ता, विहिप अध्यक्ष राजेश मेहता, मन्त्री ऋषिकेश मेहता, संरक्षक अयोध्या मेहता, पंकज मेहता, कुलदीप रविदास, सुरेंद्र कुमार, नितीश कुशवाहा, सुभास मेहता, रंजीत मेहता, दीपक कुमार, सिकंदर मेहता, निशांत सिंह, शांतनु कुमार, धीरज पाण्डेय, टिंकू मेहता, सुधीर कुमार, सोनू राणा, टीशु गुप्ता, आदि सैकड़ों कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

बहेरा में नुक्कड़ नाटक का मंचन

चरही।चुरचू प्रखंड के बहेरा में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जन जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान बहेरा पंचायत के सभी गांवों में किया गया।इसके द्वारा लोगों को मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, विवाह का सही उम्र, महावारी स्वास्थ्य, कुपोषण,जीवन रक्षक घोल, संस्थागत प्रशव, आदि विषयों पर इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जानकारी दिया गया। इस दौरान मुखिया संघ के अध्यक्ष सह बहेरा पंचायत मुखिया देवकी महतो और समाजसेवी मुंतज़िर अंसारी मौजूद थे।

एसबीआइ ने महिलाओं को दिया सिलाई मशीन

चरही। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया चुरचू में महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए 20 सिलाई मशीन का वितरण किया गया। वितरण करने के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रीजनल मैनेजर एन आनंद,एचआर मैनेजर अभिजीत कुमार,डिप्टी मैनेजर राजीव रंजन एवं ब्रांच मैनेजर श्याम सुंदर श्रीवास्तव उपस्थित थे। श्री आनंद ने कहा कि सिलाई मशीन से महिला घर बैठे अपने आमदनी कर स्वावलंबी बन सकती है।

रामगढ़ में खनन टास्क फोर्स की बैठक

रामगढ़। उपायुक्त चंदन कुमार ने पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार के साथ गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक की। उपायुक्त ने विगत कुछ समय में अवैध खनन पर रोक लगाने हेतु किए गए कार्यों की सराहना करते हुए और भी प्रभावी तरीके से अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा खनन टास्क फोर्स की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी ली गई। इस दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा अवैध मुहानों को बंद करने के तहत किए गए कार्यों की जानकारी लेने के क्रम में उपायुक्त ने कहीं से भी अवैध मुहानों से खनन होने संबंधित सूचना प्राप्त होने पर त्वरित रूप से उसे अच्छी तरह बंद कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक सुनिश्चित करने एवं अवैध मुहानों की अच्छी तरह से डोजरिंग करने को लेकर उपायुक्त ने सभी संबंधित परियोजनाओं के महाप्रबंधकों एवं एरिया सिक्योरिटी ऑफीसर्स को कार्यों पर विशेष ध्यान देने एवं अवैध मुहानों से किसी भी तरह का कोई भी खनन कार्य न होने देना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार को योजनाबद्ध तरीके से रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न रेलवे साइडिंग का निरीक्षण कर नियम अनुसार खनिजो का परिवहन सुनिश्चित करने सहित अन्य आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा अधिकारियों को जिले के अलग-अलग क्षेत्र में संचालित क्रेशर की जांच करने एवं बिना अनुमति अथवा अवैध तरीके से क्रेशर का संचालन करने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने एवं तत्काल रूप से अवैध क्रशरों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया। अवैध खनन अथवा परिवहन के विरुद्ध चलाए गए जांच अभियान के दौरान जब्त किए गए वाहनों एवं खनिज के विरुद्ध राज्यसात की कार्रवाई एवं नियम अनुसार नीलामी आदि के कार्रवाई को लेकर भी बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए।

जल... हमारी लापरवाही से लुप्त होने के कगार पर

प्रशांत झा

प्राणी जगत के लिए जल प्रकृति प्रदत्त एक अनमोल उपहार है। राम चरित मानस में जब गोस्वामी तुलसीदास कहते है कि क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा-पंच तत्व से बना शरीरा तो जल की महत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनुष्य सहित पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीव-जंतु एवं वनस्पति का अस्तित्व जल के बिना संभव नहीं है। यही नहीं, जल की अमूल्यता इस तथ्य से भी प्रमाणित होती है कि विश्व की सभी संस्कृतियों और सभ्यताओं का जन्म भी प्रमुख नदियों के किनारे ही हुआ था। जल की महत्ता का उल्लेख हमारे प्राचीन वांड्मय में अक्सर हुआ है जल एक प्राकृतिक एवं अमूल्य संसाधन है जो सजीव जगत की जीविका, खाद्य सुरक्षा और निरंतर विकास का आधार है। यह किसी भी राष्ट्र के आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक विकास एवं प्रगति का एक आधारभूत संकेतक भी है।

बढ़ती आबादी के दबाव, बड़े पैमाने पर शहरीकरण, बढती आर्थिक गतिविधियाँ, उपभोग की बदलती प्रवृत्तियाँ, रहन-सहन के स्तर में सुधार से स्वच्छ पेयजल की बढती माँग, जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश की घटती मात्रा, कृषि के लिए सिंचित क्षेत्र के विस्तार एवं जल की अधिकांश माँग करने वाली फसलों की पैदावार आदि से जल की माँग का दायरा बढा है` लेकिन धरती के तीन चौथाई हिस्से पर पानी भरा होने के बावजूद भी महासागरों का पानी खारा होने के कारण हमारे किसी काम का नहीं। धरती पर उपलब्ध पानी का मात्र 2.7 प्रतिशत हिस्सा ही मीठा है। मीठे पानी का लगभग 22.6 प्रतिशत पानी भूमिगत जल के रूप में है। 52 प्रतिशत झीलों और तालाबों में और 1 प्रतिशत नदियों में निहित है। इसलिए आज का विश्व जल संकट की समस्या से त्रस्त है। गोल्डमैन सैक्स ने एक बार पानी को अगली शताब्दी का पेट्रोलियम कहा था, जिसके लिए युद्ध भी हो सकते हैं। तीसरी दुनिया के देशों में यह संकट अधिक गंभीर हैं। भारत के कई राज्य जल संकट की त्रासदी भोग रहे हैं। कावेरी से लेकर रावी, व्यास, कृष्णा और कई अन्य नदियों के पानी पर अधिकार को लेकर अनेकों बार हिसात्मक टकराव हो चुके है। यह विडम्बना है कि सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणी देश होने के बावजूद भारत सभी के लिए जल की व्यवस्था करने में काफी पीछे है। प्राचीन काल से पेय जल के लिए इस्तेमाल होते आ रहे सतही और भूजल जैसे परम्परागत स्रोत सूखते और प्रदूषित होते जा रहे है जबकि आज भी देश में कई बीमारियों का एकमात्र कारण प्रदूषित जल है। संकट की गम्भीरता का सबसे अधिक असर कृषि और पेयजल की उपलब्धता पर होता है` देश में उपलब्ध पानी का 80 प्रतिशत खेती में इस्तेमाल होता है जबकि उद्योग इस पानी का 10 प्रतिशत से भी कम इस्तेमाल करते हैं किन्तु पानी को प्रदूषित करने में उद्योगों का रवैया सबसे अधिक असंवेदनशील है` एक ओर कृषि उत्पादकता में कमी की स्थिति में न केवल किसानों की आजीविका बुरी तरह प्रभावित होती है, बल्कि देश को अनाज के लिए अन्य देशों से आयात पर निर्भर होना पड़ता है, महंगाई में वृद्धि, आय की विषमता में भी वृद्धि होती है।

लेकिन जल का मौजूदा संकट सिर्फ बारिश की कमी और मांग के बढने की वजह से ही नहीं है, बल्कि समुचित जल प्रबंधन की कमी की सबसे बड़ी भूमिका है। दूसरे शब्दों में संकट का मुख्य कारण भारत में जल के उपयोग की क्षमता का काफी कम होना हैं । भारत में वर्षा से प्रतिवर्ष औसतन 4,000 अरब घन मीटर जल प्राप्त होता है। लेकिन भंडारण प्रक्रिया की कमी, पर्याप्त बुनियादी ढांचे की कमी, अनुचित जल प्रबंधन के कारण वास्तव में केवल 18-20प्रतिशत जल का ही समुचित उपयोग किया जाता है जबकि कुल वर्षा जल के 5 प्रतिशत से भी कम जल का संरक्षण कर पाते हैं। शेष जल बहकर बर्बाद हो जाता है। जलप्रबंधन के लिए अब तक कोई क्रांतिकारी प्रयास नहीं किए जाने की मुख्य वजह यह रही है कि खनिज संसाधनों की तरह जल के उपयोग और योगदान को सकल घरेलू उत्पाद में जोड़ा नहीं जाता है।

जल प्रबंधन का सरल सिद्धांत यह है कि पानी जहां गिरता है, उसे आगे बढ़ने से रोकना है। धरती पर गिरने वाले वर्षा जल की प्रत्येक बूंद को रोका जा सकता है। लेकिन जल निकायों को रिचार्ज करने में असफलता और अनियंत्रित शहरीकरण से जहां जल खपत में अनियंत्रित वृद्धि हुई है और उत्सर्जित जल के परिवहन, शोधन एवं निस्तारण करने वाले ढांचें की अपर्याप्तता से संकट विकराल होता गया है, वहीं पारम्परिक जल संग्रहण संरचनाओं की उपेक्षा एवं उनकी जलग्रहण क्षमता में कमी के कारण भी हमारी जल-प्रबंधन की प्रक्रिया बाधित हुई है यही नहीं, असमान बंटवारे और पानी के अवैध इस्तेमाल ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। मानसून के दौरान दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े नगर हर साल भारी जल जमाव से थम जाते है, लेकिन अभी तक उस पानी को संगृहीत एवं शोधन करके उपयोग में लाने का आधारभूत ढांचा विकसित नहीं हो पाया है। भारत में जल की अधिक मांग वाली फसलों-धान, गेहूं, गन्ना और कपास- की खेती, नहरों से जल आपूर्ति की अनियमितता के साथ-साथ ही जलस्रोतों पर माफियाओं के कब्जे में है।

(ब्रदर्स एकेडमी रांची)

बिन पानी सब सून

समय आ गया है जब हम वर्षा का पानी अधिक से अधिक बचाने की कोशिश करें। बारिश की एक-एक बूंद कीमती है। इन्हें सहेजना बहुत ही आवश्यक है। यदि अभी पानी नहीं सहेजा गया, तो संभव है पानी केवल हमारी आँखों में ही बच पाएगा। पहले कहा गया था कि हमारा देश वह देश है जिसकी गोदी में हजारों नदियां खेलती थी, आज वे नदियां हजारों में से केवल सैकड़ों में ही बची हैं। कहां गई वे नदियां, कोई नहीं बता सकता। नदियों की बात छोड़ दो, हमारे गांव -मोहल्लों से तालाब आज गायब हो गए हैं, इनके रख-रखाव और संरक्षण के विषय में बहुत कम कार्य किया गया है। पानी का महत्व भारत के लिए कितना है यह हम इसी बात से जान सकते हैं कि हमारी भाषा में पानी के कितने अधिक मुहावरे हैं। आज पानी की स्थिति देखकर हमारे चेहरों का पानी तो उतर ही गया है, मरने के लिए भी अब चुल्लू भर पानी भी नहीं बचा, अब तो शर्म से चेहरा भी पानी-पानी नहीं होता, हमने बहुतों को पानी पिलाया, पर अब पानी हमें रुलाएगा, यह तय है। सोचो तो वह रोना कैसा होगा, जब हमारी आंखों में ही पानी नहीं रहेगा? वह दिन दूर नहीं, जब सारा पानी हमारी आंखों के सामने से बह जाएगा और हम कुछ नहीं कर पाएंगे। लेकिन कहा है ना कि आस का दामन कभी नहीं छूटना चाहिए तो ईश्वर से यही कामना है कि वह दिन कभी न आए जब इंसान को पानी की कमी हो। लेकिन कहा है ना कि आस का दामन कभी नहीं छूटना चाहिए तो ईश्वर से यही कामना है कि वह दिन कभी न आए जब इंसान को पानी की कमी हो। तमिलनाडु ने जल संरक्षण के क्षेत्र में अच्छा काम किया है।

जल दिवस का प्रारम्भ

'विश्व जल दिवस' मनाने की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1992 के अपने अधिवेशन में 22 मार्च को की थी। 'विश्व जल दिवस' की अंतरराष्ट्रीय पहल 'रियो डि जेनेरियो' में 1992 में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी, जिस पर सर्वप्रथम 1993 को पहली बार 22 मार्च के दिन पूरे विश्व में 'जल दिवस' के मौके पर जल के संरक्षण और रख-रखाव पर जागरुकता फैलाने का कार्य किया गया।

विश्व जल दिवस

मनोज कुमार सिन्हा

रियो डि जेनेरियो में 1992 में आयोजित पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन विश्व जल दिवस की पहल में की गई। 22 मार्च याने विश्व जल दिवस। पानी बचाने के संकल्प का दिन। पानी के महत्व को जानने का दिन और पानी के संरक्षण के विषय में समय रहते सचेत होने का दिन। आँकड़े बताते हैं कि विश्व के 1.5 अरब लोगों को पीने का शुद्ध पानी नही मिल रहा है। प्रकृति जीवनदायी संपदा जल हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है, हम भी इस चक्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। चक्र को गतिमान रखना हमारी जम्मिदारी है, चक्र के थमने का अर्थ है, हमारे जीवन का थम जाना। प्रकृति के खज़ाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अत प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गँवाएँ यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवशयक है।

चौकाने वाले तथ्य

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरूकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले खतरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं।

-मुंबई में रोज. वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है।

-दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज. 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।

- इजराइल में औसतन मात्र 10 सेंटी मीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटी मीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।

- पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं।

- भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है।

-पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

- हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ. के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वाँ हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वाँ हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ़-सफाई में खर्च करते हैं।

- यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पाँच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बरबाद होता है।

- बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है।

- विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।

- प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।

- नदियाँ पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहाँ एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं वहीं कल कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।

- पृथ्वी पर पैदा होने वाली सभी वनस्पतियाँ से हमें पानी मिलता है।

-आलू में और अनन्नास में 80 प्रतिशत और टमाटर में 15 प्रतिशत पानी है।

- पीने के लिए मानव को प्रतिदिन ३ लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए।

- 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है, एक किलो गेहूँ उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवशयकता होती है।

इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिचाई के लिए उपयोग किया जाता है। कृषि में जल की अधिकाधिक खपत है।

क्या जल विहिन होना हमारी नियति है?

एनके मुरलीधर

आज विश्व जल दिवस है। इस अवसर पर यह देखना महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि दुनिया जल दिवस तो मना रही है, पर क्या उसके उपयोग को लेकर वह संजीदा, संयमित व सचेत है या नहीं? आज जिस तरह से अनवरत भू-जल का दोहन किया जा रहा है, उससे साल-दर-साल भू-जल स्तर गिरता जा रहा है। पिछले एक दशक के भीतर भू-जल स्तर में आई गिरावट को अगर आंकड़े के जरिये समझने का प्रयास करें तो अब से दस वर्ष पहले तक जहां तीस मीटर की खुदाई पर पानी मिल जाता था, वहां अब पानी के लिए साठ से सत्तर मीटर तक खुदाई करनी पड़ती है। साफ है कि बीते दस सालों में दुनिया का भू-जल स्तर बड़ी तेजी से घटा है और अब भी बदस्तूर घट रहा है, जो कि बड़ी चिंता का विषय है। अगर केवल भारत की बात करें तो इस संबंध में सरकार की एक जल नीति की यह रिपोर्ट उल्लेखनीय होगी जिसके अनुसार, देश में प्रतिव्यक्ति सालाना जल उपलब्धता 1947 के 6042 घन मीटर से चौहत्तर फीसद घट कर 2011 में 1545 घन मीटर रह गई है। भूजल का स्तर गिरते-गिरते नौ राज्यों में खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे राज्यों में नब्बे फीसद भूजल का दोहन हो चुका है और उनके पुनर्भरण में काफी गिरावट आई है।

भारत में घटते भू-जल की स्थिति को एक उदाहरण के जरिये और बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करें तो पानी से लबालब रहने वाली नर्मदा, घाघरा और बारना जैसी नदियों के बीच बसे बरेली जैसे नगर में भी भू-जल स्तर घटने की खबर कुछ समय पहले सामने आई। स्थिति यह है कि बरेली क्षेत्र के कुछ इलाकों में भू-जल स्तर गिर कर अड़तीस मीटर तक पहुंच गया है, इसलिए घरेलू बोरिंग में भी अक्सर पानी की समस्या आ रही है। प्रतिबंध के बाद भी ट्यूबेलों के लिए खुदाई हो रही है, जो भू-जल स्तर गिरने में एक बड़ी वजह है। भारतीय केंद्रीय जल आयोग द्वारा 2014 में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश के अधिकांश बड़े जलाशयों का जल-स्तर वर्ष 2013 के मुकाबले घटता हुआ पाया गया था। आयोग के अनुसार देश के बारह राज्यों- हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, त्रिपुरा, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु- के जलाशयों के जल-स्तर में काफी गिरावट पाई गई थी। आयोग की तरफ से यह भी बताया गया कि 2013 में इन राज्यों का जल-स्तर जितना अंकित किया गया था, वह तब ही काफी कम था। लेकिन 2014 में वह गिर कर तब से भी कम हो गया। 2015 में भी लगभग यही स्थिति रही।

गौरतलब है कि केंद्रीय जल आयोग (सीडब्लूसी) देश के पचासी प्रमुख जलाशयों की देखरेख व भंडारण क्षमता की निगरानी करता है। संभवतः इन स्थितियों के मद्देनजर ही अभी हाल में जारी जल क्षेत्र में प्रमुख परामर्शदाता कंपनी ईए की एक अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत 2025 तक जल संकट वाला देश बन जाएगा। इस अध्ययन में कहा गया है कि परिवार की आय बढ़ने और सेवा व उद्योग क्षेत्र से योगदान बढ़ने के कारण घरेलू और औद्योगिक क्षेत्रों में पानी की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। देश की सिंचाई का करीब सत्तर फीसद और घरेलू जल खपत का अस्सी फीसद हिस्सा भूमिगत जल से पूरा होता है, जिसका स्तर तेजी से घट रहा है। हालांकि घटते जल-स्तर को लेकर जब-तब देश में पर्यावरणविदों द्वारा चिंता जताई जाती रही है, लेकिन जल-स्तर को संतुलित रखने के लिए सरकारी स्तर पर कभी कोई ठोस प्रयास किया गया हो, ऐसा नहीं दिखता।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर भू-जल स्तर के इस तरह निरंतर गिरते जाने का मुख्य कारण क्या है? अगर इस सवाल की तह में जाते हुए हम घटते भू-जल स्तर के कारणों को समझने का प्रयास करें तो तमाम बातें सामने आती हैं। घटते भू-जल के लिए सबसे प्रमुख कारण तो उसका अनियंत्रित और अनवरत दोहन ही है। आज दुनिया अपनी जल-जरूरतों की पूर्ति के लिए सबसे ज्यादा भू-जल पर ही निर्भर है। लिहाजा, एक तरफ भू-जल का अनवरत दोहन हो रहा है तो वहीं दूसरी तरफ औद्योगीकरण के अंधोत्साह में हो रहे प्राकृतिक विनाश।

पृथ्वी के अंदर का जल समाप्त हो रहा है

नागेन्द्र सिंह

सीधे शब्दों में कहें तो धरती जितना जल दे रही है, उसे उसके अनुपात में बेहद कम जल मिल रहा है। बस यही वह प्रमुख कारण है जिससे कि दुनिया का भू-जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। दुखद और चिंताजनक बात यह है कि कम हो रहे भू-जल की इस विकट समस्या से निपटने के लिए अब तक वैश्विक स्तर पर कोई ठोस पहल होती नहीं दिख रही है। यह एक कटु सत्य है कि अगर दुनिया का भू-जल स्तर इसी तरह से गिरता रहा तो आने वाले समय में लोगों को पीने के लिए भी पानी मिलना मुश्किल हो जाएगा।

विश्व बैंक के एक आंकड़े पर गौर करें। उसमें कहा गया है कि भारत में ताजा जल की सालाना उपलब्धता 761 अरब घन मीटर है, जो किसी भी देश से अधिक है। लेकिन बावजूद इसके अगर देश में चारों तरफ पानी की किल्लत महसूस की जा रही है तो इसका प्रमुख कारण यह है कि इस उपलब्ध जल में से आधा से अधिक उद्योग, अवजल जैसे कारणों से प्रदूषित हो चुका है और उसके फलस्वरूप डायरिया, टायफाइड तथा पीलिया जैसे रोगों का प्रसार बढ़ रहा है।

हालांकि ऐसा कतई नहीं है कि कम हो रहे पानी की इस समस्या का हमारे पास कोई समाधान नहीं है या इस दिशा में सरकार द्वारा कुछ किया नहीं जा रहा। घटते भू-जल की समस्या के मद्देनजर विगत दिनों वित्तमंत्री अरुण जेटली ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सरकार भूजल प्रबंधन पर छह हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। इस समस्या से निपटने के लिए सबसे बेहतर समाधान तो यही है कि बारिश के पानी का समुचित संग्रहण किया जाए और उसी पानी के जरिये अपनी अधिकाधिक जल जरूरतों की पूर्ति की जाए। बरसात के पानी के संरक्षण के लिए उसके संरक्षण माध्यमों को विकसित करने की जरूरत है, जो कि सरकार के साथ-साथ प्रत्येक जागरूक व्यक्ति का भी दायित्व है।

अभी स्थिति यह है कि समुचित संरक्षण माध्यमों के अभाव में वर्षा का बहुत ज्यादा जल, जो लोगों की तमाम जल जरूरतों को पूरा करने में काम आ सकता है, खराब और बर्बाद हो जाता है। अगर प्रत्येक घर की छत पर वर्षा जल के संचयन के लिए एक-दो टंकियां लग जाएं व घर के आसपास कुएं आदि की व्यवस्था हो जाए, तो वर्षा जल का समुचित संरक्षण हो सकेगा, जिससे जल-जरूरतों की पूर्ति के लिए भू-जल पर

लोगों की निर्भरता भी कम हो जाएगी। परिणामतः भू-जल का स्तरीय संतुलन कायम रह सकेगा।

जल संरक्षण की व्यवस्थाएं हमारे परंपरागत समाज में थीं, जिनके प्रमाण उस समय के निर्माण के ध्वंसावशेषों में मिलते हैं। पर विडंबना यह है कि इस आधुनिक समय में हम उन व्यवस्थाओं को लेकर बहुत गंभीर नहीं हैं। बहरहाल, जल संरक्षण की इन व्यवस्थाओं के अलावा अपने दैनिक कार्यों में सजगता और समझदारी से पानी का उपयोग करके भी जल संरक्षण किया जा सकता है। जैसे, घर का नल खुला न छोड़ना, साफ-सफाई आदि कार्यों के लिए खारे जल का उपयोग करना, नहाने के लिए उपकरणों के बजाय साधारण बाल्टी आदि का इस्तेमाल करना आदि तमाम ऐसे सरल उपाय हैं, जिन्हें अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन काफी पानी की बचत कर सकता है।

कुल मिलाकर कहने का अर्थ यह है कि जल संरक्षण के लिए लोगों को सबसे पहले जल के प्रति अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। जल को खेल-खिलवाड़ की अगंभीर दृष्टि से देखने के बजाय अपनी जरूरत की एक सीमित वस्तु के रूप में देखना होगा। हालांकि ये चीजें तभी होंगी जब जल की समस्या के प्रति लोगों में आवशयक जागरूकता आएगी और यह दायित्व दुनिया के उन तमाम देशों- जहां भू-जल स्तर गिर रहा है- की सरकारों समेत संपूर्ण विश्व समुदाय का है। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि जल समस्या को लेकर दुनिया में बिलकुल भी जागरूकता अभियान नहीं चलाए जा रहे। बेशक टीवी, रेडियो आदि माध्यमों से इस दिशा में कुछेक प्रयास जरूर हो रहे हैं, लेकिन गंभीरता के अभाव में वे प्रयास कोई बहुत कारगर सिद्ध होते नहीं दिख रहे।

लिहाजा, आज जरूरत इस बात की है कि पानी की समस्या को लेकर गंभीर होते हुए न सिर्फ राष्ट्र स्तर पर बल्कि विश्व-स्तर पर भी एक ठोस योजना के तहत घटते भू-जल की समस्या की भयावहता व जल संरक्षण के उपायों के बारे में बताते हुए एक जागरूकता अभियान चलाया जाए, जिससे जल समस्या की तरफ लोगों का ध्यान आर्कषित हो और वे इस समस्या को समझते हुए सजग हो सकें। यह एक ऐसी समस्या है जो किसी कायदे-कानून से नहीं, बल्कि लोगों में व्यापक जागरूकता से ही हल हो सकती है। लोग जितना जल्दी जल संरक्षण के प्रति जागरूक होंगे, घटते भू-जल की समस्या से दुनिया को उतनी ही जल्दी राहत मिल सकेगी।

स्पीड न्यूज

झारखंड आंदोलनकारी घोषित किये गये आलोक वाजपेयी

जमशेदपुर। आजसू के पूर्व क्रांतिकारी एवं वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के नेता आलोक वाजपेई का नाम झारखंड सरकार के द्वारा झारखंड आंदोलनकारी घोषित किया गया । 27. फरवरी 2024 को झारखंड सरकार द्वारा अधिसूचना जारी किए गए सूची में आलोक बाजपेई का नाम शामिल है। आलोक बाजपेई विद्यार्थी जीवन में ही सूर्य सिंह बेसरा जी के नेतृत्व में आजसू में शामिल हुए थे। इन्होंने झारखंड आंदोलनकारी के रूप में एक आम भूमिका निभाने का काम किया था। भारत के पूर्व स्वर्गीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को भी काला झंडा दिखाने में अपने मित्रों के साथ शामिल थे। झारखंड आंदोलन के दौरान इनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। झारखंड अलग राज्य की मांग को लेकर कई बार झारखंड बंद सफल कराने में मुख्य भूमिका निभाने का काम किया और दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना , जैक का विरोध किया था। सूर्य सिंह बेसरा का विधायक पद से इस्तीफा देने के वक्त भी आलोक बाजपेई साथ थे।

गणिनाथ सेवा संस्थान के विवाह वेबसाइट की लांचिंग आज

जमशेदपुर। गणिनाथ सेवा संस्थान मध्य देशीय वैश्य द्वारा संचालित हलवाई समाज की एक संस्था है जो पिछले 50 वर्षों से अपने कुल देवता श्रीगणिनाथ गोविंद जी महाराज के आदर्शों एवं मूल्य पर कार्यरत है। संस्था 22 मार्च संध्या 6:00 बजे समाज के विवाह योग्य बर-वधू की तलाश को सुव्यवस्थित दिशा प्रदान करने हेतु वेबसाइट गणिनाथ विवाहडॉटकॉम का लॉन्चिंग करने जा रही हौ वेबसाइट की लॉन्चिंग संरक्षक राजकुमार गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ संरक्षकों के द्वारा की जाएगी। साथ ही इसकी उपयोगिता एवं उसे संचालित करने की विधि का विवरण समाज के लोगों के बीच स्क्रीन पर प्रदर्शित की जाएगी। इस अवसर पर राकेश एवं ग्रुप द्वारा होली गीत एवं भजन की प्रस्तुति भी होगी।

यूसील कर्मी संग्राम सिंह की ट्रेन से कट कर मौत

जादूगोड़ा। आर्थिक बोझ व मानसिक तनाव से जूझ रहे यूसील कर्मी संग्राम सिंह (52) ने गुरुवार को अंत में मौत को गले लगा लिया। उन्होंने सुबह 09:15 बजे टाटा-खड़गपुर खंड पर स्थित राखा माइंस रेलवे ट्रेन के समक्ष ट्रेन से कट कर कर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। मृतक यूसीलकर्मी संग्राम सिंह (52) कंपनी की महुलडीह यूरेनियम प्रोजेक्ट में एसटी एमटी चालक था। उनके पिता नायक सिंह भी कंपनी से सेवानिवृत कर्मचारी रहे है। घटना के बाबत बताया जाता है की संग्राम सिंह आर्थिक बोझ के तले दबा हुआ था जिसकी वजह से अक्सर मानसिक रूप से परेशान रहता था जिससे तंग आकर आज सुबह 9.15 मिनट पर टाटा से खड़गपुर जा रही लोकल ट्रेन जैसे ही लिपि घुटू गांव (राखा माइंस रेलवे) के समक्ष पहुंची दौड़ कर घूस गया। इस हादसे में उसकी शव क्षत-विक्षत हो गया व घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। शव की पहचान उसकी पत्नी ने की।

स्वदेशी मेला 2024 का समापन आज

जमशेदपुर। गोपाल मैदान में चल रहे स्वदेशी मेले को लोगों की मांग पर एक दिन बढ़ा दिया गया है। यानी मेले का समापन 22 मार्च शुक्रवार को होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अन्नदा शंकर पाणिग्रही जी ने स्वदेशी विकास यात्रा एवं स्वावलंबी भारत अभियान के बारे में लोगो को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भारत के युवा अब जाग राहे हैं। भारत मे स्टार्टअप्स का निरंतर बढ़ना इस बात को दशार्ता है कि युवाओं का झुकाव अब स्वरोजगार के प्रति ज्यादा है। वे नौकरी लेने वाला ना बन कर नौकरी देने वाला बनना चाहते हैं। मेले में आज शाम भारत माता की आरती का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

कल सुबह 9.30 बजे एग्रिको मैदान से निकलेगी नौवीं अखंड तिरंगा यात्रा

■ देशभक्ति की अलख जगाने वाली शहीद सम्मान यात्रा में शामिल होने की अपील

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर में शहीदों के सम्मान में निकाली जाने वाली यह यात्रा देश की भव्यतम यात्राओं में से एक शहीद सम्मान यात्रा सह अखंड तिरंगा यात्रा इस साल पुनः 23 मार्च को नौवें वर्ष में प्रवेश करते हुए पूरे उत्साह और जोश के साथ निकाली जा रही है। यह यात्रा दिन में 9.55 बजे एग्रीको ट्रांसपोर्ट मैदान से निकलेगी जो हर वर्ष की तरह एग्रीको गोलचककर, भालूबासा, साकची, वसंत सिनेमा, कालीमाटी रोड से आर डी टाटा चौक होते हुए पुलिस लाइन में भी अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वापस एग्रीको मैदान में आकर समाप्त होगी।

यात्रा के दौरान करीब सात किमी की पैदल दूरी ढाई घंटे में तय की जायेगी। सबसे आगे-आगे भारत माता का रथ चलेगा। यात्रा में शामिल लोग अपने-अपने हाथ में तिरंगा लेकर चलेंगे। अंतिम छोर पर चिकित्सा टीम युक्त एम्बूलेंस रहेगी। यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया जायेगा बल्कि यात्रा में शामिल लोगों को जगह-जगह शीतल पेय आदि की व्यवस्था रहेगी। यात्रा में शामिल लोगों को किसी भी राजनीतिक दल का झंडा लेकर चलने की इजाजत नहीं होगी और लोग दो ही नारा लगायेंगे, भारत माता की जय... वंदे मातरम... भारत माता की जय.... बंदे मातरम्।

एकता, अखंडता, भाईचारा व राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है यह तिरंगा यात्रा : काले

अखंड तिरंगा यात्रा की जानकारी देते नमन के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले। साथ में बैठे हैं बायें इंटक के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय व बीबी सिंह।

काले ने बताया कि सन 2016 में देश में भारत तेरे टुकड़े होंगे हजार जैसी विध्वंसक नारेबाजी हुई थी। इसके प्रतिकार में इस संस्था का गठन हुआ और सर्वप्रथम उसे वर्ष 2016 में हमने जमशेदपुर से अखंड तिरंगा सह शहीद सम्मान यात्रा निकाली जो ऐतिहासिक रही। तब से हर वर्ष 23 मार्च को शहीद ए आजम भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव जी के शहादत दिवस पर इस यात्रा को निकालने की परंपरा बन गयी है। 23 मार्च 2024 को लगातार 9वें वर्ष हमारी संस्था ने यह यात्रा निकालने की तैयारी की है जिसमें आपका सदैव की तरह पूर्ण समर्थन, सहभागिता, सहयोग व आशीर्वाद की अपेक्षा है। यह यात्रा अत्यंत ही अनुशासित ढंग से निकाली जाती है जिसमें जमशेदपुर और आसपास के देशभक्त युवा, मातृशक्ति, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्य सहित हजारों आम और खास लोग तथा विभिन्न सामाजिक प्रतिनिधि बड़े उत्साह से शामिल होते हैं। काले ने यात्रा का विवरण देते हुए बताया कि इस यात्रा का नेतृत्व मां भारती का रथ करता है। यह यात्रा एग्रीको ट्रांसपोर्ट मैदान से प्रातः 9:55 में प्रारंभ होती है। पूर्व में एक संक्षिप्त सभा में पूर्व सैनिक परिवारों सहित शहीद परिवारों का सम्मान किया जाता है। इसका शहर में कई स्थानों पर स्वागत भी किया जाता है। साथ ही यात्रा में शामिल देशभक्तों का भी स्वागत किया जाता है। इस दौरान पुलिस लाइन में ठहरकर शहीद स्थल पर भी श्रद्धांजलि दी जाती है। काले ने शहर की मातृशक्ति, नौजवानों, सामाजिक संस्थाओं, धार्मिक संस्थाओं, सभी वरिष्ठजनों व बुद्धजीवियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में इस यात्रा में सपरिवार शामिल होकर इसके भव्यता व गरिमा को बरकरार रखने में अपनी महती भूमिका अदा करें। संवाददाता सम्मेलन में नमन के संरक्षक राकेश्वर पांडेय, जुगनु पांडेय, बंटी सिंह, डीडी त्रिपाठी, बीबी सिंह, वरुण कुमार, मंटु भाई, राघवेंद्र कुमार, जेपी राय, राजेश पांडेय, जसवंत सिंह भूमा आदि उपस्थित थे।

उक्त जानकारी सामाजिक संस्था नमन के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले ने एक संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, नमन शहीदों के सपनों को राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रध्वज के सम्मान एवं स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों के गौरव को जीवंत बनाए रखने के लिए समर्पित संस्था है। इस मंच के माध्यम से हम समाज में प्रेम, भाईचारा और सौहार्द कायम रखने का हर संभव प्रयास करते हैं। यह संस्था गैर राजनीतिक और गैर सांप्रदायिक भावना से प्रेरित होकर गठित की गयी है जिसमें समाज के हर तबके और हर धर्म एवं समाज के गणमान्य, चिकित्सक व्यवसायी, पत्रकार शामिल हैं।

कल एक्सएलआरआई में सम्मानित किये जायेंगे टाटा संस के चेयरमैन

■ एन चंद्रशेखरन को मिलेगा सर जहांगीर घांदी मेडल
■ इंडस्ट्रियल व सोशल पीस के लिए मिलेगा सम्मान

विशेष संवाददाता

जमशेदपुर। एक्सएलआरआइ का 68वां दीक्षांत समारोह 23 मार्च 2024 को आयोजित होगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन शामिल होंगे। वे एक्सएलआरआइ से पासआउट होने वाले कुल 552 विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। इस मौके पर उन्हें एक्सएलआरआइ की ओर से वर्ष 2023 का प्रतिष्ठित सर जहांगीर घांदी मेडल फॉर इंडस्ट्रियल एंड सोशल पीस से सम्मानित किया जायेगा।

दीक्षांत समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिया जायेगा। इस दौरान टाटा स्टील इंडिया एंड साउथ इस्ट एशिया के एमडी सह एक्सएलआरआइ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स टीवी नरेंद्रन, एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज एसजे, एक्सएलआरआइ के डीन एकेडमिक्स प्रो डॉ संजय पात्रो समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं व विद्यार्थी रहेंगे। पहली बार एक्सएलआरआइ का दीक्षांत समारोह टाटा ऑडिटोरियम के बजाय फुटबॉल ग्राउंड में हो रहा है। संस्थान के 75 वर्ष पूरे होने पर खास तौर पर तैयारियां की गयी है।

इतने विद्यार्थियों को किया जायेगा पुरस्कृत

- बिजनेस मैनेजमेंट : 209
- ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट- 176
- 15 माह के पीजीडीएम (जीएम) प्रोग्राम : 113
- फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) : 14
- पीजीडीएम (इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर क्रिएशन) : 40

क्या है सर जहांगीर घांदी मेडल

एन चंद्रशेखरण।

एक्सएलआरआइ बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के पूर्व चेयरमैन सर जहांगीर घांदी के सम्मान में संस्थान की ओर से 1966 में सर जहांगीर घांदी मेडल फॉर इंडस्ट्रियल एंड सोशल पीस की शुरुआत की गयी। यह सम्मान उन हस्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने संस्थान के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया हो, साथ ही राष्ट्र के विकास में भी प्रभाव छोड़ा हो। देश के औद्योगिक व सामाजिक शांति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य को पहचान दिलाने के उद्देश्य से यह सम्मान एक्सएलआरआइ के कन्वोकेशन में प्रदान किया जाता है।

पद्मश्री अनु आगा से लेकर अरुंधति भट्टाचार्या को मिल चुका है अवार्ड : पिछले साल यह अवार्ड एमएफसीजी कंपनी मैरिको के चेयरमैन हर्ष मारीवाला को दिया गया था. वहीं 2022 में अपोलो हॉस्पिटल्स इंटरप्राइजेज लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन डॉ प्रीथा रेड्डी को दिया गया था जबकि वर्ष 2021 में बाटा कॉरपोरेशन के ग्लोबल सीइओ संदीप कटारिया को यह पुरस्कार दिया गया था। वर्ष 2020 में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के एमडी सह चेयरमैन संजीव मेहता को, 2019 में थर्मेक्स लिमिटेड की पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री अनु आगा को, वर्ष 2018 में यह अवार्ड मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन के चेयरमैन टीवी मोहनदास पाई को मिला था।

कौन हैं चंद्रशेखरन

11 फरवरी 2022 को एन चंद्रशेखरन को टाटा संस का चेयरमैन नियुक्त किया गया। टाटा समूह के साथ चंद्रशेखरन का साथ तीन दशक पुराना है। उन्होंने 1987 में टाटा के लिए काम करना शुरू किया था। नटराजन चंद्रशेखरन यानी एन चंद्रशेखरन का जन्म 1963 में तमिलनाडु में नमक्कल के निकट मोहानुर में एक तमिल परिवार में हुआ था। वे एक किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। एन चंद्रशेखरन की नेतृत्व शैली ना सिर्फ टाटा ग्रुप बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल बनी है।

फूहड़ गाने बजाने वालों की खैर नहीं ड्रिंक एंड ड्राइव पर होगी कड़ी कार्रवाई

■ डीसी और एसएसपी ने होली को लेकर की केन्द्रीय शांति समिति के साथ बैठक
■ आपसी भाईचारा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनायें त्यौहार : अनन्य मित्तल
■ होली के दिन संवेदनशील स्थानों पर रहेगी विशेष चौकसी : किशोर कौशल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के मद्देनजर सिदगोड़ा टाउन हॉल में केन्द्रीय शांति समिति के साथ बैठक की गई। जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने शांति समिति सदस्यों से क्रमवार उनकी क्षेत्र की समस्याओं को सुना, साथ ही विधि व्यवस्था संधारण के लिए क्या बेहतर कदम उठाए जा सकते हैं इसपर सदस्यों के सुझावों पर अमल को लेकर आश्वस्त किया। सिटी एसपी श्री मुकेश लुणायत, रूरल एसपी श्री ऋषभ गर्ग, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री अनन्त कुमार, सिविल सर्जन डॉ जुझार मांझी समेत जिला प्रशासन के अन्य वरीय पदाधिकारी, एसडीओ, बीडीओ, सीओ, एसडीपीओ, डीएसपी, थाना प्रभारी तथा बड़ी संख्या ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के केन्द्रीय शांति समिति के सदस्य बैठक में उपस्थित थे ।

बैठक को संबोधित करते डीसी अनन्य मित्तल।

डीसी अनन्य मित्तल ने कहा कि जिले में सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था संधारण की चुस्त-दुरूस्त व्यवस्था रहेगी । खुशियों के इस त्यौहार को सभी जिलेवासी हर्षल्लास से एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए आपसी सौहार्द्र एवं भाईचारा के वातावरण में मनायें।

तिलक लगाकर होली खेलें : जल पुरुष सुबोध झा

जमशेदपुर। बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष सुबोध झा ने सभी जनता जनार्दन और सरकार से आग्रह किया है कि इस बार तिलक की होली खेलें। जल ही जीवन है जल को बर्बाद होने से बचाये, जनता जनार्दन और सरकार से आग्रह करते हैं कि अधिक से अधिक वाटर हार्वेस्टिंग करके जल संरक्षण करने और करने का संकल्प लें। जनता जनार्दन से आग्रह किया होली के दिन पानी को बर्बाद ना करें तिलक होली खेलकर धूमधाम से पर्व को मनायें और पानी को बचायें।

एक नजर में

जेपी स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

जमशेदपुर। संकोसाई डिमना रोड मानगो स्थित जय प्रकाश स्कूल का वार्षिक खेल कूद 18 मार्च 2024 से सुरु हुआ था जिसमें जेपी स्कूल और जेपी इंग्लिश स्कूल के चार चार टीम गठित किया गया था। इसमें लड़कों के लिए क्रिकेट, फुटबॉल और लड़कियों के लिए बैडमिंटल और बालीबाल खेल का आयोजन किया गया था जिसमे समापन आज दिनांक 21-3-24 दिन शुक्रवार को हुआ । विगत चार दिनों से लगातार खेल कूद का आयोजन के आज अन्तिम दिन क्रिकेट का फाइनल मुकाबले में महाकाल और डार्क सीनियर बोयेस के बीच खेला गया। जिसमे डार्क सिनियॉर बोयेस ने 29 रन से मैच जीत गया। दूसरी तरफ फुटवाल के फायनल मुकाबला भी खेला गया। साथ में लड़कियों टाइम में तितली टीम बैडमिंटन में जीत हासिल किया। मौके पर खिलाड़ियों का प्रोत्साहन बढाने के लिए देवघर पंचायत के मुखिया शशि भूषण, बीजेपी पार्टी से बिजय तिवारी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। मौके पर मौजूद स्कूल के सभी टीचर्स एम बच्चे अभिभावकगण मौजूद रहे।

बागबेड़ा थाना परिवार के साथ मनायी होली

जमशेदपुर। होली पर्व को देखते हुए आज बागबेडा थाना परिसर में बागबेडा थाना प्रभारी एवं बागबेड़ा के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों के साथ रूबरू कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने किया। इस मौके पर सर्वप्रथम एक दूसरे को परिचय देते हुए, एक दूसरे के गालों पर रंग गुलाल खेलकर, एवं रंगों का टिका कर होली भी मनाई गई। इस दौरान होली पर्व को मध्य नजर रखते हुए विधि व्यवस्था को शांति कायम बनाने पर भी विचार विमर्श किया गया। इस दौरान बागबेडा थाना प्रभारी ने अपराध पर अंकुश लगाने का आश्वासन दिए। इसके अलावे पंचायत प्रतिनिधियों का समर्थन और सहयोग की भी अपील की ताकि अपराध पर नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से अपराध नियंत्रण के लिए सुझाव भी मांगे ताकि उनके दिए हुए सुझाव को पहल कर जनता के बीच एक अच्छा संदेश दे सके। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने कहा कि इस तरह का आयोजन कर आपसी सामंजस्य बनाकर एक भाईचारे का संदेश देने का कार्य किया गया है। इस मौके पर मुखिया उमा मुंडा, जमुना हांसदा,नीनु कुदादा,सुनील किस्कु, मीना देवी, मिर्जा हासदा, अनिमा मिंज, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, चंद्राय टुडू,सुशील कुमार, किशोर सिंह, सोनिया भूमिज, मनीषा हाइबुरू, गणेश मुर्मू ,अंजली चौहान, उप मुखिया मुकेश सिंह, संतोष ठाकुर, राकेश चौबे, मैनुल खान,पल्लवी शर्मा, पुष्पा देवी, सुरेश निषाद वार्ड सदस्य सीमा पांडे, पूजा कुमारी, रीमा कुमारी, रूपा देवी, उमेश पांडे, अभिषेक उपाध्याय, सुरेश साह, रेखा देवी, रामवती देवी, प्रभावती देवी शाहिद सैकड़ो पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रंगों से सराबोर हुईं क्षत्रिय समाज की महिलाएं

जमशेदपुर। झारखंड क्षत्रिय महिला संघ द्वारा अनुग्रह नारायण सिंह शिक्षण एवं सेवा संस्थान, बागबेड़ा कॉलोनी में फगुआ के संग होली हुड़दंग कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। सर्वप्रथम अध्यक्ष डॉक्टर कविता परमार संरक्षक प्रतिमा सिंह पूनम सिंह नीतू सिंह नीरू सिंह और महासचिव मंजू सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। उसके बाद रीता के टीम द्वारा एक से एक फगुआ गाया गया जिस पर सभी लोग झूम रहे थे। फगुआ गायन के बाद विभिन्न समाज की प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं के साथ साथ समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें विनीता सहाय, पूर्वी घोष, विमला सिंह, सुनीता जायसवाल, कुसुम पूर्ति, पूर्णिमा मल्लिक, गीतिका प्रसाद, नंदिनी साहू, एकता जायसवाल, चंदन जायसवाल, प्रतिमा मुंडा, रीमा साहू मुख्य रूप से थीं। उसके बाद विभिन्न इकाइयों द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी गईं। कार्यक्रम में आर आई टी, आदित्यपुर, सोनारी, बिष्टुपुर, कदमा, साकची, गोलमुरी, सीतारामडेरा, टेल्को, शिदगोड़ा, गोविंदपुर, बागबेड़ा, जुगसलाई, सुंदर नगर इकाई अध्यक्ष के साथ साथ पूरी कमिटी ने फगुआ का आनंद लिया। केन्द्रीय पदाधिकारियों जीनू सिंह शम्मी सिंह, पुष्पा सिंह, सीमा सिन्हा, प्रीति सिंह, शिवानी सिंह, सरिता सिंह, अर्चना सिंह, रीता सिंह, आशा सिंह, सुनीता सिंह द्वारा अध्यक्ष सुजाता सिंह, तृप्ति सिंह, शालिनी सिंह, सीमा सिंह, कुमुद सिंह, विमला सिंह, संध्या सिंह, मनोरमा सिंह, निशा सिंह, कंचन सिंह, राधा सिंह, रानी सिंह, रागिनी सिंह को सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन महासचिव मंजू सिंह ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बागबेड़ा की केंद्रीय पदाधिकारी पुष्पा सिंह, अध्यक्ष संध्या सिंह के साथ-साथ पूरे बागबेड़ा समिती के साथ साथ शिवानी सिंह और अन्य सभी का सराहनीय योगदान रहा। सभी महिलाओं ने फगुआ गायन नृत्य के साथ-साथ लजीज व्यंजन का भी लुत्फ उठाया।

गोल्डन आवर के महत्व पर प्रकाश डालती मेडिकल डॉक्यू- ड्रामा सीरीज इनसाइडर

■ नारायणा हेल्थ का स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में क्रांतिकारी पहल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भारत का अग्रणी संस्थान नारायणा हेल्थ ने बेहद ही हर्ष के साथ अपनी नई मेडिकल डॉक्यू-ड्रामा सीरीज इनसाइडर का अनावरण किया। इस तरह की यह पहली सीरीज है जो हेल्थ इमरजेंसी की स्थितियों के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

साथ ही उन मरीजों की सच्ची कहानियों को भी साझा करती है, जिन्होंने अविश्वसनीय चुनौतियों का सामना किया। यह सीरीज आपात स्थिति में उन नाजुक क्षणों और गोल्डन आवर के महत्व पर प्रकाश डालती है और इन अनुभवों का मरीजों और उनके परिवारों पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा है, उसे भी दशार्ती है। इसी को लेकर डॉक्टरों, मरीजों, हेल्थकेयर पेशेवरों, पत्रकारों और अन्य लोगों के साथ एक विशेष प्रिव्यू इवेंट किया गया, जिसमें सीरीज की भावनात्मक और जीवन को बदलने की क्षमता को दिखाया गया। 27 मार्च को विशेष रूप से जियो सिनेमा, जियो टीवी और टीवी S पर 10 प्रभावशाली एपिसोड के प्रीमियर के साथ इनसाइडर जीवन-घातक आपात स्थितियों का सामना करने वाले मरीजों की सच्ची कहानियों को दिखायेगा।

नारायणा हेल्थ के संस्थापक चेयरमैन सह नामी हार्ट सर्जन डा देवी शेट्टी बायें।

विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में मनायी गयी फूलों वाली होली

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में गुरुवार, 21 मार्च को हर वर्ष की तरह होली का त्योहार मनाया गया जिसमें सभी शिक्षक एवम स्टाफ के अलावा सभी संप्रदाय के प्रबुद्ध लोग शामिल हो कर एक-दूसरे को बधाई और शुभकामनाएं दीं। सभी ने एक दूसरे पर गुलाब इत्यादि रंगीन और खुशबूदार फूल डाल कर होली का आनंद उठाया। प्रधानाध्यापिका डॉ निधि श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मिलजुल कर होली का आनन्द उठाने का संदेश दिया। आजाद नगर पीस कमिटी के सचिव मुख्तार आलम खान ने होली को सद्भावना का पर्व बताते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सैयद आसिफ अख्तर, मोहम्मद मोइनुद्दीन अंसारी आदि मौजूद थे।

टाटा स्टील यूआइएसएल की जमशेदपुर में सतत जल प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता

विश्व जल दिवस पर विशेष

रितुराज सिन्हा

जमशेदपुर। टाटा स्टील यूटिलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज लिमिटेड (टीएसयूआईएसएल), जो जमशेदपुर में यूटिलिटीज और इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है, शहर के हित में पानी की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानती है। हम भविष्य के लिए सतत जल प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए नवीन समाधान लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

चुनौतियां और अवसर : कई औद्योगिक शहरों की तरह, जमशेदपुर को भी जल प्रबंधन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। असमान वितरण, पुरानी इंफ्रास्ट्रक्चर और संभावित जल गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। हालांकि, ये चुनौतियां नवीन समाधानों के अवसर भी प्रस्तुत करती हैं जिनसे शहर और इसके निवासियों को लाभ होता है।

टाटा स्टील यूआइएसएल की पहल, इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण : हम रिसाव का पता लगाने और मरम्मत प्रौद्योगिकियों के साथ जल आपूर्ति नेटवर्क को उन्नत करने में सक्रिय रूप से निवेश कर रहे हैं। यह न केवल पानी की हानि को कम करता है बल्कि पंपिंग लागत को भी अनुकूलित करता है, जिससे अधिक कुशल प्रणाली सुनिश्चित होती है।

वर्षा जल संचयन : टाटा स्टील यूआईएसएल जागरूकता अभियान और तकनीकी सहायता के माध्यम से आवासीय और कमर्शियल भवनों में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देती है। यह पहल निवासियों को जल संरक्षण में सक्रिय भागीदार बनने और शहर की जल आपूर्ति को पूरक बनाने के लिए सशक्त बनाती है।

अपशिष्ट जल उपचार: हम जिम्मेदार अपशिष्ट जल प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम कुशल अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों का संचालन और रखरखाव करते हैं जो उन्नत फिल्टरेशन सिस्टम का उपयोग करते हैं। उपचारित अपशिष्ट जल को फिर संभावित रूप से गैर-पीने योग्य उद्देश्यों, जैसे सिंचाई या औद्योगिक प्रक्रियाओं, के लिए पुनः उपयोग किया जाता है, जिससे जल संसाधन की अधिकतम प्राप्ति होती है।

(नोट : लेखक टाटा स्टील यूआइएसएल के मैनेजिंग डायरेक्टर पद पर कार्यरत हैं।)

टाटा स्टील यूआइएसएल वाटर ट्रिटमेंट प्लांट और रितुराज सिन्हा।

धोनी-कोहली के बीच भिड़ंत से होगा आइपीएल का आगाज

- आइपीएल ओपनिंग सेरेमनी में अक्षय के साथ टाइगर लगाएंगे डांस का तड़का
- एआर रहमान और सोनू निगम अपनी आवाज से बांधेंगे समां
- आइपीएल 2024 ओपनिंग सेरेमनी शाम 6:30 बजे से आयोजित होगा
- आइपीएल ओपनिंग सेरेमनी एमए चिदंबरम स्टेडियम में आयोजित होगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। आइपीएल के 17वें सीजन की शुरूआत होने में अब महज एक दिन शेष रह गया है। शुक्रवार को पहले मुकाबले में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का सामना रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) से होगा। दोनों टीमों ने इस मैच के लिए पूरी तैयारियां कर ली हैं। सीएसके और आरसीबी की टीम में दिग्गज खिलाड़ी मौजूद हैं और दोनों के ही पास विदेशी खिलाड़ियों का अच्छा पूल है। दोनों ही टीमें जीत के साथ इस सीजन की शुरूआत करना चाहेंगी, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि धोनी और आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस प्लेइंग इलेवन में किसे मौका देते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि कल होने वाले मैच की संभावित अंतिम एकादश क्या हो सकती है।

आंकड़ों में भारी है सीएसके का पलड़ा

सीएसके और आरसीबी के बीच आइपीएल इतिहास में अबतक कुल 31 मैच खेले गए हैं जिसमें गत चैंपियन सीएसके ने 20 मैच जीते हैं, जबकि आरसीबी की टीम 10 मैच ही जीत सकी है। दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। इस तरह धोनी की टीम का पलड़ा आरसीबी की तुलना में भारी नजर आ रहा है। हालांकि टी20 क्रिकेट में एक गेंद से पासा पलट जाता है, इसलिए इस प्रारूप में यह कहना कठिन होता है कि कौन सी टीम मुकाबले को जीत सकती है।

सीएसके ने जीते हैं पिछले पांच में से चार मुकाबले

सीएसके का प्रदर्शन आरसीबी के खिलाफ कितना शानदार रहा है उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोनों टीमों के बीच 2021 से 2023 तक खेले गए पिछले पांच मैचों में से सीएसके ने चार मैच जीते हैं, जबकि आरसीबी ने एक मैच में जीत का स्वाद चखा है। 2021 सीजन में दोनों टीमों के बीच दो मैच खेले गए और दोनों ही मैच में धोनी की टीम जीत दर्ज करने में कामयाब रही। इसके बाद 2022 में भी सीएसके और आरसीबी के बीच दो मैच खेले गए जिसमें से एक मैच सीएसके ने जीता, जबकि दूसरे मुकाबले में आरसीबी बाजी मारने में सफल रही। दोनों टीमों के बीच पिछले सीजन में एक ही मैच खेला गया और इस मुकाबले में सीएसके ने आरसीबी को आठ रन से हराया था।

घरेलू मैदान पर काफी मजबूत है सीएसके

धोनी की अगुआई वाली सीएसके की टीम अपने घरेलू मैदान एमए चिदंबरम स्टेडियम पर इस सीजन का पहला मैच खेलेगी। सीएसके को उसके होम ग्राउंड पर हराना किसी भी टीम के लिए हमेशा ही चुनौतीपूर्ण होता है। सीएसके की विशेषता है कि वो घरेलू परिस्थितियों को देखकर ही टीम का चयन करती है जिसमें स्पिन गेंदबाजों को प्लेइंग इलवेन में रखा जाता है। सीएसके की तुलना में आरसीबी के पास उस स्तर के स्पिनर मौजूद नहीं है। आरसीबी के पास दिग्गज बल्लेबाज मौजूद हैं ऐसे में यह जानना दिलचस्प होगा कि पूर्व कप्तान विराट कोहली क्या इस सीजन में भी फाफ डुप्लेसिस के साथ ओपनिंग करने आएंगे। पिछले सीजन इनकी ओपनिंग जोड़ी काफी हिट रही थी और इसकी संभावना प्रबल है कि कोहली और डुप्लेसिस की जोड़ी ही आरसीबी के लिए पारी का आगाज करेगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं:

चेन्नई सुपर किंग्स: ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, रचिन रवींद्र, अजिंक्य रहाणे, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, डेरिल मिशेल, मिशेल सैंटनर, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर, मुस्ताफिजुर रहमान।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु: विराट कोहली, फाफ डुप्लेसिस (कप्तान), रजत पाटीदार, ग्लेन मैक्सवेल, सुयश प्रभुदेसाई, दिनेश कार्तिक, कैमरन ग्रीन, महिपाल लोमरोर, रीस टॉप्ली, मोहम्मद सिराज, करन शर्मा।

14 साल, 235 मैच और 7 ट्रॉफी... महेंद्र सिंह धोनी जैसा न कोई कप्तान था और न कोई होगा

चेन्नई। आइपीएल 2024 के शुरू होने से ठीक एक दिन पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने अपना कप्तान बदल दिया है। धोनी 2008 से चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। 2016 सीजन में वह राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के कप्तान थे। धोनी अपनी कप्तानी में चेन्नई को 5 आइपीएल ट्रॉफी के साथ दो चैंपियंस लीग का खिताब भी जीता चुके हैं। इसके अलावा वह भारत के भी टी20 कप्तान रहे हैं।

धोनी टी20 के सबसे सफल कप्तान

महेंद्र सिंह धोनी सबसे ज्यादा टी20 मैचों में कप्तानी करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 322 मैच में अपनी टीम की कमान संभाली है। इसके साथ ही उन्होंने सबसे ज्यादा 189 जीत भी हासिल की है। रोहित शर्मा ने 217 और वेस्टइंडीज के डैरेन सैमी ने 208 टी20 मैच में कप्तानी की है। धोनी सबसे ज्यादा 9 फाइनल जीतने वाले कप्तान भी हैं। भारत के टी20 कप्तान के रूप में वह टी20 वर्ल्ड कप 2007 और एशिया कप 2016 पर कब्जा जमा चुके हैं।

सीएसके के लिए धोनी का रिकॉर्ड

दो साल के बैन को हटा दें तो महेंद्र सिंह धोनी ने 14 साल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आइपीएल के 212 मैचों में कप्तानी की है। इसके अलावा चैंपियंस लीग के 23 मैच में भी वह टीम के कप्तान रहे हैं। इन 235 मैच में चेन्नई को 142 जीत मिली है। टीम सिर्फ 90 मैच हारी और दो बेनतीजा रहा। एक मैच टाई पर भी खत्म हुआ है। कप्तान के रूप में धोनी का जीत प्रतिशत चेन्नई के लिए 60.42 रहा है। चेन्नई ने इस दौरान 7 खिताब अपने नाम किए।

प्लेऑफ और फाइनल खेलने का भी रिकॉर्ड

महेंद्र सिंह धोनी ने 14 आइपीएल सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी की है। इसमें टीम 12 बार प्लेऑफ में पहुंची। सिर्फ 2020 और 2022 में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई। 2022 के पहले हाफ में रविंद्र जडेजा चेन्नई की कप्तानी कर रहे थे। 10 बार टीम ने फाइनल तक का सफर तय किया।

चेन्नई के नए किंग बने ऋतुराज गायकवाड़

आइपीएल 2024 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने कप्तानी में बड़ा बदलाव करते हुए ऋतुराज गायकवाड़ को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। आगामी सीजन में महेंद्र सिंह धोनी टीम का नेतृत्व करते नजर नहीं आएंगे। उनकी जगह सलामी बल्लेबाज को टीम की अगुवाई का जिम्मा सौंपा गया है। आइपीएल के 17वें संस्करण का आगाज 22 मार्च से होगा। पहला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के बीच एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में सीएसके बड़े बदलाव के साथ उतरेगी। टीम की कप्तानी युवा सलामी बल्लेबाज करते नजर आएंगे। वहीं, आरसीबी नए नाम के साथ फाफ डु प्लेसिस की अगुवाई में खेलती नजर आएगी। रुतुराज गायकवाड़ ने भले ही आइपीएल में कप्तानी नहीं की है लेकिन उनके पास भारत की कप्तानी करने का अनुभव है। एशियन गेम्स में भारत ने उनकी ही कप्तानी में गोल्ड मेडल जीता था। वह घरेलू क्रिकेट में महाराष्ट्र की भी कप्तानी करते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स में वह पहली बार 2020 सीजन में शामिल हुए थे। तब उनकी सैलरी 20 लाख रुपये थे। आइपीएल 2024 से पहले फ्रेंचाइजी ने 6 करोड़ रुपये में उन्हें रिटेन किया था। रुतुराज आइपीएल 2021 में ऑरेंज कैप भी जीत चुके हैं।

अयोध्या राम मंदिर पहुंचे महाराज लिया भगवान का आशीर्वाद

एजेंसी

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के 17वें संस्करण से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) कैंप से जुड़ने के बाद दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर केशव महाराज ने गुरुवार को अयोध्या में राम मंदिर का दौरा किया। बाएं हाथ के स्पिनर ने सोशल मीडिया पर अयोध्या दौरे की एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, 'सभी को जय श्री राम का आशीर्वाद।' महाराज आइपीएल 2024 के लिए लखनऊ टीम के साथ प्रशिक्षण लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन वह टीम के आधिकारिक सदस्य नहीं होंगे। इससे पहले महाराज ने 22 जनवरी को राम मंदिर के अभिषेक से पहले इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था जिसमें उन्होंने कहा था, 'अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का इंतजार कर रहा हूं। यह सभी के लिए शांति और ज्ञान लाए।' एलएसजी अपने आईपीएल 2024 सीजन की शुरूआत 24 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 118 रनों से हराया

एजेंसी

मीरपुर। एनाबेल सदरलैंड के नाबाद 58 रनों की अर्धशतकीय और अलाना किंग की 46 रनों की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने गुरुवार को एकदिवीय मुकाबले में बांग्लादेश की महिला टीम को 118 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में मेगन शूट ने फरजाना हक को शून्य पर पवेलियन भेजकर बांग्लादेश को पहला झटका दिया। इसके बाद शोबना मोस्तारी और मुशीर्दा खातून ने पारी को संभालने का प्रयास किया। मोस्तारी 17 रन को किंग ने बोल्ड आउट किया। मुशीर्दा 10 रन बनाकर आउट हुई। कप्तान निगार सुल्ताना ने टीम के सर्वाधिक 27 रनों की पारी खेली। वह लगातार दो और बल्लेबाजों फाहिमा खातून और ऋतु मोनी के रनआउट होने के बाद रनआउट हुई। इसके बाद बांग्लादेश की स्थिति बेहद नाजुक हो गई और उसका कोई भी बल्लेबाज छह रन से अधिक नहीं बना सका। बांग्लादेश की पूरी टीम 36 ओवर में 95 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ली गार्डनर ने तीन विकेट लिये। किम गार्थ ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। किम गार्थ, अलाना किंग ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले यहां बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज फोएबे लिचफील्ड शून्य का विकेट गवां दिया। इसके बाद एलिसे पेरी दो रन बनाकर पवेलियन लौट गई। कप्तान एलिसा हीली और बेथ मूनी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। नौवें ओवर में हीली भी 24 रन बनाकर आउट हो गई। इसके बाद नाहिदा अख्तर ने ताहलिया मैकग्राथ को नौ रन पर पगबाधा कर दिया। बेथ मूनी 25 रन, एशले गार्डनर 32 रन और जॉर्जिया वेयरहैम 12 रन बनाकर आउट हुई। ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 213 रन बनाये। एनाबेल सदरलैंड 58 रन और अलाना किंग 46 बनाकर नाबाद रही। बांग्लादेश की ओर से सुलतान खातून और नाहिदा अख्तर ने दो-दो विकेट लिये। मारुफा अख्तर,फाहिमा खातून और शोर्णा अख्तर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

धोनी की कप्तानी छोड़ने पर बोले कोच स्टीफन फ्लेमिंग- हम तैयार नहीं थे

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने स्वीकार किया कि 2022 में रविंद्र जडेजा को कप्तान बनाने के बावजूद उनकी टीम महेंद्र सिंह धोनी के अलावा किसी कप्तान के लिए तैयार नहीं थी। चेन्नई की कप्तानी 2022 में जडेजा को सौंपी गई थी लेकिन टीम के नाकाम रहने पर फिर धोनी को कप्तान बनाया गया। फ्लेमिंग ने कहा कि हम 2022 में एमएस की कप्तानी से अलग होने के लिए तैयार नहीं थे। धोनी को क्रिकेट की जबर्दस्त समझ है लेकिन हम युवा खिलाड़ियों को इस भूमिका के लिए तैयार करना चाहते थे। इस बार हम तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार एमएस ने कप्तानी छोड़ी तो हम स्तब्ध रह गए थे क्योंकि हम इसके लिए तैयार नहीं थे। इस बार हमें पता था। उन्होंने कहा कि हम नए कप्तान तैयार करने पर मेहनत कर रहे थे। युवाओं पर भरोसा करने का फायदा मिला है। मैंने रूतुराज से कप्तानी के बारे में बात की है। उसके लिए यह शानदार मौका है। उन्होंने कहा कि आइपीएल से पहले अभ्यास मैचों में धोनी फिट लग रहे हैं और इस बार फिटनेस का कोई मसला नहीं होगा। उन्होंने कहा कि एम.एस. ने अभ्यास मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है और उम्मीद है कि इस पूरे सत्र में वह खेलेंगे।

जंमा ने आइपीएल 2024 से नाम लिया वापस

नयी दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स टीम के ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) 2024 के इस सत्र से अपना नाम वापस ले लिया है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर जम्पा के मैनेजर ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि करते कहा कि वह आइपीएल 2024 में हिस्सा नहीं लेंगे। जम्पा को नीलामी से पहले राजस्थान रॉयल्स ने अपनी टीम में रिटेन किया था।

हरियाणा, झारखंड, मप्र और महाराष्ट्र हॉकी महिला टीम सेमीफाइनल में जीत को लेकर आश्वस्त

पुणे। चौदहवीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शुक्रवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबलों में हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र ने अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है। हरियाणा टूनार्मेंट में अब तक की सबसे प्रभावशाली टीम रही है और इसमें 11 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं। टीम क्वार्टर फाइनल में ओडिशा को 4-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची गयी है। इससे पहले हरियाणा ने असम को 15-0 से और पुडुचेरी को 22-0 से हराकर पूल डी में शीर्ष स्थान हासिल कर नॉकआउट दौर में प्रवेश किया था।

द हंड्रेड ड्राफ्ट : बाबर आजम, डेविड वार्नर और हरमनप्रीत कौर नहीं मिला खरीदार

नयी दिल्ली। बाबर आजम, डेविड वार्नर और हरमनप्रीत कौर उन कुछ बड़े नामों में से थे जिन्हें द हंड्रेड ड्राफ्ट के दौरान ड्राफ्ट नहीं किया गया। ऐसा लग रहा था कि ज्यादातर टीमें वेस्टइंडीज के सितारों पर बहुत सारा पैसा खर्च करने का इरादा रखती हैं क्योंकि निकोलस पूरन ड्राफ्ट की पहली पसंद थे। पूरन को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स ने पहले ही राउंड में अपने साथ जोड़ लिया, जबकि लंदन स्पिरिट ने आंद्रे रसेल और शिम्रोन हेटमायर को चुना। रोवमैन पॉवेल और कीरोन पोलार्ड को भी पहले दौर में चुना गया था क्योंकि उन्हें क्रमशः ट्रेंट रॉकेट्स और सदर्न ब्रेव ने चुना था।

चौंथी जीत से मैरी गोम्स की एकल बढ़त बरकरार

चेन्नई। वेलामल एआईसीएफ महिला ग्रांड मास्टर राउंड रॉबिन टूनार्मेंट के पाँच राउंड के बाद भारत की तीन बार की राष्ट्रीय चैम्पियन महिला ग्रांड मास्टर मैरी एन गोम्स नें एक और जीत दर्ज करते हुए अपनी एकल बढ़त को और मजबूत कर दिया है। पांचवें राउंड में मैरी नें हमवतन रिंधिया वी को पराजित किया। रिंधिया के लिए टूनार्मेंट में चौंथी हार रही जबकि मैरी के लिए यह उनकी चौंथी जीत साबित हुई। सफेद मोहरो से खेल रही मैरी नें इंग्लिश ओपनिंग में 32 चालों में आक्रामक जीत दर्ज की। पांचवें राउंड में दो और मैच के परिणाम निकले, इटली की सेदिना एलेना नें भारत की एम महालक्ष्मी को सफेद मोहरो से कारो कान ओपनिंग में 56 चालों तक चले मुकाबले में पराजित किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में मंगोलिया की तीसरी वरीय उर्तशेख उरीइनतुया नें एक रोमांचक मुकाबले में कोलंबिया की एंजेला फ्रांकों को पराजित करते हुए प्रतियोगिता में अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

ओलंपिक क्वालिफायर में महिला पहलवानों के साथ जाएंगी दो महिला कोच, 27 मार्च से लगेगा शिविर

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) से बहाली के बाद भारतीय कुश्ती महासंघ ने 11 अप्रैल से होने जा रही एशियाई चैंपियनशिप और 19 अप्रैल से शुरू हो रहे एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए महिला पहलवानों की टीम के साथ दो महिला प्रशिक्षकों को भेजने का फैसला लिया है। यही नहीं महासंघ ने तदर्थ समिति की ओर से नियुक्त प्रशिक्षकों की जगह पुराने प्रशिक्षकों को भी वापस बुला लिया है। इन दोनों टूनार्मेंट में पुरुष फ्रीस्टाइल टीम के चीफ कोच ओलंपियन जगमिंदर सिंह, महिला टीम के विरेंदर कुमार और ग्रीको रोमन टीम के मुख्य प्रशिक्षक हरगोविंद सिंह होंगे। टूनार्मेंट की तैयारियों के लिए 27 मार्च से पुरुष पहलवानों का शिविर सोनीपत और महिला पहलवानों का गांधीनगर या एनआईएस पटियाला में लगाया जाएगा।

विनेश समेत ट्रायल में जीते पहलवानों की एंट्री भेजी

कुश्ती महासंघ ने पुरुष फ्रीस्टाइल टीम के साथ द्रोणाचार्य अवार्डी जगमिंदर, विनोद कुमार और अनिल मान, ग्रीको रोमन टीम के साथ हरगोविंद, अनिल कुमार, विक्रम शर्मा और महिला टीम के साथ विरेंदर कुमार के अलावा महिला कोच मंजीत रानी और सोनिया मोर को नियुक्त किया है। महिला पहलवानों के शिविर के लिए साई को गांधीनगर या एनआईएस पटियाला का प्रस्ताव दिया गया है। इन दोनों स्थानों पर शिविर नहीं लगने की स्थिति में साई सेंटर भोपाल के लिए प्रयास किया जाएगा। कुश्ती महासंघ ने हाल ही में इन दोनों टूनार्मेंट के लिए हुए चयन ट्रायल के विजेताओं की एंट्री भेज दी है। इनमें 50 भार वर्ग में विनेश फोगाट का नाम भी शामिल है।

एथलीट कमीशन के चुनाव 24 अप्रैल से

आईओए के कहने पर महासंघ एथलीट कमीशन का चुनाव फेडरेशन कप के दौरान छत्तीसगढ़ में 24-25 अप्रैल को कराने जा रहा है। प्रत्येक राज्य संघ से दो एथलीट सात पदों के लिए नामांकन भरेंगे। सात पदों में दो महिलाओं का होना अनिवार्य है। अभी तक लंदन ओलंपिक के पदक विजेता योगेश्वर दत्त एथलीट कमीशन के चेयरमैन थे, लेकिन यूडब्ल्यूडब्ल्यू के नियम के अनुसार कमीशन का चुनाव मौजूदा या फिर बीते चार वर्ष में खेलने वाला पहलवान ही लड़ सकता है। ऐसे में वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। महासंघ ने यह भी साफ कर दिया है कि राज्य संघों के चुनाव खेल संहिता के अनुसार कराए जाएंगे।

डीबीए, पटना के अध्यक्ष और महासचिव आमरण अनशन पर

पटना। बिहार में पटना व्यवहार न्यायालय में हुए ट्रांसफार्मर विस्फोट हादसे के बाद पटना जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष और महासचिव अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठ गए। व्यवहार न्यायालय परिसर में संघ के अध्यक्ष अमरनाथ और महासचिव अशोक कुमार यादव कई दिनों से लगातार अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे थे लेकिन कोई सुनवाई नहीं होने के बाद दो दिनों से आमरण अनशन पर चले गए हैं।

नीतीश ने बिहार दिवस की दी बधाई

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार दिवस पर प्रदेश एवं देशवासियों को आज बधाई एवं शुभकामनायें दी। श्री कुमार ने आशा व्यक्त की है कि बिहार निरंतर प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा। बिहारवासी आपसी एकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता एवं सद्भाव बनाये रखेंगे। हम सब मिलकर बिहार को प्रगति की नई ऊंचाई पर पहुंचाएंगे एवं बिहार के गौरव को और आगे बढ़ायेंगे।

नीतीश ने जयपुर में बिहार के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत पर जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजस्थान के जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र के जैसल्या गांव में आग लगने की घटना में बिहार के एक ही परिवार के पांच लोगों की हुयी मौत पर आज गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। श्री कुमार ने इस घटना को काफी दुखद बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

कोर्ट ने अप्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति अमान्य करार दिया

पटना हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

एजेंसी

पटना। पटना हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण निर्णय से 31 मार्च 2015 के बाद राज्य में किसी भी अप्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति या नियोजन को कानूनी रूप से अमान्य करार दिया। हाई कोर्ट ने यह भी तय किया कि राज्य में एक अप्रैल 2010 से लेकर 31 मार्च 2015 के बीच नियोजित हुए अप्रशिक्षित शिक्षक यदि आठ अगस्त 2021 तक या उससे पहले उक्त कानून के तहत न्यूनतम प्रशिक्षण की आहर्ता (डीएलएड कोर्स) पूरा कर लिए हैं तो उनका नियोजन को बरकरार रखा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 31 मार्च 2015 की प्रभावित तिथि से बिहार में शिक्षा के अधिकार कानून लागू हुआ था जिसके तहत कोई भी शिक्षक अप्रशिक्षित नहीं हो सकता। हाई कोर्ट ने केवल उन्हीं नियोजित शिक्षकों की सेवा को बरकरार रखने का निर्देश दिया है जो 8.8.21 के कट ऑफ डेट तक या उससे पहले न्यूनतम 18 महीने का प्रशिक्षण सर्टिफिकेट प्राप्त कर चुके हैं। कोर्ट ने यह भी माना की शिक्षा का अधिकार कानून, जिसे केंद्र सरकार ने एक अप्रैल 2010 से लागू किया था, लेकिन बिहार में यह कानून 31 मार्च, 2015 के प्रभाव से लागू हुआ, इसलिए एक अप्रैल, 2010 से 31 मार्च, 2015 के बीच नियोजित हुए अप्रशिक्षित शिक्षकों को शिक्षा के अधिकार कानून के तहत सेवा में रहते हुए प्रशिक्षण लेने की छूट एक निर्धारित समय अवधि के लिए दी जा सकती है। हाई कोर्ट ने उन नियोजित शिक्षकों को भी सेवा में रहने का मौका दिया है जिनके प्रशिक्षण कोर्स और परीक्षाएं आठ अगस्त 21 से पहले हो गई, लेकिन रिजल्ट अटका रहा या उक्त तारीख के बाद निकला था।

एक नजर में

लालू यादव के करीबी आरजेडी विधायक के ठिकानों पर दूसरे दिन भी छापामारी

एजेंसी

सिमरी (बक्सर)। लालू यादव के बेहद करीबी माने जाने वाले ब्रह्मपुर विधायक शंभूनाथ सिंह यादव के आवास सहित अन्य ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। आईटी के अधिकारी विधायक के विभिन्न प्रतिष्ठानों से संबंधित कागजात की न सिर्फ बारीकी से जांच कर रहे हैं, बल्कि उनका बयान भी दर्ज कर रहे हैं। हालांकि, पिछले 36 घंटे की जांच में उनके हाथ क्या-क्या लगा है, यह अभी रहस्य के गर्त में है। सोन ईंट उद्योग के प्रबंधक कमलेश पांडेय ने बताया कि इस बारे में विस्तृत जानकारी विभाग के लोग ही देंगे। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, लहना चक्की में संचालित फ्लावर मिल से 17 लाख रुपये, ईंट उद्योग के 64 हजार रुपये और पहलवान यादव के पॉकेट से 14 हजार रुपये टीम के हाथ लगे हैं। इसके अलावा पांडेय के नया भोजपुर आवास से कुछ कागजात एवं महिलाओं के आभूषण मिले थे, जिसे पंचनामे पर अधिकारी स्वजन को सौंपकर वापस चले गए। वहीं, एकाउंटेंट अरुण दुबे के दवनपुरा एवं बक्सर स्थित आवास पर छापेमारी के दौरान टीम को कुछ खास सफलता हाथ नहीं लगी है। फिलहाल विधायक आवास, संत कुमार ओझा, खरहाटांड़ एवं फ्लावर मिल प्रबंधक राजू सिंह के पैतृक आवास बलिया जिले के पांडेय डेरा बेयासी में आईटी की कार्रवाई जारी है। हालांकि, आईटी के एक अधिकारी से अब तक की कार्रवाई के बारे में जानकारी हासिल करने की कोशिश की गई, परंतु उन्होंने कुछ भी बताने से साफ तौर पर इनकार कर दिया। बताते चलें कि गत बुधवार को सुबह आय से अधिक संपत्ति मामले में आईटी ने विधायक के पटना, बिहटा, बिहिया, बक्सर, सिमरी, चक्की, बेयासी सहित कुल 22 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी कि शुरूआत की थी।

फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

खिलाड़ियों के साथ अतिथि

खबर मन्त्र संवाददाता

भवनाथपुर। टाउनशिप स्थित सेल मैदान में सेल तुलसीदामर खदान समूह के सीएसआर विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को दो दिवसीय नॉक आउट फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन भवनाथपुर बीडीओ नंदजी राम, सेल के प्रभारी जीएम डा. विजय राम, उप प्रबंधक (कार्मिक) बुलु दिग्गल, एजीएम राजेश कुमार व सिंदुरिया पंचायत के उपमुखिया वैश खां ने संयुक्त रूप से खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर तथा फुटबॉल को किक मारकर किया। प्रतियोगिता का पहला मैच सिंदुरिया एवं मकरी के बीच खेला गया। जिसमें सिंदुरिया की टीम ने मकरी की टीम को 2-0 से हराया। दूसरा मैच कैलान एवं घाघरा टीम के बीच खेला गया, जिसमें कैलान की टीम ने घाघरा की टीम को 1-0 से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। मौके पर बीडीओ ने कहा कि सेल प्रबंधन ने फुटबॉल टूर्नामेंट कराकर ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रतिभा निकालने का अवसर प्रदान कर रही है। खेल से शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल को खेल की भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। मैच में रेफरी की भूमिका सुनील कुमार, अवोश कुमार व संजय कुमार ने निभाई। मौके पर एसबीआई शाखा प्रबंधक आदेश कुमार, सेलकर्मी डोमन यादव, सुशील कुमार, डली रानी, विनय सिंह, राजेश यादव, हीरालाल यादव, प्रसून श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

गढ़वा के दिनेश कॉलेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। शहर के बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित दिनेश कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. लल्लन सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के बीएड एवं डीएलएड के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय से फरठिया तक पैदल मार्च कर ग्रामीणों को मतदान में भाग लेने एवं मतदान करने के लिए जागरूक किया।

पैदल मार्च करते लोग

मौके पर कुल सचिव ने कहा कि लोकतंत्र की पहचान आपके मतदान के द्वारा ही हो सकता है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुनीता गुप्ता ने कहा कि मतदान हमारा अधिकार है और हमें इस अधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह तथा कुलपति प्रो.डा. एमके सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम देश में लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करते हैं। मौके पर एनएसएस पदाधिकारी शशिकांत सिंह यादव, अरविंद तिवारी, जनार्दन शुक्ला, मनोज गुप्ता, आनंद कुमार चौबे, ओम प्रकाश, अभिमन्यु शुक्ला, डा. आशुतोष मिश्रा, बीएन सिंह सहित कई अन्य प्राध्यापक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

पेज एक का शेष

केजरीवाल गिरफ्तार...

9 बार समन पर भी पेश नहीं हुए थे : इससे पहले केजरीवाल को ईडी ने नौ बार समन भेजा था लेकिन वह पेश नहीं हुए। अपनी गिरफ्तारी पर रोक के लिए वह दिल्ली हाईकोर्ट चले गये थे। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने मामले में केजरीवाल को दंडात्मक कार्रवाई से कोई संरक्षण देने से इनकार कर दिया। पीठ ने संरक्षण के अनुरोध संबंधी केजरीवाल की अर्जी को 22 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। समन को चुनौती देने वाली उनकी मुख्य याचिका पर भी उसी दिन (22 अप्रैल को) सुनवाई होगी। यह मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति को तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार और धन शोधन से संबंधित है। बाद में इस नीति को रद्द कर दिया गया था। मामले में आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी द्वारा दाखिल आरोप पत्र में केजरीवाल के नाम का कई बार उल्लेख किया गया है।

बिल्डर ने की आत्महत्या ...

करीबी बताते हैं तनाव में थे : नके करीबी बताते हैं कि नीरज सहाय पिछले कुछ समय से अपने व्यापार में आयी गिरावट और इन्वेस्टर्स का प्रेशर झेल रहे थे। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा था एक प्रभावशाली नेता और एक महिला नेता के पति नीरज सहाय पर पैसा लौटाने के लिए दबाव बना रहे थे। नीरज ने अपने इन्वेस्टर्स से साफ कह दिया था कि फिलहाल वह पैसा वापस करने की स्थिति में नहीं हैं क्योंकि रकम बहुत बड़ी है। पर चुनाव लड़ने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे नेता उनकी मजबूरी न तो सुनना चाह रहे थे और न ही समझना। नीरज सहाय को लगातार पैसा वापस करने का प्रेशर दिया जा रहा था। इधर घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस नीरज के परिजनों और करीबियों से पूछताछ कर इस आत्महत्या की गुत्थी को सुलझाने की कोशिश में है। घटनास्थल पर कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय, सिटी एसपी राजकुमार मेहता घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

परिजन बोले खुदकुशी समझ से परे : नीरज सहाय के परिजनों ने पुलिस को बताया है कि बुधवार रात तक सब कुछ ठीक था। कहीं से भी तनावग्रस्त नहीं लग रहे थे, फिर सुबह उन्होंने आत्महत्या क्यों कर ली, यह समझ से परे है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि नीरज सहाय को हाल ही में अपने व्यवसाय में भारी नुकसान हुआ था, जिसके कारण वह तनाव में थे। डोरंडा थाना पुलिस ने नीरज सहाय की पत्नी अंशुल सहाय के बयान पर यूडी केस दर्ज किया है।

चर्चित महिला दारोगा ...

बताया जा रहा है कि जमीन और बालू कारोबार को लेकर यह छापेमारी की गयी है। **रिश्वत लेते गिरफ्तार हुई थी मीरा :** खूंटी महिला थाना की प्रभारी रहते हुए मीरा सिंह को 25 फरवरी 2021 को एसीबी ने 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था। बाद में मीरा का तबादला रांची हो गया। उसके बाद उन्हें तुपुदाना ओपी प्रभारी बना दिया गया। तुपुदाना में कई विवाद में पड़ने के बाद मीरा का तबादला हजारीबाग कर दिया गया था, लेकिन बाद में मुख्यालय के आदेश पर ही उसे रद्द भी कर दिया गया। वह सत्ता की करीबी रही हैं। सत्ता का हनक ऐसा है कि तुपुदाना ओपी प्रभारी रहते मीरा सिंह पर गंभीर आरोप लगे, पर वह यथावत रहीं। पद से हटाने की भी अनुशंसा पर डीजीपी ने हजारीबाग स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया था, लेकिन अपने रसूख के बल पर मीरा सिंह ने स्थानांतरण को रूकवा दिया। तबादले से संबंधित आदेश को डीजीपी को वापस लेना पड़ा था। अपने प्रभाव में लेकर कई उल्टे सीधे काम किये। अपनी ऊंची पहुंच और रसूख की वजह से रांची में थानेदार बनी। मीरा सिंह पर झारखंड हाईकोर्ट, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में पहले से मुकदमा चल रहा है।

दिल्ली की साजिशों के ....

क्योंकि यहां उनकी सरकार नहीं है। आगामी चुनाव में कड़ाई से जवाब देने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि धुमाडीह का ऐतिहासिक मैदान झामुमो संगठन के लिए कर्मभूमि रही है। इस मैदान से शपथ लें कि वोट के माध्यम से विपक्ष की साजिशों को नाकाम करेंगे। वहीं राज्यसभा सदस्य डॉ सरफराज अहमद ने कहा कि हेमंत सरकार ने राज्य की जनता के लिए अनगिनत कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा। जो काम 20 साल में नहीं हुआ, वह सिर्फ चार साल के हेमंत काल में हुआ। विपक्ष को यह रास नहीं आया और साजिश के तहत हेमंत सोरेन को फंसाने का काम किया। जनता मजबूती से चुनाव में ऐसी ताकतों को सबक सिखायेगी।

एसबीआइ ने चुनावी ...

बांड नंबर अल्फा न्यूमरिक (अक्षर और अंकों का मिश्रण) हैं। चुनावी बांडों का ब्योरा दो बंद बंद लिफाफों (लिफाफा 1 और लिफाफा 2) में प्रस्तुत किये जाने की जानकारी दी गयी है, ताकि आयोग इन्हें अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर सके। पहले लिफाफे में बांड की सूचनाओं वाली पेन ड्राइव है, तथा दूसरे फाइल में पेन ड्राइव के पीडीएफ फाइल के पासवर्ड सौंपे गये हैं। बैंक ने कहा है कि जब भी जरूरत होगी, वह आयोग को यह हार्ड कॉपी के रूप में भी देगा।

सुप्रीम कोर्ट ने बांड पर रोक लगा दी थी : उल्लेखनीय है कि चुनावी चंदे में नकदी के चलन को रोकने के लिये संसद में पारित कानून को तहत चुनावी बांड की व्यवस्था शुरू की गयी थी। एसबीआई को इन बांडों बेचने और भुनाने का दायित्व दिया गया था। बैंक इन बांडों को कुछ चुनिंदा शाखाओं के माध्यम से बेचता और उनका भुगतान करता आ रहा था। उच्चतम न्यायालय ने बांड को संविधान के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रा के प्रावधान 19 (1) ए के प्रावधान और सूचना के अधिकार के कानून के खिलाफ करार दिया है।

अवैध शराब भट्टी पर छापा 2000 लीटर जावा महुआ नष्ट

जावा महुआ नष्ट करती पुलिस

खबर मन्त्र संवाददाता

रमना। गढ़वा जिले के रमना थाना क्षेत्र में एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने अवैध शराब भट्टी संचालन के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाया। एसडीपीओ के निर्देश पर पुलिस निरीक्षक रतन कुमार सिंह ने रमना प्रखंड के बारपानी जंगल में अवैध रूप से चल रहे शराब भट्टी में छापामारी कर भारी मात्रा में जावा महुआ शराब को नष्ट किया। वहीं एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस निरीक्षक और पुलिस जवानों के सहयोग से 2000 लीटर जावा महुआ एवं 100 लीटर देसी शराब को नष्ट कर दिया। इस दौरान अवैध शराब भट्टी को भी ध्वस्त कर दिया गया। इस संबंध में बंशीधर नगर पुलिस निरीक्षक ने कहा कि एसडीपीओ को सूचना मिली थी कि सुदूरवर्ती जंगल में अवैध शराब भट्टी का संचालन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर छापामारी की गई है। मामले में भट्टी संचालक पर प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

होली मिलन समारोह का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी संस्था के तत्वावधान में जिले के डंडई प्रखण्ड स्थित जल भवन परिसर में होली मिलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डंडई प्रखंड के विभिन्न पंचायत के मुखिया, प्रमुख, बीडीसी व संस्था के सचिव विकास कुमार माली ने संयुक्त रुप से बाबा भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर व फीता काटकर किया। समारोह में महिलाओं और पुरुषों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधि ने कहा कि कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी का कुछ दिन पूर्व ही हमारे डंडई प्रखंड में इतनी बड़ी कार्य करने वाले संस्था का कार्यालय का शुरुआत हुआ। उन्होंने कहा कि संस्था का जो उद्देश्य है। काफी सराहनीय है। संस्था गरीब हित में कार्य करती है। संस्था दहेज प्रथा, बाल विवाह, भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों को दूर करने को लेकर मुहिम छेड़ा है। जिसमें हम सभी को सहयोग करने की जरूरत है। संस्था के सचिव विकास कुमार माली ने कहा कि 2010 से हमारी संस्था गरीबों के हित में कार्य किया है। जो लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि होली आपसी भाईचारे का त्योहार है। इसे होली मिलन समारोह के रूप में मना कर आपसी में भाईचारे का बढ़ावा दिया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि होली अहंकार पर करुणा प्रेम के जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस बैनर के तले अब तक हजारों गरीब असहाय कन्याओं की शादी कराई गई है। वहीं भ्रूण हत्या, बाल विवाह, दहेज प्रथा से संबंधित कई जागरूकता कार्यक्रम भी झारखंड बिहार सहित अन्य प्रदेशों में चल रहा है। उन्होंने कहा की 17 मार्च को महानगर मुंबई के वसई रोड़ में कार्यालय का शुरुआत किया गया है। मौके पर जिला परिषद् उर्मिला देवी, राजेश मेहता, महाबीर राम, दीनानाथ पांडेय, राम प्यारी सिंह, सुभाष चन्द्र मेहता, राजा लाल सिंह, राम सागर राम, ष्णा कांत सिंह, अरविंद पासवान, सुमन मेहता, राजकुमारी देवी सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

फीता काटकर उद्घाटन करते संस्था के सचिव व अन्य

कांग्रेस में पप्पू की पार्टी के विलय का विरोध शुरू

पटना। राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के जन अधिकार पार्टी (जाप) के विलय के दूसरे दिन गुरुवार से ही कांग्रेस में विरोध शुरू हो गया है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा ने अपने एक्स-हैंडल पर बगैर नाम लिए लिखा है कि यह कहावत सच है कि डूबते को तिनके का सहारा लेना पड़ता है, किंतु देश में और न ही बिहार में कांग्रेस पार्टी डूबती हुई पार्टी है। उन्होंने कहा कि फिर भी न जाने क्यों, कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष की असहमति के बावजूद विवादित लोगों को महिमामंडित कर लोकसभा की सीट के साथ सदस्यता दिलाई जा रही है? शर्मा ने आइएनसी इंडिया के आधिकारिक एक्स हैंडल के उस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें लिखा गया है कि जाप सेवा, न्याय और संघर्ष के लिए जानी जाती है। पूर्णिया संसदीय सीट पर द्वितीय चरण में चुनाव होना है। होली के तुरंत बाद यानि 28 मार्च से यहां नामांकन शुरू हो जाएगा।

आयुक्त ने विभिन्न मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण, दिये आवश्यक निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। प्रमंडलीय आयुक्त बाल किशुन मुंडा ने आगामी लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर पलामू लोकसभा क्षेत्र के गढ़वा जिला अंतर्गत गढ़वा एवं भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों का गुरूवार को निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त ने गढ़वा विाानसभा क्षेत्र के राजकीय त बालिका मुख्यमंत्री उत्ष्ट विद्यालय के मतदान केंद्र संख्या 117, 118, 119 एवं 120, उत्क्रमित मध्य विद्यालय ब्लक कलोनी मेराल स्थित मतदान केंद्र संख्या 58, 59 एवं 60 का भ्रमण किया। साथ ही भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय पाल्हे कला स्थित मतदान केंद्र संख्या 268 एवं 269, राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय नगर उंटारी स्थित मतदान केंद्र संख्या 237, 258 एवं 259 एवं राजकीय कन्या मध्य विद्यालय नगर उंटारी के मतदान केन्द्र संख्या 240, 241, 262 एवं 263 का निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त ने कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। आयुक्त ने मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए चुनावी प्रक्रिया को सुगम बनाने के निमित्त उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न सुविधाओं की जानकारी लिया। उन्होंने दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए की जाने वाली गतिविधियों यथा इनके निबंधन, मतदान दिवस पर परिवहन की सुविधा, मतदान केन्द्रों की संरचना, मतदान केन्द्रों पर रैंप, व्हील चेयर, चेयर की व्यवस्था, वोलेंटियर का सहयोग लेने संबंधी जानकारी ली। निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मापदंड के तहत किये जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति, मतदान केन्द्रों पर महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था, रनिंग वाटर की व्यवस्था एवं शौचालय जाने के रास्तों में साइनेज लगाने का निर्देश दिया। मतदान कक्ष में मतदान के दिन पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं गर्मी के मद्देनजर पंखा को दुरूस्त रखने का निर्देश दिया। पदाधिकारियों ने बताया कि भवनाथपुर विस के नगर उंटारी एवं अन्य कई मतदान केन्द्रों पर भू-जल स्तर नीचे चले जाने के कारण बोरिंग सूख जाता है। इन स्थानों पर चापाकल से पानी की व्यवस्था उपलब्ध है। इसपर आयुक्त ने वाटर टंकी लगाने, शुद्ध पेयजल की समस्या वाले मतदान केन्द्रों पर मतदान दिवस के दिन टैंकर से पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, चिकित्सा किट, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट आदि अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधा रखने का भी निर्देश दिया। वे बीएलओ से मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं की संख्या से भी अवगत हुए। साथ ही जो मतदाता मतदान केन्द्र पर पहुंचने में असमर्थ हैं, उनके लिए फार्म 12डी को भरवाने का निर्देश दिया। आयुक्त ने गढ़वा एवं भवनाथपुर के मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही मामूली कमियों को तत्काल दूर करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण करते आयुक्त व अन्य

स्ट्रॉग रूम एवं डिस्पैच सेंटर का किया निरीक्षण : आयुक्त बाल किशुन मुंडा, उपायुक्त शेखर जमुआर सहित अन्य पदाधिकारियों ने श्री सद्गुरू जगजीत सिंह नामधारी कॉलेज गढ़वा स्थित स्ट्रांग रूम, डिस्पैच सेंटर एवं मल्टीपरपस हल का निरीक्षण किया। साथ ही यहां उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की सराहना किया। साथ ही इसके बेहतर रखरखाव करते हुए सदुपयोग करने का निर्देश दिया। मौके पर मुख्य रूप से आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा, डीसी शेखर जमुआर, एसपी दीपक कुमार पांडेय, डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा, एसी मतियस विजय टोप्पो, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार, गढ़वा एसडीओ विजय कुमार, जिला योजना पदाधिकारी-सह-प्रभारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजीव कुमार, संबंधित प्रखंड के बीडीओ एवं सीओ सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

विपक्षी दल का खाता सील करना लोकतंत्र पर हमला : कांग्रेस

एजेंसी

▸▸ **बैंक खाते में जमा 285 करोड़ का इस्तेमाल भी नहीं कर सकती है पार्टी : खड़गे**

▸▸ **चुनाव के समय इस तरह आर्थिक रूप से पंगु बनाना लोकतंत्र के लिए घातक**

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के वक्त उसके बैंक खाते सील कर प्रमुख विपक्षी दल को सोची समझी रणनीति के तहत आर्थिकरूप से पंगु बनाया जा रहा है ताकि वह चुनाव नहीं लड़ सके और ऐसा कर मोदी सरकार लोकतंत्र को नष्ट करने के काम में जुटी हुई है । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कोषाध्यक्ष अजय माकन तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित विशेष सयुंक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी के बैंक खाते आयकर नहीं देंगे का आरोप लगाकर सील किए गए हैं और अब पार्टी अपने खाते में जमा 285 करोड़ रुपये का इस्तेमाल भी नहीं कर सकती है। ऐसे हालात में पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करना भी कठिन हो गया है। पार्टी पर यह कारवाई पांच साल तथा 35 साल पुराने मामले में की जा रही है। प्रमुख विपक्षी दल को चुनाव के समय इस तरह आर्थिक रूप से पंगु बनाना लोकतंत्र के घातक है। श्री खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र के लिए चुनाव अनिवार्य होता है, साथ ही यह भी आवश्यक है कि सभी राजनीतिक दलों के लिए लेवल प्लेयिंग फील्ड हो। ये नहीं कि जो सत्ता में है, संसाधनों पर उनकी मोनोपॉली हो और देश की संस्थाओं पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उनका नियंत्रण हो। सुप्रीम कोर्ट ने जिस चुनावी चंदे की स्कीम को अवैध व असंवैधानिक कहा उस स्कीम के तहत भाजपा ने हजारों-करोड़ रुपए अपने बैंक खातों में भर लिए हैं।

वहीं, दूसरी तरफ मुख्य विपक्षी दल (कांग्रेस) का बैंक खाता फ्रीज कर दिया गया है ताकि हम पैसों के अभाव में बराबरी के साथ चुनाव न लड़ पाएं। यह सत्ताधारी दल द्वारा खेला गया एक खतरनाक खेल है। श्रीमती गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु बनाने का सुनियोजित प्रयास चल रहा है। जनता से एकत्रित धन को रोका जा रहा है और हमारे खातों से जबरन पैसा छीना जा रहा है। हालांकि, इन सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी, हम अपने चुनाव अभियान की प्रभावशीलता को बनाए रखने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ 'इलेक्टोरल बॉन्ड' का मुद्दा है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार दिया है। जैसा कि सभी जानते हैं, चुनावी बांड से भाजपा को भारी और बड़े पैमाने पर फायदा हुआ है। कांग्रेस की वित्तीय स्थिति पर लगातार हमले हो रहे हैं।

बयान, नैतिक और बौद्धिक दिवालियापन

अप्रासंगिकता का दोष वित्तीय परेशानियों पर मढ़ रही कांगेस : नड्डा

नयी दिल्ली । भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने देश में लोकतंत्र खत्म होने के कांग्रेस के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस अप्रासंगिक हो गयी है और उसका दिवालियापन आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और बौद्धिक है। श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस को जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और ऐतिहासिक हार के डर से उनके शीर्ष नेतृत्व ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और भारतीय लोकतंत्र तथा संस्थानों के खिलाफ बयानबाजी की। वे आसानी से अपनी अप्रासंगिकता का दोष वित्तीय परेशानियों पर मढ़ रहे हैं। दरअसल, उनका दिवालियापन आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और बौद्धिक है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अपनी गलतियों को सुधारने के बजाय,कांग्रेस अपनी परेशानियों के लिए अधिकारियों को दोषी ठहरा रही है। उन्होंने कहा कि चाहे वह आयकर अपीलय न्यायाधिकरण हो या दिल्ली उच्च न्यायालय दोनों ने कांग्रेस से नियमों का पालन करने और बकाया करों का भुगतान करने के लिए कहा है लेकिन पार्टी ने कभी ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने हर क्षेत्र, हर राज्य और इतिहास के हर पल में लूट की हो, उसके लिए वित्तीय लाचारी की बात करना हास्यास्पद है। जीप से लेकर हेलिकॉप्टर घोटाले से लेकर बोफोर्स तक सभी घोटालों से जमा हुए पैसे का इस्तेमाल कांग्रेस अपने चुनाव प्रचार में कर सकती है।

भाजपा ने तीन राज्यों के लिए नियुक्त किये चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी

नयी दिल्ली। भाजपा ने गुरुवार को तीन राज्यों के चुनाव प्रभारी और सह चुनाव प्रभारियों की घोषणा की। इन राज्यों में राजस्थान, हरियाणा और आंध्र प्रदेश के चुनाव प्रभारी एवं सह-चुनाव प्रभारी शामिल हैं। पार्टी ने लोकसभा चुनाव को ले राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे को राजस्थान का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को हरियाणा का चुनाव प्रभारी बनाया गया है और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह को आंध्र प्रदेश का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। चुनाव प्रभारी के साथ पार्टी ने इन राज्यों के सह चुनाव प्रभारियों की भी नियुक्ति की है। राष्ट्रीय मंत्री विजया रहाटकर और सांसद प्रवेश वर्मा को राजस्थान का सह चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। सांसद सुरेंद्र सिंह नागर को हरियाणा के सह चुनाव प्रभारी का जिम्मा सौंपा गया है और विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह को आंध्र प्रदेश का सह चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है।

स्पीड न्यूज

फिल्म दो और दो प्यार का टीजर हुआ रिलीज

मुंबई। अप्लॉज एंटरटेनमेंट प्रस्तुत एलिप्सिस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म दो और दो प्यार का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म दो और दो प्यार में विद्या बालन, नजर आयेंगी। इस फिल्म को शीर्ष गुहा ठाकुरता ने निर्देशित किया है, बतौर निर्देशक यह उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म होगी। फिल्म दो और दो प्यार का टीजर रिलीज हो गया है,जिसमें एक प्रेम कहानी की झलक दिखाई गई है। फिल्म दो और दो प्यार 29 मार्च को रिलीज होगी।

होली को लेकर 540 अतिरिक्त ट्रेन शुरू

नयी दिल्ली। भारतीय रेलवे ने होली के त्योहार पर यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए 540 अतिरिक्त ट्रेन शुरू की हैं। रेल मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली-पटना, दिल्ली-भागलपुर, दिल्ली-मुजफ्फरपुर, दिल्ली-सहरसा, गोरखपुर-मुंबई, कोलकाता-पुरी, गुवाहाटी-रांची, नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा, जयपुर-बांद्रा टर्मिनस, पुणे-दानापुर, दुर्ग-पटना, बरौनी-सूरत आदि जैसे रेलवे मार्गों पर देश भर के प्रमुख स्थलों को जोड़ने के लिए ट्रेन चलाने की योजना बनाई गई है।

पाकिस्तान में आठ आतंकी मारे गये

कराची। बलूचिस्तान प्रांत स्थित ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण परिसर में सुरक्षा बलों ने आठ आतंकियों को ढेर कर दिया। मकरान डिवीजन के आयुक्त सईद अहमद उमरानी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि हमलावर ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण की इमारत में घुसने का प्रयास कर रहे थे। इससे पहले सुरक्षा बलों के अभियान में आठ आतंकी मारे गये। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगे बलूचिस्तान में लंबे समय से हिंसा छिड़ी है। पूर्व में बलूच विद्रोही समूहों ने 60 अरब अमेरिकी डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं को निशाना बनाते हुए कई हमले किए हैं।

तमिलनाडु में 32 सीटों पर लड़ेगी अन्नाद्रमुक

चेन्नई । एडप्पादी के पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक लोकसभा चुनाव में राज्य की 32 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पलानीस्वामी ने गुरुवार को उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। पार्टी ने पुडुचेरी लोकसभा सीट और कन्याकुमारी में विलावनकोड विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवारों की घोषणा की। सूची के मुताबिक तमिलनाडु में एआईएडीएमके 18 सीटों पर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी डीएमके से मुकाबला करेगी।

तमिलनाडु में भाजपा 20 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

चेन्नई । एनडीए ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य की 39 सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दिया। जिसमें भाजपा राज्य की 20 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जबकि 19 सीटों पर एनडीए के सहयोगी दलों के उम्मीदवार होंगे। तमिलनाडु भाजपा की तरफ से जारी जानकारी के मुताबिक भाजपा राज्य की 20 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। जबकि 4 अन्य लोकसभा सीटों पर कुछ सहयोगी दलों के उम्मीदवार भाजपा के कमल चिह्न पर चुनाव लड़ेंगे।

इंदिरा और राजीव की विरासत के विपरीत है जाति जनगणना

आनंद शर्मा ने इंदिरा गांधी के नारे, *न जात पर न पांत पर, मुहर लगेगी हाथ पर* का किया जिक्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्लूसी) के सदस्य आनंद शर्मा ने गुरुवार को पार्टी की ओर से घोषित जातिगत जणगनना पर सवाल उठाए हैं। शर्मा ने मामले को गंभीर बताते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र भी लिखा है। आनंद शर्मा ने कहा है कि जातिगत जनगणना पर पार्टी का हालिया जोर पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और राजीव गांधी द्वारा अपनाए गए रुख के विपरीत है। इसलिए जातिगत जनगणना मामले पर एक बार फिर से विचार करने की जरूरत है। आनंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से गरीब, शोषितों की भलाई, समानता और सामाजिक न्याय की बात करती रही है। आजादी के बाद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए और बाद में अत्यंत पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए आरक्षण लागू किया । यह एक समूह के लिए निर्णय था किसी जाति विशेष के लिए नहीं था।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1990 के चुनाव में जातिवाद को मुद्दा बनाने का विरोध किया था

शर्मा ने 1980 के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के द्वारा दिए गए नारे जात पर न पांत पर मुहर लगेगी हाथ पर के ऐतिहासिक रुख का जिक्र किया। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा संसद में दिए गए बयानों का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने 1990 में चुनाव के दौरान भी जातिवाद को चुनावी मुद्दा बनाने का विरोध किया था।

जाति जनगणना पर सवाल उठाने वाले आनंद शर्मा के पत्र पर कांग्रेस के नेता पवन खेड़ा ने कहा कि आनंद शर्मा वरिष्ठ नेता हैं। वे सीडब्ल्यूसी के सदस्य भी हैं इसलिए यदि वह कुछ भी चर्चा करना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं। कांग्रेस सांसद डॉ. सैयद नसीर हुसैन ने कहा कि यह पार्टी हर भारतीय की है। पार्टी में सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए स्वतंत्र हैं। हमने जाति-आधारित राजनीति नहीं की लेकिन जाति जनगणना के आधार पर हम सभी वर्गों के लिए नीतियां बना सकेंगे।

रामबाण नहीं हो सकती है जाति जनगणना

कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में कहा कि मेरे विचार में जाति जनगणना रामबाण नहीं हो सकती और न ही बेरोजगारी और प्रचलित असमानताओं का समाधान हो सकती है। मेरी विनम्र राय में इसे इंदिरा जी और राजीव जी की विरासत का अनादर करने के रूप में गलत समझा जाएगा।

विकसित भारत के संदेशों को तुरंत बंद करें केंद्र : आयोग

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि विकसित भारत के संदेशों को वाट्सऐप पर साझा करना तुरंत बंद करे। चुनाव आयोग ने गुरुवार को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव को आदर्श आचार संहिता के दौरान वाट्सऐप पर विकसित भारतके संदेशों की डिलीवरी तुरंत रोकने के लिए पत्र लिखा है। आयोग ने मंत्रालय से इस मामले पर तत्काल अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी है। पत्र में कहा गया है कि आयोग को विभिन्न क्षेत्रों से शिकायतें मिली हैं कि आम चुनाव 2024 की घोषणा और आदर्श आचार संहिता के लागू होने के बावजूद नागरिकों के फोन पर अभी भी ऐसे संदेश भेजे जा रहे हैं। इसलिए आपको यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है कि चुनाव आचार संहिता के दौरान वाट्सऐप संदेशों की आगे कोई डिलीवरी न हो। इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट तुरंत भेजी जाए।

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक लगाने से इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य दो आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति संबंधी 2023 के (संशोधित) कानून को चुनौती देने वाली याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि हम अब कानून पर रोक नहीं लगा सकते हैं। रोक लगाने से केवल अराजकता और अनिश्चितता पैदा होगी। पीठ ने हालांकि, कहा कि चयन समिति के सदस्यों को विचार-विमर्श के लिए अधिक समय दिया जा सकता था। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को 14 मार्च को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। इससे ठीक एक दिन पहले शीर्ष अदालत में इससे संबंधित मामले की सुनवाई होनी थी। पीठ ने आगाह करते हुए कहा कि ऐसी संवैधानिक नियुक्तियों से सावधान रहना होगा। विपक्ष के नेता को बैठक से पहले उम्मीदवारों पर विचार करने के लिए कोई समय नहीं दिया गया। ऐसा लगता है कि कुछ ही घंटों में 200 नामों पर विचार किया गया। पीठ ने कहा कि जब मामला अदालत में विचाराधीन है तो सरकार चयन संबंधी बैठक को एक या दो दिन के लिए टाल सकती थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए। हम जन प्रतिनिधित्व अधिनियम से निपट रहे हैं जो मेरे अनुसार संविधान के बाद सर्वोच्च है। पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि आपको चयन समिति के सदस्यों को उनके सामने आने वाले नामों पर अपना दिमाग लगाने के लिए समय देना चाहिए।

रोक लगाने से अराजकता और अनिश्चितता पैदा होगी

फैक्ट चेक यूनिट की अधिसूचना पर रोक

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रभाव का विश्लेषण करने को अनावश्यक बताते हुए फैक्ट चेक यूनिट से संबंधित केंद्र सरकार की 20 मार्च की अधिसूचना पर गुरुवार को अंतरिम रोक लगा दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने स्टैंड अप कॉमेडियन कुणाल कामरान और एडिटर्स गिल्ड की याचिका पर सुनवाई करते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के संचालन को निलंबित कर दिया। पीठ ने कहा कि इससे संबंधित मामला उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। अदालत कई महत्वपूर्ण सवालों पर विचार कर रही है। पीठ ने कहा कि हमारा मानना है कि उच्च न्यायालय के समक्ष आने वाले प्रश्न संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के मूल प्रश्नों से निपटते हैं। उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय लंबित होने के कारण, हम गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेने से बच रहे हैं। हमारा विचार है कि अंतरिम राहत के आवेदन की अस्वीकृति के बाद 20 मार्च, 2024 की अधिसूचना पर रोक लगाने की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने बताया कि नियम 3(1)(बी)(5) की वैधता को दी गई चुनौती में गंभीर संवैधानिक प्रश्न शामिल है और मुक्त भाषण व अभिव्यक्ति पर नियम के प्रभाव का उच्च न्यायालय द्वारा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी।

जयपुर में बिहार के एक ही परिवार के 5 लोग जिंदा जले

▸▸ **चाय-नाश्ता बनाते समय गैस सिलेंडर से पाइप के आग से माता-पिता और तीन बच्चों की गयी जान**

जयपुर। राजस्थान के जयपुर जिले के विश्वकर्मा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे चाय-नाश्ता बनाते समय गैस सिलेंडर से पाइप के अचानक निकलने से लगी आग में एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जल गए। मरने वालों में माता-पिता और तीन बच्चे हैं। पुलिस और दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के बाद जले हुए शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। जयपुर पश्चिम के पुलिस उपायुक्त अमित कुमार ने पत्रकारों को बताया कि घटना विश्वकर्मा थाना क्षेत्र के जैसल्या गांव की है। जहां सुबह करीब साढ़े 07 बजे चाय-नाश्ता बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर से पाइप निकल जाने से लगी आग में राजेश (26), उसकी पत्नी रूबी (24), ईशु (7), दिलखुश (2) और खुशमानी (4) की मौत हो गई। यह परिवार बिहार के मधुबनी का था और यहां किराए पर रहता था। राजेश एक फैक्टरी में काम करता था। परिवार करीब 4-5 महीने से यहां रह रहा था। कुछ दिन छुट्टी पर बिहार गए हुए थे। बुधवार शाम को ही वापस आए थे। गुरुवार सुबह हादसा हो गया।

थानाधिकारी राजेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में सामने आ रहा है कि गुरुवार सुबह जब बच्चों की मां रूबी चाय-नाश्ता बना रही थी तो इस दौरान गैस के पाइप से तेजी से गैस लीक होने के बाद पूरे कमरे में आग लग गई।

चुनाव आयोग ने किए 13 पुलिस अधीक्षकों और चार जिलाधिकारियों के तबादला

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने वर्तमान चुनावों में तंत्र की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए चार राज्यों- गुजरात, पंजाब, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में आठ गैर-कैडर पुलिस अधीक्षकों,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और पांच गैर-कैडर जिलाधिकारियों का तबादला कर दिया है।

आयोग ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में समान अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, उसने आज इन गैर-कैडर अधिकारियों के लिए स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। इनमें कुछ प्रमुख राजनेताओं के रिश्तेदार जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू की बैठक बुलाने के बाद यह निर्णय लिया गया।

फेड के ब्याज दर में कटौती के संकेत से बाजार गुलजार

एजेंसी

▸▸ **सेंसेक्स 539 अंक छलांग लगाकर 72,641 पर पहुंचा और निफ्टी 172 अंक उछलकर 22011 पर बंद**

मुंबई । अमेरिकी फेडरल रिजर्व के इस वर्ष ब्याज दरों में तीन बार कटौती किए जाने के संकेत से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत गुरुवार को शेयर बाजार गुलजार रहा। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 539.50 अंक की छलांग लगाकर 72,641.19 अंक पर पहुंच गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 172.85 अंक उछलकर 22,011.95 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह लगातार बिकवाली का दबाव झेल रही मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों ने आज मजबूत प्रदर्शन किया। इससे बीएसई का मिडकैप 2.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,652.42 अंक और स्मॉलकैप 2.01 प्रतिशत मजबूत होकर 42,321.99 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3926 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2758 में तेजी जबकि 1061 में गिरावट रही वहीं 107 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 40 कंपनियां हरे जबकि शेष 10 लाल निशान पर बंद हुईं। विश्लेषकों के अनुसार, फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया कि मुद्रास्फीति पर थोड़ी धीमी प्रगति के अनुमान के बावजूद वह अभी भी इस साल अमेरिकी ब्याज दरों में तीन बार कटौती की उम्मीद करता है।

बंपर जीत के बाद भी इंदिरा गांधी का रायबरेली से हुआ था मोहभंग

एजेंसी

लोकसभा चुनाव

▸▸ **1980 में रायबरेली से इंदिरा गांधी के खिलाफ लड़ी थी विजयाराजे सिंधिया**

▸▸ **भारी मतों से जीतने के बाद इंदिरा ने इस्तीफा दिया था और आंध्र प्रदेश की मेंडक से भी चुनाव लड़ा, जीतीं**

▸▸ **हारने के बाद भी राजमाता का जुड़ाव रायबरेली से बना रहा और कार्यकर्ताओं से जुड़ी रहीं**

रायबरेली। अरसे से कांग्रेस की गढ़ रही रायबरेली लोकसभा सीट पर मुकाबले हमेशा रोचक ही रहे हैं, कभी यहां इंदिरा गांधी को हार मिली तो कभी बंपर जीत के बाद भी उनका यहां से मोहभंग हो गया। रायबरेली के चुनाव में भारतीय राजनीति की दो दिग्गज महिलाओं के बीच हुई चुनावी जंग आज भी चुनावी इतिहास में दर्ज है। इसकी चर्चा हमेशा होती रहती है।वर्ष 1980 में रायबरेली से इंदिरा गांधी चुनाव लड़ रही थीं। इंदिरा गांधी को टक्कर देने के लिए जनता पार्टी की ओर से रणनीति तैयार की जा रही थी, लेकिन कोई भी यहां से चुनाव लड़ने का इच्छुक नहीं था। ऐसे में खुद ग्वालियर की राजमाता और दिग्गज नेत्री विजयाराजे सिंधिया ने रायबरेली से इंदिरा गांधी को चुनौती देने का मन बनाया। जनता पार्टी ने उन्हें टिकट देते हुए मैदान में उतार दिया। खुद इंदिरा गांधी भी हैरान थीं।

इंदिरा लहर तो थी लेकिन राजमाता का आकर्षण जनता में बहुत था। उनकी सभाओं में भारी भीड़ उमड़ रही थी। पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडे कहते हैं कि गांव-गांव में राजमाता के प्रति बड़ी श्रद्धा थी,आमजन विशेषकर महिलाओं में पैर छूने की होड़ लगी रहती थी। बिना किसी बंदोबस्त के ही मीटिंग्स में खूब भीड़ होती थी। राजमाता के जनता से मिलने का तरीका भी अलग था। बावजूद इसके जनता पार्टी के पास न तो मजबूत संगठन था और न ही संसाधन। इस चुनाव में इंदिरा गांधी भारी मतों से जीत गईं। उन्होंने विजयाराजे सिंधिया को 1,73,654 वोटों से हराया। राजमाता विजयाराजे सिंधिया को मात्र 50,249 वोट ही मिल सके। हालांकि इस चुनाव में हारने के बाद भी राजमाता का जुड़ाव रायबरेली से बना रहा और वह यहां के कार्यकर्ताओं से जुड़ी रहीं। वर्ष 1980 का रायबरेली से चुनाव इंदिरा गांधी के लिए अंतिम चुनाव रहा, यहां से भारी मतों से जीत दर्ज करने के बाद भी उनका यहां से मोहभंग हो गया और उन्होंने रायबरेली की अपनी सीट से इस्तीफा दे दिया। इंदिरा ने आंध्र प्रदेश की मेंडक सीट से भी चुनाव लड़ा था। यहां भी उनकी जीत हुई थी। उन्होंने मेंडक सीट को बरकरार रखा, जबकि रायबरेली से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद 1980 में इस सीट पर उपचुनाव में अरुण नेहरू समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र को हराकर सांसद बने।

VERMA PRESS

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

Verma's® Today®

शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar – II	₹ 120	English Grammar – II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !